अंक – 10 (मासिक) वर्ष – 17 अप्रैल, 2022 मूल्य 20/–

RNI-MPHIN/2005/14721
Po-Malwa Div/244/2020-22
Desp. 02 April, 2022

अपनों के लिए अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

अभिनंदनम्...
नमामी नव संवत्सरम् 2079

'अरूणिमा 2022' ने दिखाया नव आकाश

पश्चिमी म.प्र. प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन का आयोजन

स्मृति शेष

पी.डी. माहेश्वरी, चैन्नई

न्यायमूर्ति आर.सी. लाहोटी

''स्वाश्रिता'' से फिर बना विश्व कीर्तिमान

श्री माहेश्वरी मेलापक

वैवाहिक डायरेक्ट्री
श्री माहेश्वरी मेलापक 2022
का प्रकाशन प्रारंभ

Visit us @
srimaheshwaritimes.com

बात हम सबकी
सुने हर शनिवार

Contemporary Range of Home Essentials, Crafted by Experts

FANS | LIGHTING
APPLIANCES | SWITCHES

Toll Free : 18001032676 | Email : customercare@rrglobal.com | Website: www.rrglobal.com | Follow us

अपनों के लिए अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

RNI-MPHIN/2005/14721

▸▸ अंक-10 ▸▸ अप्रैल 2022 ▸▸ वर्ष-17

प्रेरणास्रोत
स्व. श्री बंशीलाल बाहेती
स्व. श्री मदनलाल पलौड़

प्रबंध सम्पादक एवं निदेशक
श्रीमती सरिता बाहेती

सम्पादक
पुष्कर बाहेती

संरक्षक
पद्मश्री बंशीलाल राठी (चैन्नई)
श्री नेमीचन्द तोषनीवाल (कोलकाता)
श्री जोधराज लड्ढा (कोलकाता)
श्री रामकुमार टावरी (दिल्ली)

अतिथि सम्पादक
सत्यनारायण काबरा, जयपुर

परामर्शदाता
दिनेश माहेश्वरी (भूतड़ा) मुम्बई/इन्दौर
घनश्याम करनानी (कोलकाता)

कला निदेशक
अक्षय आमेरिया

विधि सलाहकार
राजेन्द्र ईनाणी, एडव्होकेट (बागली)

सम्पादकीय सलाहकार
गोविन्द मालू (इन्दौर)
बाबूलाल जाजू (भीलवाड़ा)
प्रो. कल्पना गगडानी (मुम्बई)

कार्यालय-
90, विद्या नगर (टेड़ी खजूर दरगाह के पीछे),
सांवेर रोड, उज्जैन-456010 (म.प्र.)
Phone : 0734-2526561, 2526761
Mobile : 094250-91161
e-mail : smt4news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती सरिता बाहेती द्वारा ऋषि ऑफसेट, श्री माहेश्वरी भवन, गोलामण्डी, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

▸ श्री माहेश्वरी टाईम्स में प्रकाशित सभी लेखों के विचारों पर सम्पादक/प्रकाशक की सहमति हो, यह आवश्यक नहीं है।
▸ सभी प्रसंगों का न्यायक्षेत्र उज्जैन (म.प्र.) होगा।

Sri Maheshwari Times
■ PNB A/c. No. : 0459002100043471
IFSC- PUNB0045900
■ ICICI A/c. No. : 030005001198
IFSC- ICIC0000300

Tariff of Membership
Rs. 800/- for Three years
Rs. 3100/- for Life Time (12 Years)

विचार क्रान्ति

नववर्ष का व्रत 'सान्त्वना'

महाभारत के शांतिपर्व की सबसे लघुतम कथाओं में से एक 'राजधर्मानुशासन पर्व' के 84 वें अध्याय की कथा है। कुल 11 श्लोक के इस अध्याय में देवराज इंद्र और देवगुरु बृहस्पति का संवाद है जिसमें देशकाल से इतर मानव मात्र की प्रत्येक पीढ़ी के लिए समस्त प्राणियों का प्रिय और यशस्वी होने का सूत्र निहित है।

कथा अनुसार एक बार इन्द्र ने बृहस्पति से पूछा कि 'वह एक शब्द कौन-सा है जिसका आचरण करने से व्यक्ति सभी प्राणियों का प्रिय होकर महान यश प्राप्त कर लेता है?' इसके उत्तर में बृहस्पति ने कहा 'सान्त्वना', अर्थात् मधुर वचन बोलना!' देवगुरु बोले, हे इन्द्र ! 'यही एक वस्तु सम्पूर्ण जगत् के लिए सुखदायक है। इसको आचरण में लाने वाला मनुष्य सदा सभी प्राणियों का प्रिय होता है।'

इसलिए कि 'यो हि नाभाषते किंचित् सर्वदा भृकुटीमुखः। द्वेष्यो भवति भूतानां स सान्त्वमिह नाचरन्।।' अर्थात् जो व्यक्ति सदा भौंहें टेढ़ी किए रहता है, किसी से कुछ बात नहीं करता, वह शांत भाव को न अपनाने के कारण सबके द्वेष का पात्र हो जाता है। इसके उलट जो 'यस्तु सर्वमभिप्रेक्ष्य पूर्ववाभिभाषते। स्मितपूर्वाभिभाषी च तस्य लोकः प्रसीदति।।' अर्थात् जो सभी को देखकर पहले ही बात करता है और सबसे मुस्कुरा कर संवाद करता है, उस पर सब लोग प्रसन्न रहते हैं।

ध्यान रहे संसार को अपने वश में करने का एक ही उत्तम शस्त्र है मधुर वचन। जैसा कि बृहस्पति ने कहा है कि 'सुकृतस्य हि सान्त्वस्य श्लललक्ष्णस्य मधुरस्य च। सभ्यगासेव्यमानस्य तुल्यं जातु न विद्यते।।' आशय है यदि अच्छी तरह से सान्त्वनापूर्ण, मधुर एवं स्नेहयुक्त वचन बोले जाए और सदा सब प्रकार से उन्हीं का सेवन किया जाए तो उसके समान वशीकरण का साधन इस जगत् में निःसंदेह दूसरा कोई नहीं है।

साधो! सनातन परंपरा में नववर्ष प्रतिपदा नए वर्ष की शुभारंभ तिथि है। नववर्ष हमें नव संकल्प के लिए प्रेरित करता है और सबसे बड़ा संकल्प है सदैव मधुर वचन बोलने का व्रत लेना। यदि इस व्रत में हम सफल होते हैं तो सारा संसार हमारी 'मुट्ठी' में आना तय है। ये स्पष्टतः शास्त्र की घोषणा है।

■ डॉ. विवेक चौरसिया

सम्पादकीय

सूर्य से सुख

नव वर्ष की शुभकामनाएं।.....2 अप्रैल, चैत्र शुक्ल प्रतिपदा, भारतीय धर्म ग्रंथों के अनुसार सृष्टि निर्माण के आरंभ का दिन, सम्राट विक्रमादित्य द्वारा नव संवत्सर का पहला दिन यानी भारतीय नव वर्ष की शुरुआत। परंपरा सूर्योदय के समय सूर्य के आदित्यस्त्रोत पाठ के साथ अर्घ्य देना।.... भारतीय और पाश्चात्य परंपरा का यहां सबसे बड़ा अंतर नजर आता है। अंग्रेजी के नए साल की शुरुआत रात 12 बजे होती है, जबकि भारतीय नव वर्ष की शुरुआत सूर्योदय के साथ। समय भी वह, जब सूर्य अपने चरम उत्कर्ष पर गतिमान रहता है। हम इस परंपरा को इसलिए निभा भर रहे हैं क्योंकि यह कुछ बातें हैं जो हम सब जानते हैं, क्योंकि हमें अपने पूर्वजों ने यह सब सिखाया है, बताया है। हालांकि हम बीते पांच हजार साल में अपनी जड़ों से इस तरह अलग हो गए कि फिर जुड़ने की ललक ही खत्म हो गई। कभी विक्रमादित्य, चाणक्य जैसे महापुरुष आए और उन्होंने हमें फिर से अपनी जमीन दिखाने की कोशिश की, उसके लिए अपना सर्वस्व भी दिया। इसी का नतीजा है कि यह युगीन ज्ञान भले ही परंपरा में ही सही अब भी जीवित है और यह तब तक रहेगा भी जब तक हम अपनी नई पीढ़ी को इससे जोड़ने की सतही ही सही लेकिन कोशिश करते रहेंगे। भले ही सदियों के आक्रमणों ने हमारी जड़ें काटने में कोई कसर नहीं रखी लेकिन हमारे ऋषियों का रक्त जो हमारी नसों में प्रवाहित है, वह इतना कमजोर नहीं कि कोई उसे मिटा सके।...

हमारे ऋषियों ने नव वर्ष को सूर्य से क्यों जोड़ा, इस पर विचार करने की हमने कभी कोशिश नहीं की। इसके लिए बहुत गहराई में जाने की जरूरत भी नहीं हैं। यदि हम अपनी परंपराओं को पुरातन कह कर नकार भी दें तो आधुनिक विज्ञान हमें फिर वहीं ले जाता है। सूर्य की नई खोजों का अध्ययन करेंगे तो सूर्य को देवता मानने से भी इंकार नहीं कर सकेंगे। क्योंकि विज्ञान मानता है कि जीवन सूर्योदय से शुरू होता है और सूर्यास्त के साथ शिथिल। इसलिए पाश्चात्य में भी वर्किंग टाइम सुबह 11 से शाम 5 बजे तक रखा गया, जब तक सूर्य पूरे वेग के साथ आकाश में रहता है। सूर्य से स्वास्थ्य है, स्वास्थ्य है तो सुख है। हमारी परंपरा में दिनचर्या सूर्योदय के साथ शुरू होती है और सूर्यास्त के साथ समाप्त। यहां तक कि सूर्यास्त के बाद युद्ध तक रोक दिए जाते थे। सूर्य से स्वास्थ्य का सीधा संबंध हमारी भोजन पद्धति से जुड़ा है। हमारी परम्परा में सूर्यास्त के बाद भोजन निषेध रहा है। समयांतर में भगवान महावीर ने इस विज्ञान को पुष्ट किया, क्योंकि भोजन का संबंध स्वास्थ्य से है। हमें अपने शरीर के लिए भोजन जरूरी है। भोजन पेट में जाते ही शरीर पूरी ताकत से उसे पचाने में जुट जाता है। शरीर को इसे पचाने की ताकत सूर्य के रहते ज्यादा मिलती है। इसलिए उसे ज्यादा मशक्कत नहीं करना पड़ती। जैसे ही सूर्य अस्त होता है, उसके बाद यदि हमने भोजन किया तो उसे पचाने में शरीर को सबसे ज्यादा ताकत झोंकनी पड़ती है। इसका सीधा असर हमारे स्वास्थ्य पर शरीर की थकान, नींद और ऊर्जा क्षय के रूप में पड़ता है। विज्ञान यह मानता है कि जब हम रात को नींद में होते हैं तब शरीर दिन भर में हुई क्षति को रिपेयर करता है। लेकिन हम डिनर कर उसे दूसरे काम में लगा देते हैं। यानी शरीर वह काम नहीं कर पाता जो उसे अपने स्वास्थ्य के लिए करना चाहिए। धीरे-धीरे वह बीमारियां जड़ पकड़ लेती है, नतीजा असमय शरीर नष्ट हो जाता है। इसे अन्य नजरिए से देखें तो दिनभर सूर्य से मिली ऊर्जा को यदि हमारा शरीर भोजन पचाने जैसे नाहक काम में खर्च करता है तो वह मस्तिष्क को ऊर्जा नहीं पहुंचा सकता। नतीजा हम बुद्धिमत्ता पूर्ण निर्णय करने में पीछे हो जाते हैं। हमारा मस्तिष्क प्रखर नहीं हो सकता। यह बातें शायद आपको कुछ अलग लग सकती है। सूर्य और स्वास्थ्य को लेकर ऐसे कई तथ्य आपको अपने धर्मग्रंथों में मिल जाएंगे। नए साल की शुरुआत सूर्य को अर्घ्य देने से यदि कर रहे हैं तो यह भी समझ लें कि ऐसा करने के पीछे कारण क्या है?

यह सुखद खबर देते हुए हर्ष हो रहा है कि अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन ने नारी सशक्तिकरण की नवीन योजना 'स्वाश्रिता' के माध्यम से जरूरतमंद महिलाओं को सिलाई मशीन वितरण से फिर से विश्व कीर्तिमान बनाया है। इसी प्रकार पश्चिमी मध्यप्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन ने भी अपने अधिवेशन 'अरूणिमा' के आयोजन द्वारा नारी प्रतिभा को मंच प्रदान करने का विशिष्ट कार्य किया है। इन गरिमामय आयोजनों के लिये दोनों संगठन बधाई के पात्र हैं। अब चर्चा कर लें कुछ दुःखद प्रसंगों की। हमने समाज के गौरव व देश की न्यायपालिका के सिरमोर रहे सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री आर.सी. लाहोटी तथा समाजसेवा के क्षेत्र में उद्यमियों के लिये प्रेरणा के पर्याय रहे चेन्नई निवासी ख्यात समाजसेवी श्री पी.डी. माहेश्वरी को खो दिया है। आप दोनों के निधन से समाज की जो क्षति हुई है, उसकी प्रतिपूर्ति सम्भव नहीं, लेकिन विधि के विधान को स्वीकारना हमारी विवशता है। मैं श्री माहेश्वरी टाईम्स परिवार की ओर से दोनों महानुभावों के श्रीचरणों में नमन करते हुए उन्हें अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ तथा उनके परिवार को यह वज्रघात सहन करने की क्षमता प्रदान करने की परमपिता परमेश्वर से कामना करता हूँ। श्री माहेश्वरी टाईम्स का आगामी अंक माहेश्वरी समाज का प्रमुख त्यौहार ''गणगौर'' पर केन्द्रित रहेगा। इसके लिये अपने आयोजन के उत्कृष्ट फोटोग्राफ अवश्य प्रेषित करें, हम उनका प्रकाशन करेंगे। यह अंक कैसा लगा? यह बताना भी न भूलें।

पुष्कर बाहेती
सम्पादक

अतिथि सम्पादकीय

ख्यात समाजसेवी व व्यवसायी के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान रखने वाले जयपुर निवासी सत्यनारायण काबरा का जन्म 4 दिसम्बर 1952 में सांभर लेक - जयपुर (राज.) में एक संस्कारिक धार्मिक व समाजसेवी परिवार में हुआ था। अतः समाज सेवा आपको विरासत में ही मिली। पिताजी के असमय देहावसान के कारण परिवार की जिम्मेदार भी उन पर ही आ गई। अतः जयपुर आकर कुछ नया करने का निर्णय लिया। इसी क्रम में आपने गारमेंट हाऊस की शुरुआत कर वर्ष 1992 में गारमेंट निर्यात के क्षेत्र में भी कदम रख दिया। वर्तमान में आपका प्रतिष्ठान ''सार्क ओरिजनल'' देश के वन स्टार एक्सपर्ट हाऊस में शामिल है। जगतपुरा क्षेत्र में मल्टी 'समृद्धि रेसीडेंसी' व होटल कार्पोरेट रीजेंसी द्वारा आप निर्माण व सेवा क्षेत्र में भी पदार्पण कर चुके हैं। समाजसेवा के क्षेत्र में माहेश्वरी समाज जयपुर से गत 45 वर्षों से सतत रूप से सम्बद्ध रहते हुए अभी तक संगठन व प्रचार मंत्री, कोषाध्यक्ष, शिक्षा सचिव (एमपीएस प्रतापनगर) तथा माहेश्वरी समाज जयपुर एवं माहेश्वरी शिक्षा समिति जयपुर के अध्यक्ष भी रहे हैं। आपको राजस्थान सरकार द्वारा एक्सपोर्ट एक्सीलेंसी अवार्ड, ''जी राजस्थान के शान ए राजस्थान व माहेश्वरी एकता द्वारा माहेश्वरी ऑफ डिकेड आदि सम्मानों से नवाजा जा चुका है। आप विभिन्न तकनीकी शिक्षण संस्थानों को भी मार्गदर्शन प्रदान करते रहे हैं।

शिक्षा के बिना विकास अधूरा

माहेश्वरी समाज हमेशा से ही समाजसेवी समाज रहा है। जब भी किसी भी रूप में मानवता की सेवा की आवश्यकता महसूस हुई तो उसमें माहेश्वरी समाज ने अग्रणी रूप में अपना योगदान दिया है। समाज की इन्हीं सेवा भावना का प्रमाण देश भर में धर्मशाला, अस्पताल व शिक्षण संस्थान आदि के रूप में फैली माहेश्वरी समाज की सेवा संस्थाऐं हैं, जो समाज की सेवा भावना की गौरव पताका फहरा रही हैं। कारण यही है कि माहेश्वरी समाज देश का शीर्ष सम्पन्न उद्यमशील व व्यवसायी समाज तो है ही लेकिन हमने कभी भी अपनी सम्पन्नता को अपने आप तक सीमित नहीं रखा। हमेशा ही पीड़ित मानवता की सेवा को अपना ध्येय व धर्म माना तथा हर संभव प्रयास किये।

समाज की इसी सेवा भावना को गौरवान्वित करते हुए अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन ने मानवता की सेवा से फिर विश्व कीर्तिमान स्थापित कर माहेश्वरी समाज को गौरवान्वित किया है। महिला संगठन पूर्व में भी तीन बार अपनी सेवा गतिविधियों से विश्व कीर्तिमान बनाकर अपनी सेवा भावना का लोहा मनवा चुका है। इस बार फिर विश्व महिला दिवस के अवसर पर संगठन ने नारी सशक्तिकरण पर केंद्रीत अपनी योजना ''स्वाश्रिता'' प्रारम्भ की। इसके अंतर्गत जरूरतमंद महिलाओं को सिलाई प्रशिक्षण प्रदान कर तथा सिलाई मशीन भेंटकर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने का लक्ष्य रखा गया था। इसमें संगठन ने अपने सामूहिक प्रयासों से देश भर में 'सिंगर' के अधिकृत प्रशिक्षण केंद्र खोले और रिकार्ड 525 से अधिक सिंगर सिलाई मशीनें जरूरतमंद महिलाओं को वितरित कीं और इस योगदान से पुनः विश्व कीर्तिमान बना लिया। इस योजना की विशेषता भी यह थी कि यह सिर्फ माहेश्वरी समाज तक सीमित न होकर अन्य गरीब व जरूरतमंद महिलाओं को भी इसमें शामिल किया गया। इस अभिनव योगदान व सेवा प्रकल्प से माहेश्वरी समाज को गौरवान्वित करने के लिये मैं व्यक्तिगत रूप से भी अ.भा.माहेश्वरी महिला संगठन के योगदानों का अभिवादन करता हूँ।

वर्तमान दौर उपरोक्त सुखद घटना के साथ दो दुःखद घटनाओं से व्यथित करने वाला भी रहा। इसी दौरान हमने ख्यात समाजसेवी व उद्यमी चेन्नई निवासी श्री पी.डी. माहेश्वरी तथा समाज के प्रेरक वक्ता एवं देश की न्यायपालिका के सिरमोर रहे सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री आर.सी. लाहोटी को खो दिया। दोनों का देहावसान वास्तव में समाज की ऐसी अपूरणीय क्षति है, जिसकी प्रतिपूर्ति सम्भव नहीं। लेकिन इसके साथ ही दोनों विभूतियाँ अपने अवसान के साथ हमें यह संदेश अवश्य दे गईं कि यदि कोई भी कार्य पूर्ण समर्पित भाव से किया जाऐ, तो सफलता व मान-सम्मान कदम चूमते हैं। अतः मैं समाज से अपील करता हूँ कि अपने आपको सफलता के शीर्ष पर पहुँचाने व इस पर कायम रखने के लिये अपने प्रयत्नों में कोई कमी न रख छोड़ें। हाँ, यह बात भी याद रखें शिक्षा के बिना भी विकास अधूरा है क्योंकि उसका पूर्ण लाभ हम प्राप्त नहीं कर सकते।

सत्यनारायण काबरा, जयपुर (राज.)
अतिथि सम्पादक

टीम SMT

श्री डायल माताजी

माहेश्वरी जाति की गिलड़ा खांप की कुलदेवी

माताजी का मंदिर राजस्थान के नागौर जिले से 60 किमी दूर नागौर-जोधपुर बस सेवा मार्ग के रास्ते में डारू गाँव पड़ता है जो कि खींवसर से मात्र 10 किमी दूरी पर स्थित है। डायल माताजी का मन्दिर अति प्राचीन है। इस तथ्य की पुष्टि अभी तक नहीं हुई है कि माताजी का मन्दिर कितना प्राचीन हो सकता है। मन्दिर के सामने एक छोटा सा तालाब स्थित है जिसमें पानी कभी खत्म नहीं होता है।

कहते हैं कि यहाँ पर चर्म रोगी एवं बीमार व्यक्ति स्नान कर लेता है तो वह स्वस्थ हो जाता है। जोधपुर में गिलड़ा खांप के लगभग 300 परिवार स्थित है जो यहाँ पर आते-जाते रहते हैं। वर्तमान में शीघ्र ही मंदिर के जीर्णोद्धार की योजना चल रही है। अभी मात्र दो कमरे व एक बरामदा बनवाया गया है। यहाँ पर श्री भँवरसिंह चौहान पूजा-पाठ करते हैं। उनके अनुसार माताजी की मूर्ति अत्यंत प्राचीन एवं चमत्कारिक है। मन्दिर में दोनों समय आरती होती है। गिलड़ा खांप वाले परिवारों को पिछले वर्षों से ही इस मन्दिर की जानकारी मिली है।

कैसे पहुँचे

राजस्थान का जयपुर शहर देश के लगभग सभी शहरों से रेल एवं वायुमार्ग द्वारा जुड़ा हुआ है। ट्रेन या विमान द्वारा जयपुर पहुँचकर बस या स्वयं के वाहन द्वारा यहाँ पहुँचा जा सकता है।

महिला संगठन ने ''स्वाश्रिता'' से फिर बनाया विश्व कीर्तिमान

देशभर में 16 केंद्रों से किया जरूरतमंद महिलाओं को 525 सिलाई मशीनों का वितरण

अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन अभी तक विभिन्न सेवा गतिविधियों से विश्व कीर्तिमान बनाता रहा है। इसी श्रृंखला में पुनः इस बार विश्व महिला दिवस 8 मार्च को महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिये अभियान ''स्वाश्रिता'' प्रारम्भ किया गया। इसमें इस दिन 525 सिलाई मशीनों का वितरण कर संगठन ने विश्व कीर्तिमान बनाते हुए फिर सिद्ध कर दिया कि ''हम किसी से कम नहीं''।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर राष्ट्रीय महिला संगठन ने 'स्वाश्रिता - एक पहल' अंतर्गत द्वादश सत्र में ही चौथा गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्ष आशा माहेश्वरी एवं राष्ट्रीय महामंत्री मंजू बांगड़ के सफल नेतृत्व में महिला अधिकार, उत्थान, सुरक्षा एवं सशक्तिकरण समिति के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 8 मार्च 2022 के सुअवसर पर महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए स्वाश्रिता प्रॉजेक्ट आयोजित किया गया। प्रोजेक्ट की अभूतपूर्व सफलता के उपलक्ष्य में एक वर्चुअल सेरेमनी का आयोजन भी किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में लोकसभा अध्यक्ष ओम कृष्ण बिरला, अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के सभापति श्याम सुंदर सोनी, पूर्व सभापति रामपाल सोनी के साथ-साथ युवा संगठन अध्यक्ष राजकुमार काल्या उपस्थित थे। अति सम्माननीय अतिथि के रूप में महासभा के महामंत्री संदीप काबरा, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोरमा लड्ढा, लता लाहोटी, गीता मूंदड़ा, विमला साबू, सुशीला काबरा, निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष कल्पना गगरानी उपस्थित थीं। उक्त कार्यक्रम में सशक्त माहेश्वरी ग्लोबल महिला सम्मान भी बहरीन निवासी मधु लखोटिया को प्रदान किया गया।

फिर बना विश्व कीर्तिमान

इस कार्यक्रम में गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड के एशिया हेड श्री मनीष जी बिश्नोई शामिल हुए और उन्होंने प्रोजेक्ट के पूरे डेटाबेस को, जो उन्हें पहले ही भेजा जा चुका था। स्टडी करने के बाद लार्जेस्ट डिस्ट्रीब्यूशन ऑफ स्विंग मशीन टाइटल से रिकॉर्ड की घोषणा की और इस तरह द्वादश सत्र में ही चौथा विश्व कीर्तिमान संगठन ने अपने नाम दर्ज कर एक अद्भुत इतिहास रच दिया। इस प्रोजेक्ट अंतर्गत हर महिला को स्व-आश्रिता यानि आत्मनिर्भर बनाने के लिए, उसके सपनों को सिलने के लिए सिंगर इंडिया के साथ एक एमओयू साइन कर भारतवर्ष तथा नेपाल जो कि एक चैप्टर के रूप में संगठन के साथ जुड़ा हुआ है, में 16 सिलाई प्रशिक्षण केंद्र खोले गए। इसके अंतर्गत हर प्रदेश जो सेंटर खोलना चाहता था को प्रपोजल दिया था और जिन जिन प्रदेशों ने सेंटर खोलने की पहल करते हुए 6 मशीनें लगाने की कटिबद्धता जाहिर की उन्हें अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन ने राष्ट्रीय स्तर से 4 मशीन का सहयोग हर सेन्टर को प्रदान किया। इन सभी सेंटर्स में मशीनें श्रंखलाबद्ध संगठन के अंतर्गत अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन की हैं और इनको चलाने का काम भी संगठन का रहेगा, सिंगर का करिकुलम, सर्टिफिकेशन और एफीलिएशन इन सेंटर्स को प्राप्त रहेगा। बहुत ही कम या यूं कहें नॉमिनल फीस में सिलाई सीखने के लिए अति उपयुक्त इन सेंटर्स में काम सीखने के बाद कहीं भी काम मिलना काफी आसान होगा।

525 मशीनों का कीर्तिमान

ग्रास रूट पर काम करते हुए श्रंखलाबद्ध संगठन के अंतर्गत प्रदेशों में अपने ही जिले तहसील या प्रदेश में सेंटर खोलने के अतिरिक्त भी

महेश्वरी महिलाओं के साथ-साथ बहुत सी जरुरतमंद महिलाओं को जिन्हें सिलाई आती हो, मुफ्त सिलाई मशीन देकर स्वाश्रिता बनाने की पहल की है। नेपाल चैप्टर सहित सभी 27 प्रदेशों के उत्कृष्ट सामूहिक प्रयासों व समिति प्रमुख गिरिजा सारडा के संयोजन में 525 मशीन वितरण का लक्ष्य प्राप्त किया। महाराष्ट्र में करीब 6000 किसानों जिन्होंने कर्ज से तंग आकर आत्महत्या कर ली, उनके परिवारों की सहायता और तेलंगाना में जिन परिवारों में कन्या अधिक हैं, पड़ोसी राज्यों से आए हुए मजदूर उन से विवाह कर बाद में उन्हें वहीं छोड़ गए, ऐसी कुमारी माताओं के लिए अपना घर चलाने के उद्देश्य से 14-14 मशीन के साथ सिलाई सिखाने के सेंटर खोले। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के दिन राष्ट्रीय महिला संगठन की तरफ से इन महिलाओं को ना सिर्फ ये सेंटर समर्पित किए, बल्कि उसी दिन से 40 महिलाओं का बैच भी दो सेंटर्स पर शुरू हो गया।

इन केंद्रों पर रही पूर्ण व्यवस्था

इन सेंटर्स पर पंखा, पानी की टंकी, बैठने के लिए स्टूल्स, कैंची, सिलाई किट, कपड़ा इत्यादि भी राष्ट्रीय संगठन की तरफ से दिया गया। इन दोनों सेंटर्स को चलाने का दायित्व यवतमाल की नीलिमा मंत्री को सौंपा गया है। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन के राष्ट्रीय नेतृत्व राष्ट्रीय अध्यक्ष आशा महेश्वरी, राष्ट्रीय महामंत्री मंजु बांगड़, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष ज्योति राठी, राष्ट्रीय संगठन मंत्री शैला कलंत्री, राष्ट्रीय कार्यालय मंत्री मधु बाहेती के साथ-साथ स्वाश्रिता प्रोजेक्ट के लिए प्रकल्प प्रमुख गिरिजा सारडा, महिला अधिकार उत्थान सुरक्षा एवं सशक्तिकरण समिति प्रभारी श्रीमती उषा मोहंता, समिति सह प्रभारी स्वाति काबरा, राजश्री मोहता, कंचन राठी, प्रतिभा नथानी और रश्मि बिनानी को साथ लेकर इस प्रोजेक्ट को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

यहाँ भी चला अभियान

■ **डेगाना।** अंर्तराष्ट्रीय महिला दिवस पर महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भर महिला को लेकर डेगाना के माहेश्वरी भवन में माहेश्वरी महिला मंडल डेगाना की ओर से गरीब और जरुरतमंद महिलाओ को स्वरोजगार के लिए सिलाई मशीनों का वितरण किया गया। महिला मंडल डेगाना की सचिव मधु करवा ने बताया कि माहेश्वरी महिला संगठन ने जरूरतमंद परिवार की नैनी देवी सोनी, महिमा सोनी, बबिता करवा, चंदा देवी को सिलाई मशीने प्रदान की। महिला मंडल अध्यक्ष रीतू तोषनीवाल ने बताया कि महिला दिवस के मौके पर माहेश्वरी महिला मंडल की ओर से 2 सिलाई मशीन, 1 सिलाई मशीन गिलड़ा परिवार की ओर से व 1 सिलाई मशीन अनिता करवा की ओर से भेंट की गई। इस अवसर पर रितू तोषनीवाल, मधु करवा, मंजू चितलागिया, रेखा तापड़िया, पिंकी तोषनीवाल, सरोज करवा, सावी बजाज, भगवती सोनी, शीतल करवा, कुसुम करवा सहित महिला मंडल की कई सदस्य मौजूद थीं।

■ **उज्जैन।** अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन की महिला अधिकार, उत्थान सुरक्षा एवं सशक्तिकरण समिति द्वारा आर्थिक रुप से कमजोर महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए स्वाश्रिता-स्व आश्रिता बनाने की एक पहल कार्यक्रम के अंतर्गत पश्चिमी मध्यप्रदेश प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा धार जिला के टांडा ग्राम में सिंगर सिलाई केंद्र का उद्घाटन पूर्व राष्ट्रीयअध्यक्ष गीता मूँदड़ा के कर कमलों से किया गया। मंत्री उषा सोडानी ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष वीणा सोमानी, मंत्री उषा सोडानी, संगठन मंत्री शोभा माहेश्वरी, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष रमा शारदा व धार जिले से ममता आगाल की विशेष उपस्थिति रही। इस सेंटर की देखरेख का दायित्व धार जिलाध्यक्ष सुलेखा लद्दड द्वारा लिया गया। सेंटर का संचालन सविता परमार करेंगी।

■ **जोधपुर।** 'स्वाश्रिता-स्व-आश्रिता बननो की एक पहल' पश्चिमी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा महिला अधिकार, उत्थान, सुरक्षा एवं सशक्तिकरण समिति द्वारा महिलाओं को कुल छह सिंगर सिलाई मशीनें भेंट की गई। इसमें दो सिलाई मशीनें समिति संयोजक आनंद भूतड़ा तथा एक-एक मशीनें प्रदेश अध्यक्ष रामेश्वरी भूतड़ा, रीना राठी, शान्ति लोहिया, इन्द्रा राठी ने भेंट की। इस कार्यक्रम में आशा फोफलिया, रामेश्वरी भूतड़ा, आनन्द भूतड़ा, डॉ. पुष्पा सारडा, शान्ति लोहिया, रीना राठी, मीना साबू आदि का सहयोग रहा।

दीपक बोलता नहीं उसका प्रकाश परिचय देता है ठीक उसी प्रकार आप अपने बारे में कुछ न बोले, अच्छे कर्म करते रहें वही आपका परिचय देंगे।

'अरूणिमा-2022' ने दिखाया उन्नति का आकाश

पश्चिमी म.प्र. प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन का पुष्पगिरी में द्विदिवसीय अधिवेशन सम्पन्न

इंदौर। पश्चिमी म.प्र. प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन 28 व 29 मार्च को देवास जिला माहेश्वरी महिला संगठन के आतिथ्य में सोनकच्छ स्थित जैन तीर्थ पुष्पगिरी की पावन धरा पर द्विदिवसीय अधिवेशन ''अरूणिमा-2022'' का आयोजन किया गया। इस आयोजन के माध्यम से संगठन ने प्रदेश की प्रतिभाओं व हुनर को मंच प्रदान कर उन्नति का खुला आकाश दिखाया। इसमें सोनकच्छ माहेश्वरी महिला संगठन का विशेष सहयोग रहा।

प्रदेश अध्यक्ष वीणा सोमानी ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारम्भ प्रथम दिवस 28 मार्च को हुआ। इस आयोजन में मंत्री उषा सोडानी के साथ ही संयोजक शोभा माहेश्वरी व नम्रता बियाणी तथा आंचलिक संयोजक के रूप में पुष्पा मोलासरिया, हेमा झंवर, वंदना मालानी, सुरेखा झंवर तथा राजकुमारी सोमानी का विशेष योगदान रहा। स्वागत अध्यक्ष राजकुमारी ईनानी तथा स्वागत मंत्री अर्चना सोमानी रहीं। देवास जिला सभा की ओर से सचिव शीला डागा, संयोजक के रूप में जयश्री सिंगी तथा साधना छापरवाल का विशेष योगदान रहा। सोनकच्छ माहेश्वरी महिला संगठन ने अध्यक्ष अनिता मूंदड़ा तथा मनीषा राठी के नेतृत्व में समर्पित भाव से सहयोग प्रदान किया।

भव्य रूप में हुआ शुभारम्भ

अधिवेशन का शुभारम्भ प्रथम दिवस 28 मार्च को दोपहर 3 बजे हुआ। उद्घाटनकर्ता के रूप में अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्ष आशा माहेश्वरी, मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ममता मोदानी व विशेष अतिथि के रूप में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मंगल मर्दा एवं उर्मिला झंवर उपस्थित थीं। पश्चिमी म.प्र. माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्ष वीणा सोमानी, संयोजक शोभा माहेश्वरी, नम्रता बियाणी, सचिव उषा सोडानी, देवास जिला माहेश्वरी संगठन की अध्यक्षा साधना बियाणी आदि भी मंचासीन थीं। इसी दिन प्रातः10 बजे स्व. श्रीमती सरस्वतीदेवी सारडा की स्मृति में स्वास्थ्य शिविर का शुभारम्भ हुआ। स्वागत उद्बोधन देते हुए जिला अध्यक्ष वीणा सोमानी ने कहा कि कोविड काल में अनेक कार्यक्रम ऑनलाईन आयोजित किये। अब जब कोविड के नियंत्रण के बाद आशा का सूरज निकल रहा है तो ''अरूणिमा'' का प्रत्यक्ष आयोजन कर पाये। स्वागत अध्यक्ष राजकुमारी ईनानी ने देवास जिले की विशिष्ट प्रतिभाओं का उल्लेख करते हुए बताया कि श्रीमती नारायणी देवी काकाणी ने जैन न होते हुए भी इस पुष्पगिरी धाम की नींव रखी थीं। स्वागत सचिव अर्चना सोमानी ने दोनों दिन के कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी।

सभी ने किया नारी शक्ति को प्रेरित

इस अवसर पर अरूणिमा पत्र का विमोचन अतिथियों ने संपादक ललिता मालपानी एवं सह सम्पादक हेमा मोहता, स्नेहलता मूंदड़ा, अर्चना के. माहेश्वरी, अलका सोमानी एवं कांता सोड़ाणी के साथ किया गया। अपने सम्बोधन में पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षा सुशीला काबरा ने कहा कि जब तक सफलता न मिले चलते रहो। हमारे संकल्प शुभ हों तो सफलता ज़रूर मिलती है। बाधाएँ तो पार्ट ऑफ लाइफ़ हैं, उन्हें सफलता पूर्वक पार करना ही आर्ट ऑफ लाइफ़ है। इसी कारण अरुणिमा अधिवेशन सफल हुआ है। गीता मूँदड़ा ने हरिवंश राय बच्चन की कविता के माध्यम से सब को मोटिवेट करते हुए कहा कि हर हाल में खुश रहना सीखें। मंगल मर्दा ने कहा कि परिवार को प्राथमिकता देते हुए संगठन से जोड़ना बहुत बड़ी बात है। संगठन हित में प्रदेश को राष्ट्र के आदेश मानना हमारा कर्त्तव्य है। उन्होंने 11 से 16 अप्रैल तक राष्ट्रीय स्वास्थ्य सप्ताह मनाने की पूरी जानकारी दी। इसके अंतर्गत 82 जाँचे मात्र 700 रुपये में की जाएंगी। उर्मिला झँवर ने कहा कि बच्चों को उनकी लाइफ़ उनके हिसाब से जीने देनी चाहिए। उन्हें निर्णय लेने की क्षमता को विकसित करने दें और कैरियर में उनकी मदद करें। निर्णय उन्हें स्वयं लेने दें व बच्चों के दोस्त बनें। ममता मोदानी ने सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी और सफल होने के गुर बताए।

राष्ट्रीय अध्यक्ष आशा माहेश्वरी ने कहा कि ग्रास रूट तक महिलाओं को सम्मिलित करना मेरा हमेशा ध्येय रहा है। संगठन के सही संचालन के लिये विधान व प्रोटोकॉल की जानकारी होना अत्यंत ज़रूरी है। कर्मसारथी प्रतियोगिता की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि यह परिवार व्यवस्था का बहुत अच्छा उदाहरण है। किसी बड़े ने कहा है कि समाज को आगे बढ़ाना है तो टाँग की जगह हाथ खींचें। समाज की छोटी से छोटी गाँव की महिलाओं को भी संगठन से जोड़े। फ़ैमिली आईडी बनवाऐं। सम्पर्क एप से जुड़े। उन्होंने 9 से 11 अक्टूबर तक कोटा में होने वाले अधिवेशन के लिए सभी को आमंत्रित किया।

अनुशासित व गरिमामय ढंग से अंचलवार ड्रेसकोड में निकली शोभायात्रा ने क्षेत्र में माहेश्वरी संस्कृति की गौरव पताका फहरा दी। प्रातः 10:30 बजे विद्या सोडानी के आतिथ्य में विभिन्न जिलों की विशेषताओं पर केंद्रीत उनके बेनर का प्रजेंटेशन भी हुआ। प्रातः 11:50 पर अरूणा बाहेती तथा प्रेमलता मानधन्या के आतिथ्य में अंताक्षरी का आयोजन हुआ। इसी दिन दोपहर 01:30 पर ममता मोदानी, प्रकाश बाहेती, सुनीता सूरजन तथा गीत मूंदड़ा के आतिथ्य में सम्मान समारोह एवं पारितोषिक वितरण के साथ अधिवेशन का समापन हुआ।

रंगारंग कार्यक्रमों के साथ प्रतिभा सम्मान

28 मार्च को कार्यक्रम के उदघाटन के उपरांत मांडना, गीता उपदेश पर स्लोगन तथा कौन बनेगी मणिकर्णिका प्रतियोगितायें सम्पन्न हुई। इनका उद्देश्य संस्कार, संस्कृति, धर्म के समावेश से व्यक्तित्व को निखारना था। सांस्कृतिक संध्या के साथ, कामेडी शो और जीवन की पाँच अवस्थाओं के पंचामृत का रसास्वादन भी हुआ। प्रदेश की पाँच विलक्षण प्रतिभाएं जिन्होंने अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर अपने-अपने क्षेत्रों में विशेष उपलब्धि अर्जित कर प्रदेश का नाम रोशन किया उनको भी सम्मानित किया गया। इनमें शामिल कृष्णादेवी सिंगी कांटाफोड़ ने कृषि जैसे श्रमसाध्य क्षेत्र में भी अपना परचम लहराया। अधिकांश कृषि क्षेत्र पुरूष प्रधान ही रहा है। परंतु श्रीमती सिंगी कृषिक्षेत्र में भी अपना परचम लहरा कर धरतीभूषण से सम्मानित हुई हैं। इसी कड़ी में श्रीमती रेखाजी लड्ढा ने 3000 से अधिक वैवाहिक रिश्ते बनाकर गोल्डन बुक आफ वर्ल्ड रिकार्ड में स्थान बनाया। सीता सारडा ने योग में, ऋचा हेड़ा ने कराटे तथा ऋचा बियाणी ने ग्रामीण क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर प्रदेश का नाम रोशन किया है। इसी क्रम में पूर्व राष्ट्रीय महिला संगठन अध्यक्ष सुशीला काबरा जी का उनकी सेवाओं के लिये प्रदेश गौरव से सम्मानित किया गया ।

भव्य शोभायात्रा से नारी शक्ति प्रदर्शन

अगले व अधिवेशन के अंतिम दिवस 29 मार्च को कार्यक्रम की शुरुआत भव्य ''सुप्रभातम शोभायात्रा'' से प्रातः 8 बजे हुई। इसमें

प्रतियोगिता में दिखीं प्रतिभा

मांडना- सुलेखा मालपानी व रजनी तोषनीवाल के संयोजन में आयोजित इस प्रतियोगिता में गेरूआ रंग की शीट पर सफेद रंग से मांडना बनाया गया।

स्लोगन (गीता संदेश) - मंगला सिंगी तथा हेमा बियाणी के संयोजन में आयोजित इस प्रतियोगिता में प्रतियोगियों ने स्लोगन से गीता के संदेश दिये।

कौन बनेगी मणिकर्णिका- किरण लखोटिया तथा पंकज सोनी के संयोजन में आयोजित इस प्रतियोगिता में महिलाओं को अपनी छुपी हुई प्रतिभा का प्रदर्शन करना था। कार्यक्रम की अतिथि ललिता मालपानी एवं मनीषा मूंदड़ा थीं। इसमें मार्शल आर्ट्स के साथ ही हिडन टेलेंट के रूप में कविता लेखन की प्रतिभा रखने वाली अर्पिता काकानी को मोस्ट इंस्पायरिंग अवार्ड, कथक नृत्य के साथ योग का हिडन टेलेन्ट रखने वाली अर्पिता राठी नागदा को मोस्ट टेलेंटेड तथा प्रतियोगिता का शीर्ष

''मणिकर्णिका का सम्मान'' ख्यात लेखिका के साथ एंकरिंग टेलेंट रखने वाली नम्रता कचोलिया को प्रदान किया गया।

नुक्कड़ नाटक - ऋचा बियाणी तथा ऋतु सोडानी के संयोजन में आयोजित इस प्रतियोगिता में सभी अंचलों को किसी एक सामाजिक विषय पर नाटिका प्रस्तुत करनी थीं। इसमें नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता के माध्यम से समाज में फैली कुरितियो और उनके समाधान का विवेचन किया गया। प्रतिभागी अहिल्या, मालवा, भोज व मालवांचल रहे। विजेता मालवांचल रहा। अतिथि गीता मूँदड़ा एवं निर्मला बाहेती थी।

प्रदेश कर्म सारथी- स्मिता बियाणी तथा फाल्गुनी बियाणी के संयोजन में आयोजित यह प्रतियोगिता व्यक्तित्व विकास व कार्यकर्ता प्रशिक्षण समिति अंतर्गत जिला/तहसील/स्थानीय पदाकारियों के लिये थी। ये प्रतियोगिता ज़िला पदाधिकारियों में संगठन के प्रति रुचि एवं उसकी जानकारी पर आधरित थी जिसका प्रथम चक्र 19 मार्च को ज़ूम सभागार में सम्पन्न हुआ। चयनित प्रतिभागियों के दो राउंड 28 मार्च को प्रत्यक्ष रूप से पूर्ण हुए। इस कार्यक्रम की अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष आशा माहेश्वरी एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मंगल मर्दा थीं।

कॉमेडी शो- आरती सोडानी तथा अर्चना भूतड़ा के संयोजन में आयोजित इस शो ''हास्य के रंग-आपके संग'' में प्रत्येक जिले से 1 प्रस्तुति दी गई।

जीवन के पंचामृत (नृत्य नाटिका)- कुसुम लाहोटी व माधुरी सोमानी के संयोजन में आयोजित इस कार्यक्रम में सांस्कृतिक संध्या अंतर्गत सभी ने 15 मिनिट में अपनी प्रस्तुति दी।

युवा संगठन लगा रहा युवा सपनों को पंख

अध्यक्ष श्री काल्या ने कहा युवाओं की आशा के अनुरूप कई योजनाओं को कर रहे क्रियान्वित

गुलाबपुरा। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन के युवाओं व समाजजनों की आशाओं व अपेक्षाओं के अनुरूप सतत रूप से कई महत्वपूर्ण योजनाओं को क्रियान्वित कर रहा है। इनमें लक्ष्य समाज के युवाओं के सर्वांगीण विकास के साथ ही समाज की संस्कृति को सहेजना भी है।

युवा संगठन अध्यक्ष राजकुमार काल्या ने बताया कि समाज के उत्पत्ति स्थल लोहार्गल धाम में माहेश्वरी भवन का वास्तु पूजन व लोकार्पण पूर्व में संपन्न हो चुका है। लोहार्गल धाम भवन परिसर में ही भव्य मंदिर का निर्माण कराया जा रहा है जिसमें शिव परिवार की प्रतिमाएं, भगवान उमा-महेश संग 72 उमराव एवं गुरुजनों की प्रतिमाएं तथा माहेश्वरी समाज की समस्त 'कुलदेवियों' के स्वरूप की प्रतिमाएं स्थापित की जाएगी। संपूर्ण मंदिर मार्बल में बनाया जा रहा है। मंदिर निर्माण के लिए फाउंडेशन का कार्य जोर-शोर से चल रहा है। अल्प समय में ही लगभग 150 परिवारों द्वारा कुलदेवियो की प्रतिमाओं की स्थापना हेतु 1-1 लाख रु. की सहयोग राशि प्रदान करने की स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है एवं 11 लाख रु. एवं इससे अधिक राशि का सहयोग प्रदान करने की स्वीकृति के रूप में समाज के दानदाताओं द्वारा लगभग 1.25 करोड रु. की स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है। हाल ही में सोमनाथ में आयोजित कार्यसमिति बैठक में मंदिर निर्माण हेतु युवा संगठन के विभिन्न राष्ट्रीय पदाधिकारियों एवं प्रादेशिक संगठनों द्वारा 1 करोड रु. की सहयोग राशि एकत्रित करने का आश्वासन प्रदान किया गया है। मंदिर निर्माण हेतु सलाहकार समिति एवं मंदिर निर्माण समिति का गठन भी किया जा चुका है।

युवा विकास के लिये ये भी प्रयास

माहेश्वरी बिजनेस एक्सपो : 21, 22 व 23 दिसंबर, 2021 को ऑनलाइन माहेश्वरी बिजनेस एक्सपो का आयोजन किया गया जिसमें 450 से अधिक स्टाल रजिस्टर्ड हुई एवं 80000 से अधिक बंधुओं ने विजिट किया। कई स्टाल धारकों को करोड़ों का व्यापार व्यवसाय मिला।

स्टार्टअप : एक्सपो के दौरान ही 'न्यू बिजनेस आइडिया कॉन्टेस्ट' स्टार्टअप के अंतर्गत जूरी मेंबर्स द्वारा सिलेक्टेड स्टार्टअप को प्लेटफार्म अवेलेबल कराया गया है तथा उनमें फंडिंग-इन्वेस्टमेंट कराने का प्रयास किया जा रहा है।

माहेश्वरी बिजनेस मार्ट : युवाओं एवं समाज बंधुओं को व्यापार व व्यवसाय हेतु माहेश्वरी बिजनेस मार्ट के रूप में ऑनलाइन प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराया गया। जिसमें रजिस्ट्रेशन कराने वाले समाज बंधुओं को एक यूआरएल लिंक उपलब्ध कराया जा रहा है जिसमें वह अपने व्यापार-व्यवसाय की संपूर्ण जानकारी, ब्राउज़र, प्रोडक्ट रेंज इत्यादि डाउनलोड कर सकते हैं। इससे उनको ऑनलाइन व्यापार करने का अवसर मिल रहा है।

महेश आवास योजना : महासभा की महेश आवास योजना के अंतर्गत जरूरतमंद माहेश्वरी बंधुओं को नांदेड जिला माहेश्वरी युवा संगठन एवं अकोला जिला माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा महासभा के मार्गदर्शन एवं दिशानिर्देशन में कार्य योजना को क्रियान्वित कर जरूरतमंद समाज बंधुओं को मकान बनाकर सुपुर्द किए जा रहे हैं।

युवा शिक्षा रत्न सम्मान समारोह : हाल ही में सोमनाथ में युवा शिक्षा रत्न सम्मान समारोह का आयोजन किया गया जिसमें कक्षा 10वीं तथा 12वीं के तीनों संकाय के देशभर के टॉप-10 विद्यार्थियों को युवा संगठन के ट्रस्ट 'श्री बसंतीलाल मनोरमा देवी काल्या अ. भा. माहेश्वरी युवा फाउंडेशन' द्वारा पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया। टॉपर रहने वाले ने 99.4 प्रतिशत अंक प्राप्त किए थे।

श्री बसंतीलाल मनोरमा देवी काल्या अ.भा. माहेश्वरी युवा फाउंडेशन : अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा खेल, कला, साहित्य एवं सांस्कृतिक उद्देश्य से गठित 'श्री बसंतीलाल मनोरमा देवी काल्या अ. भा. माहेश्वरी युवा फाउंडेशन' द्वारा राष्ट्रीय युवा संगठन द्वारा आयोजित समस्त प्रतियोगिताओं के चयनित प्रतिभाओं को प्रोत्साहन स्वरूप पुरस्कृत किया गया है तथा समाज की उभरती हुई युवा प्रतिभाओं को विभिन्न माध्यमों से प्लेटफार्म उपलब्ध कराते हुए उन्हें निरंतर प्रोत्साहित किया जा रहा है।

ABMYS कनेक्ट बिजनेस ऐप : युवाओं एवं समाज बंधुओं के व्यापार व्यवसाय में नई संभावनाओं एवं नई अपॉर्चुनिटी के लिए समाज के बायर-सेलर को आपस में कनेक्ट करने के लिए तथा उन्हें रोजगार दिलाने के लिए जल्दी 'मोबाइल ऐप' की लॉन्चिंग की जा रही है। ऐप का कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है।

कोरोना महामारी एवं लोकडाउन : कोरोना महामारी लोकडाउन की स्थिति में वित्तीय संकट का सामना कर रहे 3600 आवेदनकर्ता जरूरतमंद माहेश्वरी परिवारों को राष्ट्रीय युवा संगठन द्वारा दानदाताओं के सहयोग से 1500 रु. की आर्थिक सहायता राशि उनके बैंक खाते में जमा कराई गई। इसी तरह से कोरोना महामारी की दूसरी लहर के समय में कोरोना से संक्रमित 150 से अधिक जरूरतमंद परिवारों को 2000 रु. की सहायता राशि सीधे उनके बैंक खाते में काल्या परिवार के ट्रस्ट 'श्री बसंतीलाल मनोरमा देवी काल्या फाउंडेशन' द्वारा जमा कराई गई।

जरूरतमंदों को इंश्योरेंस पॉलिसी : युवा संगठन द्वारा महासभा के सहयोग से एक लाख से कम आय वाले जरूरतमंद 175 से अधिक माहेश्वरी परिवारों की ग्रुप मेडिक्लेम पॉलिसी कराई गई।

'कौन बनेगा करोड़पति' एवं 'कपिल शर्मा शो' : 'कौन बनेगा करोड़पति' एवं 'कपिल शर्मा शो' में दर्शक के रूप में सहभागिता : अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा 'कौन बनेगा करोड़पति' एवं 'कपिल शर्मा शो' में लगभग 1000 से अधिक समाज बंधुओं एवं युवा साथियों को दर्शक के रूप में पार्टिसिपेट कराया गया जिसके अंतर्गत उनको सीधे अमिताभ बच्चन और कपिल शर्मा से रूबरू होने का मौका मिला।

राष्ट्रीय सांस्कृतिक कार्यक्रम : राष्ट्रीय सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रारंभिक तैयारियां पूरी कर ली गई है। राष्ट्रीय सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन 19, 20, 21 अगस्त, 2022 को आयोजित किया जाएगा।

राष्ट्रीय खेल महोत्सवः 'ऑल इंडिया माहेश्वरी स्पोर्ट्स कांपीटीशन' 'AIMS' राष्ट्रीय खेल महोत्सव के आयोजन की तैयारियां चल रही है। जल्द ही इसका आयोजन किया जाएगा। इसमें देशभर के विभिन्न प्रदेशों से साथी भाग लेंगे।

युवा महाअधिवेशन : युवा महाअधिवेशन का आयोजन 23, 24, 25 दिसंबर, 2022 को किया जाएगा। महाराष्ट्र, दक्षिणी राजस्थान, वृहत्तर कोलकाता, मध्य प्रदेश पश्चिमांचल प्रादेशिक माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा महाअधिवेशन आयोजित करने हेतु निमंत्रण प्राप्त हुए। इतने बड़े आयोजन हेतु चार प्रदेशों से निमंत्रण प्राप्त होना संगठन के लिए बड़ी उपलब्धि है।

युवा प्रतिभाओं को राष्ट्रीय स्तर पर मंच प्रदान करना : समाज की उभरती हुई खेल, कला, साहित्य एवं सांस्कृतिक, शिक्षा व अन्य क्षेत्र की प्रतिभाओं को ऑनलाइन माध्यम से मंच प्रदान करते हुए ब्रेन-हंट, सेल्फी विद सैपलिंग, योगाभ्यास, लाइव सिंगिंग कंसर्ट, धन्यवाद सुपरस्टार, मां तुझे प्रणाम इत्यादि प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। इसमें हजारों की संख्या में युवा प्रतिभाओं ने भाग लिया और चयनित प्रतिभाओं को युवा संगठन के ट्रस्ट 'श्री बसंतीलाल मनोरमा देवी काल्या अ. भा. माहेश्वरी युवा फाउंडेशन' द्वारा पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया।

वेबीनार का आयोजन : युवाओं एवं समाज बंधुओं को व्यापार व्यवसाय में हो रहे बदलाव एवं नई संभावनाओं की जानकारी हेतु समय-समय पर सेमिनार- वेबीनार का आयोजन किया गया। शेयर मार्केट के प्रख्यात रमेश दमानी, मधुसूदन केला, मंगलम मालू, चंदन तापड़िया, देश के जाने-माने मोटिवेशनल स्पीकर डॉ. विवेक बिंद्रा, प्रख्यात लेखक शिव खेड़ा, बिरला परिवार से अनन्या बिरला, प्रख्यात उद्योगपति वाघ बकरी चाय के प्रकाश देसाई, पूर्व पुलिस अधिकारी किरण बेदी, प्रख्यात फिल्म एक्टर मनोज जोशी व सोनू सूद, शतरंज के प्रख्यात खिलाड़ी विश्वनाथ आनंद, केंद्रीय मंत्री स्मृति इरानी, दिलीप जोशी 'जेठालाल' से समाज बंधुओं को रूबरू कराया जा चुका है। उत्कृष्ट कार्यों के लिए लोकसभा अध्यक्ष माननीय ओमकृष्ण बिड़ला भी युवा संगठन द्वारा किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा व्यक्त कर चुके हैं।

कार्यसमिति एवं कार्यकारी मंडल बैठक : त्रयोदश सत्र में अब तक 10 कार्यसमिति बैठक एवं 1 कार्यकारी मंडल बैठक का आयोजन किया जा चुका है तथा 10वीं कार्यसमिति बैठक का आयोजन सोमनाथ में 1-2 जनवरी 2022 को किया गया। आगामी अधिकसंख्यक बैठक ज्योतिर्लिंगों पर आयोजित करने का प्रयास किया जाएगा। पिछले सत्र में भी चारों धाम बद्रीनाथ, रामेश्वरम, द्वारिकाधीश, जगन्नाथपुरी पर बैठकों का आयोजन किया गया था।

उपलब्धि

मीनल बनीं सीए

अमरावती। समाज सदस्य वैदिक गणितज्ञ कृष्णकुमार गट्टाणी एवं संध्या गट्टाणी की पुत्रवधू एवं सीए आदित्य गट्टाणी (असिस्टंट वाइस प्रेसिडेंट, CITCO) की धर्मपत्नी मीनल गट्टाणी (डॉ. नवलकिशोर राठी तथा सौ. मीरा राठी की सुपुत्री) ने हाल ही में सीए फाइनल की परीक्षा में सराहनीय सफलता हासिल की है। इस उपलब्धि पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

दृष्टि एवं दिव्या रही अव्वल

दृष्टि लोहिया

दिव्या लोहिया

वर्धा। दत्ता मेघे आयुर्विज्ञान अभिमत विद्यापीठ की एमबीबीएस प्रथम वर्ष की छात्रा जुड़वा बहनों दृष्टि एवं दिव्या लोहिया ने MBBS के अपने प्रथम शैक्षणिक वर्ष में विद्यापीठ में क्रमशः प्रथम एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया है। शहर के विख्यात नेत्र रोग शल्य चिकित्सक डॉ विनोद लोहिया एवं वंदना लोहिया की दोनों जुड़वा बेटियां आरंभ से ही पढ़ाई में अव्वल रहती आई है। यह विद्यापीठ देश के प्रमुख मेडिकल संस्थानों में गिना जाता है।

कोमल बनी सीए

छोटीखाटू। समाज सदस्य सुभाषचंद्र लोहिया एवं लीलादेवी लोहिया की सुपुत्री तथा स्व.श्री ओमप्रकाश लोहिया- श्रीमति चन्द्रकान्ता लोहिया की पौत्री कोमल लोहिया ने सीए फाइनल की परीक्षा उत्तीर्ण कर सीए बनने का गौरव प्राप्त किया।

ऋषिकेश सीए में सफल

जलगाँव। समाज सदस्य राजेंद्र भट्टड़ के सुपुत्र ऋषिकेश भट्टड़ ने सीए इंटरमीडिएट परीक्षा के पहले ही प्रयास में दोनों ग्रुप्स में सफलता प्राप्त की।

हेमंत बने सीएस

बड़ोदरा (गुजरात)। हेमंत काबरा सुपौत्र मुरली मनोहर काबरा व सुपुत्र सीमा-सुरेश काबरा ने सी.एस की परीक्षा प्रथम प्रयास में उत्तीर्ण की। पूर्व में हेमंत ने सी.ए की परीक्षा भी प्रथम प्रयास में उत्तीर्ण की है। हेमंत वरिष्ठ समाज सेवी, विनय किशोर कासट पांडीचेरी के दोहित्र हैं।

माहेश्वरी समाज ने अपनी परम्परानुसार सामूहिक होली, होली मिलन समारोह व फागोत्सव का आयोजन किया। इनमें रंगारंग कार्यक्रमों के साथ-साथ परस्पर एक-दूसरे को स्नेह के रंग से रंग कर पर्व की बधाई दी गई।

स्नेह के रंग से सरोबार हुआ तन-मन

■ **राँची।** श्री माहेश्वरी सभा, माहेश्वरी महिला समिति एवं माहेश्वरी युवा संगठन के संयुक्त तत्वावधान में माहेश्वरी समाज का होली मिलन समारोह स्थानीय माहेश्वरी भवन में रंगारंग होली कार्यक्रम के साथ आयोजित हुआ। प्रदेश सह मीडिया प्रभारी राज कुमार लड्ढा ने बताया कि मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व अध्यक्ष जुगल किशोर मारू एवं पूर्व प्रदेश अध्यक्ष पवन मंत्री उपस्थित थे। उनके साथ साथ प्रदेश उपाध्यक्ष राजकुमार मारू, संगीता चितलांगिया, नीरज चितलांगिया, सभा अध्यक्ष शिव शंकर साबू, सह सचिव मनीष खटोड़ एवं वसंत लाखोटिया, महिला उपाध्यक्ष भारती चितलांगिया, सचिव अनीता साबू, युवा अध्यक्ष सौरभ साबू, सचिव अंकुर डागा, कार्यक्रम संयोजक राजेश सोमानी, गिरिजा शंकर पेड़ीवाल आदि को होलीयाना सम्मान देकर सम्मानित किया गया। विशिष्ट अतिथि के रूप में रांची के सांसद संजय सेठ एवं विधायक सीपी सिंह का भी सम्मान किया गया।

■ **सूरत।** धुलेंडी के अवसर पर स्थानीय माहेश्वरी समाज के अन्तर्गत आने वाले महादेव संभाग एवं शंकर संभाग की क्षैत्रीय माहेश्वरी सभाओं द्वारा माहेश्वरी समाज के बंधुओं का होली रंगोत्सव समारोह आयोजित किया गया। इसमें गजानंद राठी, मदन मोहन पेडीवाल, अविनाश चांडक, रश्मि गिरधारी साबू, नरेंद्र साबू, सुरेश काबरा, हरीशंकर तोषनीवाल, हनुमान लोहिया सहित समाज के कई प्रबुद्ध जन उपस्थित रहे। पारम्परिक होली गीतों एवं डीजे की धुन के साथ लोगों ने थिरकते हुए होली खेली। कार्यक्रम आयोजन समिति से जुड़े अतिन बाहेती, रामसहाय सोनी, महेश खटोड़ ने बताया कि समस्त सदस्यों का सहयोग रहा।

■ **बठिण्डा।** माहेश्वरी सभा (रजि) बठिण्डा द्वारा स्थानीय वीर कॉलोनी स्थित वीर भवन में होली मिलन 2022 समारोह का आयोजन सुशील मुंदड़ा की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम में बच्चो द्वारा मनोरंजन कार्यक्रम पेश किये गये। इस अवसर पर महक माहेश्वरी एवं इशिता ने संस्कृत में श्लोक बोल कर सभी को इस ओर आकर्षित किया। प्रीति डागा, रूपल डागा, संगीता काबरा एवम शालू काबरा द्वारा होली की धमाल गायी गई। इस अवसर पर बच्चो एवम बड़ो के लिए खेलों का आयोजन किया गया था, जिसमें विजेताओं को इनाम भी दिया गया। कोरोना काल में लगे लॉकडाउन में समाज सेवा में अग्रणी रहे समाजजनों सोनू माहेश्वरी, गोविंद माहेश्वरी, सोहन माहेश्वरी, यशपाल बिहाणी, तुषार बिहाणी, सी ए ऋषभ साबू, डॉ. राजेश पेड़ीवाल एवं विश्व के शीर्ष वैज्ञानिको में शामिल आशीष बाल्दी को विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

■ **उज्जैन।** श्री माहेश्वरी सभा महिला मंडल एवं प्रगति मंडल के संयुक्त तत्वावधान में गोला मंडी स्थित श्री चारभुजा नाथ मंदिर में फाग उत्सव का आयोजन किया गया। इस दौरान होली के गीतों व नृत्य की थाप पर महिलाओं ने मिलकर फूलों की होली खेली। संस्था अध्यक्ष हेमलता गांधी ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर मंडल की वरिष्ठ सदस्या शांता सोडाणी एवं गीता तोतला का महिला मंडल द्वारा सम्मान किया गया। इस अवसर पर सुधा बाहेती, आरती सोडानी, शीतल मूंदडा, शोभा मूंदडा, माधुरी राठी, मनीषा राठी, मधु लड्ढा, संगीता लाहोटी, रेणु इनानी, अनामिका परवाल, श्रद्धा मालानी, संगीता लोया, संतोष मूंदडा आदि मौजूद रहीं।

■ **उदयपुर।** महेश माहेश्वरी महिला सोसायटी ने फागोत्सव 2022 के अंतर्गत विभिन्न प्रकार के भक्ति एवं रसिया भजनों पर आधारित विशेष फाग तरंग कार्यक्रम विश्वनाथ महादेव मंदिर सेक्टर-11 में आयोजित किया। प्रचार-प्रसार मंत्री आराधना सोमानी ने बताया कि फाग उत्सव कार्यक्रम में विशेष फूलों की होली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महेश माहेश्वरी सोसायटी अध्यक्ष कैलाश कालानी व महेश माहेश्वरी महिला सोसायटी अध्यक्ष नीलम पेडीवाल ने 100 से भी अधिक समाजजनों के साथ विश्वनाथ महादेव की पूजा अर्चना कर कोरोना महामारी को खत्म करने एवं विश्व शांति बनाए रखने की प्रार्थना की। भक्ति एवं रसिया भजनों से महादेव जी को प्रसन्न किया एवं फूलों की होली भी खेली गई। महेश महिला माहेश्वरी सोसायटी अध्यक्ष नीलम पेडीवाल ने बताया कि इस अवसर पर मिसेज फाल्गुन प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें भावना माहेश्वरी प्रथम जबकि ममता अजमेरा एवं चेतना मुथा रनरअप रही। कार्यक्रम में नीलम पेडीवाल, सुनीता राठी, दीक्षा मंत्री,आराधना सोमानी, शोभा कालानी, सीमा मूंदड़ा, किरण मंडोवरा, शांता चांडक, शकुंतला गट्टानी, कृष्णा खटोड़, इंदु तोषनीवाल निर्मला परतानी, ममता अजमेरा, चेतना मूथा, डॉ. राधा देवपुरा, यशोदा मंडोवरा, प्रेम मूंदड़ा आदि समाज की कई महिलाऐं व बच्चे भी उपस्थित थे। शकुंतला गट्टानी ने निर्णायक की भूमिका निभाई।

■ **जोधपुर।** जोधपुर जिला माहेश्वरी महिला संगठन के द्वारा किशोर बाग स्थित एस.एम. किड्स स्कूल में फागोत्सव का आयोजन किया गया। जिला संगठन अध्यक्ष शिवकन्या धूत ने बताया कि समाज की यशोदा माहेश्वरी और मेहमान कलाकार मीना परिहार द्वारा होरियां व भजनों की प्रस्तुति दी गई। संगठन सचिव उषा बंग ने बताया कि राधाकृष्ण के रूप में सुष्मिता सोनी व सुरभि डागा एवं बलराम रेवती के रूप में संतोष राठी व सुनीता हेड़ा द्वारा होरी गायन पर भव्य रास नृत्य प्रस्तुति से माहौल वृंदावनमय बना दिया। कार्यक्रम संयोजिका डॉ. शशिकला मनिहार ने बताया कि कार्यक्रम को सफल बनाने में सह संयोजिका सुमन गांधी, नीलम भूतड़ा, अरुणा तापड़िया, सूरज कांता डागा, मधु पुंगलिया, संगीता सोनी, रुचि राठी सहित सभी सदस्याओं का सहयोग रहा।

■ **अमरावती।** 12 मार्च को संत ज्ञानेश्वर मंदिर में स्वयं सिद्धा महिला मंडल ने महिला दिवस और होली उत्सव का कार्यक्रम आयोजित किया। इस प्रोजेक्ट की ग्रुप लीडर स्वाति राठी और उनकी टीम किरण राठी, मीरा चांडक, हर्षा टावरी, वनिता गाँधी, प्रिया सादानी, सुनीता सारडा, दीपमाला मुंधड़ा, संगीता मुंधडा, विजया राठी, सुनीता साबू, लक्ष्मी जाजू और लक्ष्मी करवा आदि ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए भरपूर प्रयास किया। गणेश वंदना, स्वागत गीत के साथ रंग लगा कर सभी का स्वागत किया गया। होली डांस, सास बहु की प्यारी नोकझोंक सुंदर नाटिका द्वारा प्रस्तुत की गयी। गेम और हाऊजी में सभी सहभागी हुए। मुख्य अतिथि के रूप में माधुरी सुदा को आमंत्रित किया गया था। कार्यक्रम में मंडल की अध्यक्ष दुर्गा हेड़ा, संध्या राठी, दुर्गा जाजू, नेतल राठी, ममता मुंधडा, पल्लवी नावंदर, आदि सभी सदस्याऐं उपस्थिति थीं। अंत में सभी ने अल्पाहार और ठंडाई का आनंद लिया।

■ **कोलकाता।** मध्य कोलकाता माहेश्वरी सभा, महिला व युवा संगठन द्वारा आयोजित होली धमाल 2022 कार्यक्रम गत 15 मार्च माहेश्वरी भवन में संम्पन्न हुआ। मध्य कोलकाता माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष श्याम सुंदर बागड़ी, सभा मंत्री सुशील कोठारी, महिला मंडल अध्यक्षा सुशीला बागड़ी, महिला मंत्री पुष्पा मूंधड़ा, युवा संगठन के कार्यवाहक अध्यक्ष अजित बाहेती एवं युवा सचिव संजय झंवर द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। मुख्य अतिथि क्षेत्र के विधायक विवेक गुप्ता का दुपट्टा पहनाकर व मोमेंटो भेंट कर अभिनंदन किया गया। इनके साथ साथ महासभा एवं प्रदेश से आये सभी अतिथिगणो का अभिनंदन भी दुपट्टा पहनाकर किया गया। इसमें चंग व ढप की मधुर गूंज तथा होली के मस्त गीतों की सरगम एवं मस्ती भरे नृत्य की धमाकेदार प्रस्तुति ने सबका मन मोह लिया। कार्यक्रम संयोजक लोकेश राठी, मनोज गांधी एवं मध्य कोलकाता युवा संगठन की पूरी टीम का सहयोग रहा।

कुछ लोग किस्मत की तरह होते हैं, वो दुआ से मिलते हैं और कुछ लोग दुआ की तरह होते हैं, जो किस्मत बदल देते हैं।

■ **सूरत।** अड़ाजण रांदेर माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा कान्हा के संग फागोत्सव का आयोजन किया गया। सर्व प्रथम मंडल उपाध्यक्ष रेखा रामसहाय सोनी द्वारा कान्हाजी को रंग गुलाल लगा कर फागोत्सव की शुरुआत की गई। मंडल की महिला सदस्यों ने पारम्परिक होली के गीत गाकर एक दूसरे के साथ होली खेली एवं होली गीतों पर नृत्य प्रस्तुत किए। इसमें रेखा गट्टानी, प्रेम गनदोडिया, सरोज लाहोटी, शीला पोरवाल एवं ममता बांगड़ आदि ने अपनी सुन्दर प्रस्तुति दी। अन्त में सभी महिला सदस्यों ने लड्डू गोपाल को भोग लगाकर अल्पाहार का आनंद लिया।

■ **खरगोन।** माहेश्वरी समाज महिला मंडल की अध्यक्ष अलका सोमानी के नेतृत्व में फाग महोत्सव एवं रंग भरी होली का कार्यक्रम उषा सिंगी के घर पर आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पश्चिमी अंचल म.प्र. व्यक्तित्व विकास एवं कार्यकर्ता प्रशिक्षण समिति संयोजिका स्मिता बियानी, जानकी खटोड़, कांता फोफलिया, निशा भट्टड़, किरण आगल, उमा सोमानी, आशा मण्डोरा, नेहा सिंगी आदि कई महिलाऐं उपस्थित थीं।

■ **शाजापुर।** गत 16 मार्च को स्थानीय खजांची मंदिर वजीरपुरा शाजापुर में माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा फाग उत्सव एवं होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। साथ ही माहेश्वरी समाज महिला मंडल का चुनाव भी संपन्न हुए जिसमें अध्यक्ष मिथिलेश माहेश्वरी, सचिव आराधना माहेश्वरी व उपाध्यक्ष आशा लोया को निर्विरोध चुना गया।

■ **उज्जैन।** श्री माहेश्वरी महिला मंडल नृसिंह मंदिर द्वारा भव्य रुप से फाग उत्सव मनाया गया। राधा कृष्ण के भजन, होली के रसिया नृत्य इत्यादि के साथ-साथ ठंडाई का भी सभी ने आनंद लिया। इसके साथ साथ शिव ज्योति अर्पणम् महोत्सव को सफल बनाते हुए अध्यक्ष रेखा लड्ढा के आह्वान पर सभी सदस्याओं ने श्री नरसिंह मंदिर में रंगोली एवं 201 दीपक जलाए। उक्त जानकारी मंडल सचिव उषा भट्टड़ ने दी।

■ **जोधपुर।** माहेश्वरी महिला संगठन पूर्वी क्षेत्र जोधपुर द्वारा भव्य फाग उत्सव का आयोजन पीडब्ल्यूडी स्थित राम मंदिर में किया गया। करीबन डेढ़ सौ महिलाओं का इसमें समागम रहा। अध्यक्ष सुशीला बजाज ने बताया कि संयोजक लीला सोनी व सह संयोजक शशि राठी एवं संतोष सोनी ने बहुत ही सुंदर व्यवस्था की। सुनीता डागा कृष्ण के रूप में एवं सुरभि राठी राधा के रूप में बहुत ही सुंदर सुशोभित हो रही थीं।

■ **उज्जैन।** श्री माहेश्वरी समाज नरसिंह मंदिर द्वारा 18 मार्च को शाम शगुन गार्डन में सहभोज के साथ होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इसमें समाज के सभी लोगों ने अपनी भागीदारी की। प्रगति मंडल द्वारा होली के गीतों पर आधारित आकर्षक तंबोला खिलाया गया। साथ ही महासभा सदस्य महेश लड्ढा, समाज अध्यक्ष सुरेश काकाणी व महिला मंडल अध्यक्ष आदि उपस्थित थे।

■ **वरंगल।** स्थानीय प्रगतिशील मारवाड़ी समाज द्वारा होली उत्सव का कार्यक्रम 17 मार्च को बड़े धूमधाम से समाज भवन में आयोजित किया गया। इसमें समाज के 52 वरिष्ठ सदस्यों (60 वर्ष से अधिक) का साफा, हार व मस्तक पर चंदन लगा कर सम्मान किया गया। वरिष्ठ समाज के अध्यक्ष वेणुगोपाल मूंदडा ने होली की विशिष्टताएं विस्तार से बताई। माहेश्वरी समाज वरंगल के अध्यक्ष रमेशचंद बंग ने होली उत्सव के आयोजन एवं वरिष्ठ सदस्यों के सम्मान कार्यक्रम को बड़े धूमधाम से आयोजित करने के लिए प्रगतिशील मारवाडी समाज के सभी कार्यकारणी सदस्यों का आभार व्यक्त किया। इस उत्सव में प्रगतिशील मारवाडी समाज एवं माहेश्वरी समाज के 300 से भी अधिक समाजजनों ने भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाया। सभी के लिये अल्पाहार की व्यवस्था रही। रात्रि 8 बजे समाज भवन के सामने होलिका का दहन हुआ। यह जानकारी समाज के सांस्कृतिक मंत्री दामोदर लाहोटी ने दी।

■ **वाराणसी।** स्थानीय माहेश्वरी समाज का होली मिलन समारोह गत 20 मार्च को स्थानीय माहेश्वरी भवन, महमूरगंज में सम्पन्न हुआ। इसमें समाज के 250 से ज्यादा सदस्यों ने चंग के साथ-साथ हास्य नाटिका 'बॉलीवुड मसाला' का आनंद लिया। मांगीलाल सारडा ने अपनी टीम के साथ चंग की थाप पर मारवाड़ी गीतों पर शमां बांधा। माहेश्वरी क्लब के युवा साथियों ने बॉलीवुड मसाला थीम पर हास्य नाटिका का मंचन किया। इस अवसर पर माहेश्वरी परिषद के अध्यक्ष कृष्णकुमार सोमानी ने नया प्रकल्प, 'Share and Care' की शुरुआत की। विशेष अतिथि के रुप में छत्तीसगढ़ प्रदेश सभा के अध्यक्ष रामरतन मूंदड़ा उपस्थित थे। माहेश्वरी परिषद के अध्यक्ष कृष्ण कुमार सोमानी, माहेश्वरी क्लब के अध्यक्ष आनंद झंवर, महासभा कार्यसमिति के सदस्य लोकेंद्र करवा व पूर्वी उप्र सभा के अध्यक्ष श्रीराम माहेश्वरी आदि ने उनका स्वागत किया। कार्यक्रम का संयोजन माहेश्वरी क्लब द्वारा किया गया।

दुनिया में सबसे आसान काम है-विश्वास खोना
कठिन काम है-विश्वास पाना और
उससे भी कठिन है विश्वास बनाए रखना।

■ **बैंगलुरू।** माहेश्वरी सभा का होली स्नेह मिलन गत 20 मार्च को संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ सभा अध्यक्ष निर्मलकुमार तापड़िया, माहेश्वरी युवा संघ अध्यक्ष अरविंद लोया, महिला मंडल उपाध्यक्षा श्वेता बियानी, माहेश्वरी फाउंडेशन के चेयरमैन राजगोपाल भूतड़ा, माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट के चेयरमैन मोहनलाल माहेश्वरी, माहेश्वरी सौहार्द क्रेडिट कोऑपरेटिव लिमिटेड के अध्यक्ष सुरेशकुमार लखोटिया, समाज के वरिष्ठ सदस्य सुरेशचंद भूतड़ा, मधुसूदन झंवर और साथ में कार्यसमिति सदस्य मुकेश चितलांगिया एवं भगवानदास जाजू द्वारा किया गया। इस अवसर पर आर्केस्ट्रा आदि रंगारंग कार्यक्रमों के साथ स्वरूचि भोज का आयोजन भी हुआ।

■ **देवास।** वैश्य महासम्मेलन देवास द्वारा खाटू श्याम प्रभु का संकीर्तन एवं फागोत्सव प्रदेश मंत्री अशोक सोमानी के सानिध्य में मनाया गया। लगभग 3 घंटे तक चले इस संकीर्तन में श्याम प्रभु का सुंदर श्रृंगार गौरव गुप्ता, राहुल गुप्ता एवं अशोक सोमानी ने किया। इस दौरान विजय गोयल का अग्रवाल समाज के सचिव चुने जाने पर श्याम दुपट्टा ओढ़ाकर सम्मान किया गया। संपूर्ण रुप से पारिवारिक संकीर्तन में गौरव खंडेलवाल, रजनीश पोरवाल, शिव संघवी, अमित विजयवर्गीय, भानु अग्रवाल, अमित माहेश्वरी, अनिकेत सोमानी आदि उपस्थित थे। उक्त जानकारी गौरव गुप्ता ने दी।

■ **छापरा।** होली के पावन पर्व पर माहेश्वरी महिला मंडल छापर द्वारा रंगारंग फागोत्सव स्थानीय माहेश्वरी भवन में बहुत ही हर्ष और उल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान श्री गणेश की वंदना से हुई। इस मौके पर समाज की श्वेता तापड़िया, किरण झंवर, नीलम तापड़िया, अनु बंग, वीणा बिहानी, गीन्ताजली तापड़िया, चन्द्रकला तापड़िया, ज्योति बिहानी, मनीशम मूंधड़ा सहित समाज की बहुत सी महिलायें उपस्थित थी।

त्रिदिवसीय आंचलिक अधिवेशन ''स्पंदन'' का हुआ वर्चुअली आयोजन

पश्चिमी म.प्र. प्रादेशिक महिला संगठन ने किया 26 से 28 फरवरी तक वर्चुअल आयोजन

इंदौर। पश्चिमी मध्य प्रदेश प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन का आयोजन 26 फ़रवरी से 28 फ़रवरी तक हुआ। अधिवेशन का शुभारंभ 26 फ़रवरी को प्रदेश मंत्री उषा सोडानी ने भगवान महेश के जयघोष के साथ किया। प्रथम दिवस अहिल्या अंचल के कार्यक्रम में महेश वंदना, स्वागत गीत पश्चात स्वागत उदबोधन आंचलिक उपाध्यक्ष नम्रता बियानी, जिला अध्यक्ष सुमन शारदा ने अहिल्या अंचल की जानकारी, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष निर्मला बाहेती ने शुभकामना संदेश एवं प्रदेश अध्यक्ष वीणा सोमानी ने आगामी माह में होने वाले प्रदेश अधिवेशन की जानकारी दी।

पूर्वांचल समिति प्रभारी गिरिजा शारदा ने कहा कि स्पंदन के माध्यम से महिलायें आर्थिक रूप से जागरूक होंगी। महिलाओं में वित्तीय लिट्रेसी कम होती है इसलिए इस तरह की कार्यशाला बहुत उपयोगी होगी। मुख्य अथिति राष्ट्रीय आंचलिक उपाध्यक्ष मंगल मर्दा ने कहा कि प्रदेश स्तर पर अधिवेशन होने से ग्रास रूट तक सदस्य महिलाऐं जुड़ेंगी और नई प्रतिभाएँ सामने आएंगी। मुख्य वक्ता CA ईशानी माहेश्वरी ने महिलाओं को आर्थिक रूप से स्वतंत्र होने के गुर बताए तथा इन्वेस्टमेंट के लिए उपयोगी योजनाओं से अवगत कराया। साथ ही वसीयत कैसे बनाए, उसमें बदलाव कैसे करें आदि की जानकारी दी। तत्पश्चात् प्रश्न उत्तर सत्र सम्पन्न हुआ। सभी क्षेत्रीय अध्यक्षों की जिज्ञासाओं का वरिष्ठ पदाधिकारियों ने समाधान किया। पू. रा. अध्यक्ष गीता मूँदड़ा ने कार्यकर्ता प्रशिक्षण कार्यक्रम की एवं सम्पूर्ण कार्यक्रम की समीक्षा पूर्व अध्यक्ष सुशीला काबरा ने प्रस्तुत की। अंत में आभार संयुक्त मंत्री सुलेखा मालपानी ने किया।

द्वितीय दिवस को स्वास्थ्य की चिंता

द्वितीय दिवस 27 फ़रवरी का अधिवेशन निमाड अंचल एवं भोज अंचल ने आयोजित किया। स्वास्थ्य एवं पारिवारिक समरसता समिति, आध्यात्म समिति, साहित्य एवं ग्राम विकास समिति के अंतर्गत कार्यक्रम सम्पन्न हुए। भोज अंचल से पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अनुपमा बाहेती के स्वागत उदबोधन, वीणा सोमानी, अरुणा बाहेती, शोभा माहेश्वरी द्वारा शुभकामना संदेश के पश्चात मुख्य अतिथि राष्ट्रीय संगठन मंत्री शैला कलंत्री ने ''स्वाश्रिता'' द्वारा जरूरतमंद महिलाओं की सहायता पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि गीता मूँदड़ा ने दाता बन खुशियाँ बाँटने, ग़लतियों को भुला आगे बढ़ने का संदेश दिया। इस अवसर पर 'मन स्वस्थ तो तन स्वस्थ' मानसिक स्वास्थ्य पर डॉ. आभा सोनी नागपुर ने मार्गदर्शन किया। आध्यात्म के अंतर्गत उर्मिला के चरित्र पर कहानी सुनाई जाकर प्रश्न उत्तर का आयोजन हुआ। भोज अंचल द्वारा नारी तेरे रूप अनेक में ममतामयी नारी, शक्ति स्वरूप, त्याग मयी, शहर की आधुनिक, गुस्सैल, ईर्ष्यालु, दृढ़निश्चयी, प्रेम दिवानी, सपनों के आकाश को छूती कामकाजी आदि नारी के रूप की अलग अलग प्रस्तुति दी।

तृतीय दिवस को सर्वांगीण विकास पर चर्चा

प्रदेश अधिवेशन स्पन्दन 2022 के अंतिम तृतीय दिवस को अधिवेशन के मालवांचल एवं दशपुर अंचल से कार्यक्रम आयोजित हुए। मालवांचल से पर्व एवं सांस्कृतिक समिति व बाल संस्कार एवं किशोरी विकास समिति तथा दशपुर अंचल से कम्प्यूटर समिति व विवाह गठबंधन समिति ने अपनी प्रस्तुतियाँ दी। स्वागत उद्बोधन वंदना मालानी, (उपाध्यक्ष मालवा अंचल) एवं शुभकामना संदेश- अरुणा बाहेती (निवृतमान प्रदेश अध्यक्ष), रमा शारदा पूर्व प्रदेश अध्यक्ष, वीणा सोमानी प्रदेश अध्यक्ष ने दिए। अतिथि उद्बोधन उषा करवा संयुक्त मंत्री मध्यांचल एवं राष्ट्रीय समिति प्रमुख-स्वाध्याय व आध्यात्मिक समिति ने दिया। सुशीला काबरा (पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष) ने सीता फल का उदाहरण देते हुए समझाया कि समाज और परिवार में कैसे रहे? एबीएमएम संपर्क एप की जानकारी रचना झंवर एवं मालवा अंचल की जानकारी रंजना परवाल (संयुक्त मंत्री मालवा अंचल) ने दी। मालवा अंचल भ्रमण विडियो द्वारा कराया गया। मालवा अंचल से पर्व एवं सांस्कृतिक समिति की हेमलता मोहता के निर्देशन में त्योहारों की झलक में बारह महीनों के नवसम्वत्सर, होली, गणगौर, रक्षा बंधन, सातुडी तीज, संक्रांति इत्यादि त्यौहारों की महत्ता बताते हुए उन्हें कैसे मनाया जाता है उसकी वीडियो द्वारा आकर्षक प्रस्तुति दी। बाल संस्कार एवं किशोरी विकास समिति की मनीषा राठी के संयोजन में समिति द्वारा आयोजित बच्चों का टेलेंट शो- विडीयो द्वारा प्रस्तुत किया। साथ ही प्रेक्टिकल पाजिटिव पेरेंटिंग पर नम्रता बियानी राष्ट्रीय प्रभारी - व्यक्तित्व विकास एवं कार्यकर्ता प्रशिक्षण समिति) ने व्याख्यान दिया। दशपुर अंचल की जानकारी गीता झंवर (उपाध्यक्ष दशपुर अंचल) ने दी। अंत में आभार संयुक्त मंत्री स्नेहलता मूंदड़ा एवं प्रदेश मंत्री उषा सोडानी ने माना।

।।श्री।।

स्थापना पर्व 1969 ।। ज्ञानम् विज्ञान सहितम् ।।

सुवर्ण महोत्सव २०२२

श्री. ब्रजलाल बियाणी शिक्षा समिती

सत्र २०१२-१३ से भाषिक (हिंदी) अल्पसंख्यांक दर्जा प्राप्त

बियाणी शैक्षणिक परिसर, शिलांगण रोड, अमरावती - ४४४६०५

ॲड. अशोक राठी

अध्यक्ष

: संचालित संस्थाएं :

ब्रजलाल बियाणी विज्ञान महाविद्यालय, (वरिष्ठ महाविद्यालय)	(बी.एससी, बीसीए, बीबीए, बी.कॉम., एम.कॉम., बी.व्होक.) एम.एससी. केमेस्ट्री, बॉटनी, इलेक्ट्रॉनिक्स, गणित, कम्प्यूटर साईंस
ब्रजलाल बियाणी विज्ञान महाविद्यालय (कनिष्ठ महाविद्यालय)	(विज्ञान शाखा एवं वाणिज्य शाखा)
नारायणदास लड्ढा हायस्कुल, अमरावती	(सेमी अंग्रेजी)
सावित्रीदेवी बियाणी विद्या मंदिर, अमरावती	(हिंदी प्राथमिक शाला)
रघुनाथमल कोचर बालक मंदिर, अमरावती	(हिंदी बालमंदिर)
भंवरीलाल सामरा इंग्लिश हायस्कूल, अमरावती	(अंग्रेजी माध्यम)
मोहनलाल सामरा मॉन्टेसरी एवं प्राथमिक शाला, अमरावती	(अंग्रेजी माध्यम)

सदस्यों द्वारा प्रायोजित मेधावी छात्रों को पारितोषिक

महिला कर्मचारियों का किया सम्मान

शाजापुर। वैश्य महासम्मेलन शाजापुर द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर जिला अध्यक्ष गायत्री विजयवर्गीय, संयोजक मीना माहेश्वरी व उपाध्यक्ष मिथिलेश माहेश्वरी के निर्देशन में कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिला चिकित्सालय की महिला चिकित्सक, नर्स स्टॉफ एवं महिला पुलिस कर्मियों का सम्मान किया गया। साथ ही गायत्री मंदिर पर भी कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। पुरस्कार वितरण न्यायाधीश हर्षिता सिंगार एवं राजेंद्र देवड़ा के हाथों से करवाया गया। इसमें वैश्य समाज सम्मेलन की महिला इकाई एवं सभी समाज ने खुलकर भाग लिया। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी-मनीष माहेश्वरी द्वारा दी गई।

महिला सम्मान कार्यक्रम संपन्न

राजनांदगांव। स्थानीय महिला मंडल द्वारा महिला दिवस के कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम दिवंगतजनो को श्रद्धांजलि अर्पित की गई साथ ही साथ भारत की स्वर कोकिला लता मंगेशकर एवं प्रख्यात गायक बप्पी लहरी को उनके द्वारा गाए गीतों से श्रद्धा-सुमन अर्पित किये गये। आज के महिला सम्मान समारोह में समाज द्वारा आयोजित क्रिकेट टूर्नामेंट प्रतिस्पर्धा में भाग लिए सभी 33 खिलाड़ियों मुख्यतः युवती एवं महिला मंडल को उनके नाम से अंकित सम्मान चिन्ह भेंट किये गये। कार्यक्रम में राजनांदगांव मेडिकल कॉलेज की असिस्टेंट प्रोफेसर एवं महिला रोग विशेषज्ञ डॉक्टर सिद्धि सैनिक मैडम द्वारा मेनोपॉज संबंधित जानकारी दी गई एवं श्रोताओं द्वारा प्रश्न उत्तर एवं उनके समाधान के लिए एक खुला मंच स्थापित किया गया। इसके साथ ही गर्भ से शिशु को व्यक्तित्ववान एवं संस्कारी कैसे बनाएं इस विषय पर विशेषज्ञ रुपाली गांधी द्वारा महत्वपूर्ण व्याख्यान दिया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन अलका सुरजन एवं सचिव सुषमा राठी द्वारा किया गया।

इतनी गलतियां ना करो के पेंसिल से पहले ही रबर घिस जाए, रबर को इतना मत घिसो की जीवन का पेज फट जाय।

डॉ. अमिता बिड़ला का सम्मान

जबलपुर। शहर में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला की धर्मपत्नी डॉक्टर अमिता बिड़ला का नगर आगमन हुआ। इस अवसर पर नर्मदा तट स्थित साकेत धाम में एक गरिमामय समारोह में संतों स्वामी गिरीशानंद, स्वामी श्री मुक्तानंद, स्वामी अवधूतानंद व शहर के कई गणमान्य नागरिकों एवं जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में अलंकरण समारोह रखा गया। यहां पर माहेश्वरी समाज द्वारा उनका स्वागत अभिनंदन और सम्मान किया गया। इसमें जबलपुर माहेश्वरी समाज के जिला अध्यक्ष शरद काबरा, गिरिराज चाचा, बाबू विश्व मोहन मालपानी, अतुल राठी एवं महिला मंडल से प्रदेश सहसचिव शशि काबरा, जिला अध्यक्ष सीमा राठी, सचिव तारा जेठा, स्थानीय अध्यक्ष सरोज जेठा, सचिव अर्चना बंग, गीता जेठा आदि की मुख्य रूप से उपस्थिति रहीं।

ज्योति बाहेती को सेवा सम्मान

अकोला। अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला संगठन की बाल एवं किशोरी विकास समिति मध्यांचल की सह प्रभारी तथा विदर्भ प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन की पूर्व अध्यक्षा ज्योति देवकिसन बाहेती अकोला को कन्या भ्रूण सुरक्षा जनजागृति अभियान में गत कई वर्षों से कार्यरत रहने पर सम्मानित किया गया। उन्हें स्वामी रामसुखदास जी द्वारा प्रेरित 'गर्भस्थ शिशु संरक्षण समिति चेन्नई' द्वारा सेवा सम्मान से विभूषित किया गया।

बाल्दी सर्वश्रेष्ठ शोधकर्ता अवार्ड से सम्मानित

बठिंडा। महाराजा रंजीत सिंह पंजाब युनिटी तकनीकी विश्वविद्यालय के सातवें स्थापना दिवस पर डॉ. आशीष बाल्दी को फार्मास्युटिकल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में उनके द्वारा किये गये अनुसंधान और नवाचार के लिए सर्वश्रेष्ठ शोधकर्ता पुरस्कार से सम्मानित किया गया। डॉ. बाल्दी ने बताया कि उनका नाम विश्व के 2 प्रतिशत सर्वश्रेष्ठ साइंटिस्ट (फार्मेसी ऑफ फार्माकोलॉजी) की फील्ड में आया है, जो कि बहुत बड़ी उपलब्धि है। समस्त स्नेहीजनों ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया।

साधारण सभा एवं पारिवारिक स्नेह मिलन

जोधपुर। माहेश्वरी समाज समिति पश्चिम क्षेत्र का वार्षिक समारोह, साधारण सभा व पारिवारिक स्नेह मिलन एक होटल में मनाया गया। कार्यक्रम संयोजक नीरज मूंदड़ा एवं मीडिया प्रभारी राजेंद्र भूतड़ा ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा सदन के अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कोषाध्यक्ष राम कुमार भूतड़ा एवं प्रमुख अतिथि आशा माहेश्वरी अ. भा. माहेश्वरी महिला संगठन अध्यक्ष थीं। सर्वप्रथम मंचासीन अतिथियों का स्वागत साफा साल श्रीफल मोमेंटों देकर पदाधिकारियों द्वारा सम्मान किया गया। सचिव श्याम सुंदर धूत ने गत साधारण सभा के मिनट पढ़कर सदन को सुनाएं। कोषाध्यक्ष राजेंद्र मंत्री द्वारा 2 साल का लेखा जोखा पटल पर रख कर ध्वनि मत से पास कराया। अध्यक्ष पुखराज फोफलिया द्वारा अध्यक्षीय भाषण में सभी का स्वागत करते हुए समाज की सभी गतिविधियों व कमेटियों द्वारा किए कार्यों से सबको अवगत कराया गया। हर वर्ष की भांति भी विभिन्न क्षेत्रों में सम्मान पत्र भेंट किये गये। इसका पाठन अरुण मोदी व एनके माहेश्वरी को समाज गौरव के रूप में सम्मानित करके प्रशंसा पत्र भेंट किया गया। इसका पाठन हरिप्रकाश राठी व श्रीमती स्वाति जैसलमेरिया द्वारा किया गया। इसके अतिरिक्त पुष्कर सेवा सदन के नवनिर्वाचित पदाधिकारी पहलाद साह, सोहनलाल मूंदड़ा व किशन गोपाल बंग का साफा पहनाकर सम्मान किया। उपमहापौर किशन लड्ढा का भी माला पहनाकर स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि रामकुमार भूतड़ा ने भी संबोधित किया।

डॉ. बजाज बने रेलवे के नए डिप्टी सीवीओ

जयपुर। उत्तर पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक की अनुशंसा पर डिप्टी चीफ विजिलेंस ऑफिसर (अकाउंट्स / पर्सनल / जनरल एडमिनिस्ट्रेशन) के पद पर अकाउंटस सर्विस के सीनियर ऑफिसर डॉ. विष्णु बजाज को नियुक्त किया गया है। श्री बजाज इंडियन रेलवे अकाउंटस सर्विस के 2005 बैच के सिलेक्शन ग्रेड के ऑफिसर हैं।

युवा इकाई द्वारा हुआ रक्तदान

देवास। वैश्य महासम्मेलन के संस्थापक नारायण प्रसाद गुप्ता नाना की स्मृति में संकल्प दिवस अंतर्गत वैश्य महासम्मेलन जिला युवा इकाई द्वारा जिला अस्पताल के ब्लड बैंक पर रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। रक्तदान कार्यक्रम में प्रदेश मंत्री अशोक सोमानी, जिला महामंत्री अमित गुप्ता, युवा जिलाध्यक्ष आलोक मंगल आदि ने रक्तदान कर भागीदारी की।

महिला मंडल महल की पिकनिक

नागपुर। ज्योति महिला मंडल की नई कार्यकारिणी की सोवायात्रा की शुरुआत पिकनिक से की गई। मंडल ने पिकनिक का आयोजन किया जिसमें 25 वर्ष से 75 वर्ष तक की महिलाएं उपस्थित रहीं। बस द्वारा सभी भंडारा रोड पर स्थित के. के फॉर्म्स पर पहुंची। यहां अध्यक्ष अर्चना बिंझानी ने सभी का स्वागत किया। नाश्ते के बाद सभी महिलाओं ने ट्रेजर हंट और पास द बैलून गेम खेला, स्वादिष्ट भोजन के बाद हाउजी खिलाई गई और कुछ सखियों ने स्विमिंग पूल का भी आनंद लिया। अंत में सभी ने डीजे पार्टी और हाइटी का आनंद उठाया। सचिव स्वाति सांवल ने सबका आभार व्यक्त किया। संयोजिका कविता काकाणी, लीना चांडक एवं पूनम बिंझानी थीं।

सिद्धि जौहरी का महिला दिवस पर सम्मान

जोधपुर। कई प्रतिभाओं से संपन्न, ऊर्जावान, बहुआयामी सिद्धि जौहरी अनेक लोगों की आदर्श है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में सिद्धि को देश भर से कई सम्मानों से नवाजा गया है। इसके अंतर्गत वुमन अचीवर अवार्ड 2022 पुरस्कार (द इन्स्टिट्यूट ओफ़ कम्पनी सेक्रेटेरीज़ ओफ़ इंडिया जोधपुर चैप्टर), सशक्त महिला सम्मान अवार्ड, (मारवाड मुस्लिम एजुकेशनल एंड वेल्फ़ेर सॉसाययटी एवं उम्राव बेन चेरिटबल ट्रस्ट जोधपुर द्वारा), नारी शक्ति सम्मान- जोधपुर, उत्कृष्ट महिला सम्मान 2022 (रिवायत फ़ाउंडेशन जयपुर), ग्लोबल वुमन पावर अवार्ड 2022 (इग्नायटेड ड्रीम्स ऑफ़ यंग माइंड्ज़ ऑल इंडिया) आदि कई सम्मान शामिल हैं।

भूतड़ा पुनः बने अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश

खामगांव। गत अप्रैल 2021को मुंबई से जिला और अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश के रूप में सेवानिवृत्त हुए ओमप्रकाश भूतड़ा को अब अतिरिक्त संयुक्त जिला और सत्र न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति उच्च न्यायालय द्वारा की गई है।

नारी सम्मान समारोह सम्पन्न

इंदौर। महिला ही वह सशक्त माध्यम है जो संस्कारित बच्चों से सक्षम राष्ट्र बनाती है। उक्त विचार श्री माहेश्वरी डीडवाना महिला मंडल (140) घर थोक के सशक्त नारी सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि लायन प्रीति जैन ने व्यक्त किए। समारोह की अध्यक्षता डॉ. संगीता भारूका ने की। विशेष अतिथि आरती माहेश्वरी ने फिटनेस के गुर बताए। संस्था अध्यक्ष वीणा सोनी ने बताया कि नव निर्वाचित कार्यकारिणी को शपथ भी दिलाई गई। अध्यक्ष सुषमा मालू एवम् सचिव सविता भंगड़िया ने अतिथि स्वागत किया। संयोजक सुधा मालू, अर्चना भलिका ने सफल संचालन किया। आभार आशा सिंगी ने माना मंजू भलिका,ऊषा काबरा, शोभा पसारी, शशि पटवा आदि विशेष रूप से उपस्थित थीं।

युवा संगठन के निर्वाचन संपन्न

हापुड़। जिला माहेश्वरी युवा संगठन की बैठक में राहिल माहेश्वरी सर्वसम्मति से जिलाध्यक्ष (प्रधान) चुने गये। कार्यकारिणी में महामंत्री- तरुण तोषनीवाल, कोषाध्यक्ष- नितिन माहेश्वरी, निर्वतमान प्रधान- गौरव तापड़िया, विशिष्ट सदस्य- अनुज खटोड़, उप प्रधान- आशीष साबू, विनीत माहेश्वरी, अभिनव मालू व माधव माहेश्वरी चुने गये। नगर अध्यक्ष व संगठन मंत्री प्रशांत हरकुट, उपमंत्री-वैभव जावंदिया तथा ऑडिटर- आकाश सोमानी चुने गये।

जिंदगी में अगर बुरा वक्त नहीं आता,
तो अपनो में छुपे गैर और गैरों में छुपे
अपने कभी नजर नहीं आते

चार वर्षीय केशव ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

इंदौर। उद्योगपति जगदीश राठी के पोते और रवि - खुशबू के बेटे केशव राठी ने मात्र 4 साल 7 माह की उम्र में वर्ल्ड रिकॉर्ड्स बनाकर अपना नाम इंटरनेशनल बुक ऑफ रेकॉर्ड्स में दर्ज कराया। केशव राठी ने 9 अंको के 20 से अधिक नंबर 4 मिनिट से भी कम समयें पढ़कर और हजार की श्रृंखलाओं के अंक, उनके स्थानीय मान से एक अधिक वाले अंक के 50 से भी अधिक नंबर 5 मिनट के समय में सबसे कम उम्र मे बता कर वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम दर्ज कराया। इसके अलावा इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड द्वारा 100 से 0 तक की उल्टी गिनती एक मिनिट के समय में बोलने पर सराहना प्रमाण पत्र भी प्रदान किया गया। केशव के दादाजी मुरलीधर और दादी प्रमिला देवी राठी ने बताया कि वह बचपन से मेधावी छात्र रहा है। पारिवारिक संस्कारो में पले बड़े केशव को कई मंत्र भी जुबानी याद हैं।

गणगौर
की उत्कृष्ट फोटो आमंत्रित

माहेश्वरी समाज में सर्वाधिक पढ़ी जाने वाली आपकी पत्रिका श्री माहेश्वरी टाईम्स द्वारा माहेश्वरी समाज के परम्परागत विशिष्ट पर्व ''गणगौर'' के सुअवसर पर आगामी अंक ''गणगौर'' पर्व को समर्पित होगा।

इस हेतु आयोजन से संबंधित फोटोग्राफ समाचार के साथ अवश्य प्रेषित करें। इस आयोजन के अवसर पर प्राप्त फोटोग्राफ में से श्रेष्ठ फोटोग्राफ को 'श्री माहेश्वरी टाईम्स' के आगामी अंक के कवर पर प्रकाशित कर सम्मानित करेगा। यह सम्मान वास्तव में उस आयोजन को गौरवान्वित करेगा।

-संपादक

* केवल DSLR केमरे से खींचा हुआ फोटो ही मान्य होगा।
मोबाईल केमरे से खींचा हुआ फोटो मान्य नहीं होगा।
20 अप्रैल के पूर्व प्राप्त फोटो पर ही विचार किया जाएगा।
फोटो E-mail : smt4news@gmail.com पर भेजें।

शीघ्र ही साकार होगा समाज का सपना ''श्री महेशधाम''

भगवान महाकालेश्वर की नगरी उज्जैन में रामनवमी से होगा निर्माण का शुभारम्भ

उज्जैन। भगवान श्री महाकालेश्व की नगरी में भगवान श्रीकृष्ण की शिक्षा स्थली अंकपात क्षेत्र में माहेश्वरी समाज का बहुप्रतीक्षित भव्य भवन ''श्री महेशधाम'' - (श्री गंगाधर बंशीलाल राठी ट्रस्ट (चैन्नई) (भवन) आगामी रामनवमी पर्व 10 अप्रैल से निर्मित होना प्रारम्भ होगा। संभवतः यह जयपुर के ''उत्सव भवन'' के बाद देश में समाज का सबसे भव्य भवन रहेगा। उक्त जानकारी देते हुए भवन निर्माण संयोजक डॉ. वासुदेव काबरा ने बताया कि श्री महाकाल महेश सेवा ट्रस्ट द्वारा निर्मित यह भवन समाज के लिये गौरव का प्रतीक होगा। कारण है यह अपने स्वरूप में तो भव्य व अत्याधुनिक सुविधा से युक्त रहेगा ही साथ ही इसका निर्माण भी अंकपात क्षेत्र में हो रहा है, जो सिंहस्थ महाकुम्भ की आयोजन स्थली भी रहता है। इस भवन का निर्माण 12 हजार वर्गफीट के विशाल क्षेत्र में होगा, जिसमें 74 कमरों के साथ ही अन्य सुविधाओं का भी निर्माण होगा। इसका नक्शा सहित अन्य समस्त कार्यवाही भी पूर्ण हो चुकी है।

दानदाता मुक्त हस्त से सहयोग में आगे

इस भवन में मुख्य दानदाता भामाशाह अ.भा. माहेश्वरी महासभा के पूर्व अध्यक्ष बंशीलाल राठी चेन्नई हैं। आपका विशेष रूप से आग्रह है कि तीर्थनगरी उज्जयिनी में माहेश्वरी बंधुओं के आवास के लिये एक सर्वसुविधायुक्त भवन का निर्माण हो। आपने देशभर के सभी माहेश्वरी भाईयों से आग्रह किया कि इस भवन निर्माण में तन-मन-धन से सहयोग प्रदान करें। उज्जैन के वरिष्ठ समाजसेवी श्री रामरतन लड्ढा, पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ. वासुदेव काबरा, महासभा प्रतिनिधि डॉ. रवींद्र राठी, इंदौर निवासी श्री पवन लड्ढा, खंडवा के श्री अजमेरा, श्री राजेंद्र ईनाणी, श्रीमती शांतादेवी मंडोवरा, श्री नरेन्द्र मंत्री, श्री शंकरलाल राठी, श्री पंकज केला, आदि कई दान दाताओं ने कक्ष निर्माण के लिये सहयोग राशि की घोषणा की है।

शुभारम्भ की भी भव्य तैयारी

इस बहुप्रतीक्षित भवन के निर्माण का शुभारम्भ रामनवमी 10 अप्रैल को होगा। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में महासभा के कार्यसमिति सदस्य श्री नवल जी राठी चैन्नई उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम के विशेष अतिथि उद्योगपति एवं समाजसेवी श्री रोहित सोमानी इंदौर रहेंगे। श्री काबरा ने बताया कि भवन निर्माण संस्था श्री महाकाल महेश सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष जयप्रकाश राठी, सचिव कैलाश डागा, कोषाध्यक्ष नवल किशोर माहेश्वरी, संरक्षक ट्रस्टी ओमप्रकाश तोतला, उपाध्यक्ष अजय मूंदड़ा, पंकज केला, भूपेंद्र भूतड़ा, मनमोहन मंत्री, शैलेन्द्र राठी, श्रीमती गीता तोतला, निरंजन हेड़ा, पुष्कर बाहेती आदि ने कार्यक्रम को सफल बनाने तथा इस भवन के निर्माण में सहयोगी बनने की समाजजनों से अपील की।

दो दिवसीय युवक-युवती परिचय सम्मेलन संपन्न

लगभग 300 युवक-युवती सम्मेलन में हुए शामिल - सम्मेलन में कई संबंध तय होने की हुई पहल

इंदौर। दस्तूर गार्डन पर श्री महेश सामाजिक पारमार्थिक संस्था के द्वारा आयोजित दो दिवसीय माहेश्वरी युवक-युवती परिचय सम्मेलन 19 व 20 मार्च को संपन्न हुआ। गत 19 मार्च को प्रातः 10:00 बजे एक समारोह लखनलाल नागोरी (खंडवा) के मुख्य आतिथ्य एवं पवन लड्ढा (अध्यक्ष बालाजी माहेश्वरी क्षेत्र) की अध्यक्षता में दस्तूर गार्डन पर आयोजित हुआ। विशेष अतिथि के रुप में मनोज राठी (डिस्ट्रिक्ट जज) राधेश्याम मालाणी (समाजसेवी), राजेश मूंगड़ (इंदौर जिला माहेश्वरी समाज अध्यक्ष) डॉ. वासुदेव काबरा, राजेंद्र इनानी, युगल राठी, महेश तोतला की उपस्थिति में दीप प्रज्वलित कर शुभारम्भ किया गया। महेश वंदना, व स्वागत गीत दर्शना जाजू एवं सुधा राठी द्वारा प्रस्तुत किये गये। अतिथियों का स्वागत संस्था के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. रविंद्र राठी एवं अध्यक्ष गोपाल मानधन्या ने किया। अपने उद्बोधन में डॉ. रविंद्र राठी ने बताया कि यह सम्मेलन बहुत कम समय में ही आयोजित किया है, फिर भी देशभर से लगभग 500 प्रविष्टियां इस सम्मेलन में आई। दो दिवसीय चलने वाले इस आयोजन में निश्चित ही कई परिवारों के युवक-युवतियों के संबंध तय होने की दिशा में आगे बढ़े हैं। लगभग 40 परिवार एक दूसरे के बारे में जानकारी लेकर संबंध किए जाने की ओर अग्रसर हुए हैं। इस सम्मेलन की विशेषता रही कि हर वर्ग के युवक-युवती यहां पर मौजूद थे, साथ ही विशिष्ट युवक-युवती भी सम्मेलन में मौजूद रहे। समारोह की अध्यक्षता पवन लड्ढा ने की। विशेष अतिथि राधेश्याम मालाणी, कमल लड्ढा, डॉ. वासुदेव काबरा, राजेंद्र ईनानी ने भी संबोधित किया। डॉ. रविंद्र राठी ने अतिथियों को प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया। अंत में आभार संस्था सचिव दिनेश चितलांगिया ने माना। कार्यक्रम संचालन मुरलीधर मानधन्या ने किया।

वयोवृद्ध सम्मान समारोह सम्पन्न

राँची। श्री माहेश्वरी सभा, माहेश्वरी महिला समिति एवं माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा कोरोना काल में पिछले 2 साल से सार्वजनिक बड़े कार्यक्रम आयोजित नहीं हो पा रहे थे। इस कारण से एक भव्य समारोह आयोजित कर रांची के 10 महिला एवं 10 पुरुषों को वयोवृद्ध सम्मान से सम्मानित किया गया। प्रदेश सह मीडिया प्रभारी राजकुमार लढ़ा ने बताया कि सर्वप्रथम सभा के अध्यक्ष शिवशंकर साबू ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कोरोना महामारी की परेशानी के दूर होने की कामना की। मंचासीन अध्यक्ष शिव शंकर साबू, सचिव नरेन्द्र लाखोटिया, प्रदेश अध्यक्ष छितरमल धूत, प्रदेश सचिव महेश लाखोटिया, प्रदेश उपाध्यक्ष राजकुमार मारू, प्रदेश महिला उपाध्यक्ष संगीता चितलांगिया, महिला अध्यक्ष विजयश्री साबू, युवा अध्यक्ष सौरभ साबू, कार्यक्रम संयोजक मनमोहन मोहता ने दीप प्रज्वलित कर समारोह का उद्घाटन किया। इसके अंतर्गत श्रीफल, पुष्प और सम्मान फलक देकर वरिष्ठजनों को सम्मानित किया गया। इनके बाद माहेश्वरी स्वास्थ्य सेवा के अंतर्गत चल रहे जेनेरिक दवाखाने के ''लोगो'' यानी प्रतीक चिन्ह का अनावरण मनीष खटोड़ द्वारा किया गया। समारोह के बाद वनभोज का आयोजन भी किया गया।

प्रतिभा सम्मान समारोह सम्पन्न

राँची। श्री माहेश्वरी सभा, महिला समिति एव युवा संगठन द्वारा पिछले 2 वर्षों में 10वीं एवं 12वीं कक्षा में 90 प्रतिशत से ज्यादा अंक लाने वाले छात्र-छात्राओं तथा अन्य क्षेत्रों की विशेष प्रतिभा के लिए सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। गिरिजा शंकर पेड़ीवाल ने बताया कि अध्यक्ष शिव शंकर साबू, सचिव नरेन्द्र लाखोटिया, प्रदेश अध्यक्ष छितरमल धूत, प्रदेश सचिव महेश लाखोटिया, प्रदेश उपाध्यक्ष राजकुमार मारू, प्रदेश महिला उपाध्यक्ष संगीता चितलांगिया, महिला अध्यक्ष विजयश्री साबू, युवा अध्यक्ष सौरभ साबू, निवर्तमान युवा प्रदेश अध्यक्ष गिरिजा शंकर पेड़ीवाल, कार्यक्रम संयोजक मनमोहन मोहता आदि ने प्रतिभा सम्मान प्रदान किए। इसमें 2020 एवं 2021 में दसवीं एवं बारहवीं में 90 प्रतिशत से ज्यादा अंक लाने वाले 29 छात्र-छात्राओं तथा स्नातकोत्तर में गोल्ड मेडलिस्ट, यूजीसी नेट उत्तीर्ण करने वाले व एम.बी.ए., पी.एच.डी., सी.ए., एल.एल.बी वालों के साथ आइ.सी.एम.ए. की इंटरमीडियट की परीक्षा में पूरे भारत में प्रथम स्थान हासिल करने पर सर्वेश साबू, चित्रकला हेतु तृप्ति चितलांगिया, तायक्वांडो में राष्ट्रीय खेलों में स्वर्ण पदक लाने पर सखी बांगड़, ट्रीपल आई टी में नंदनी मारू के चुने जाने पर सम्मान फलक देकर सम्मानित किया गया।

भजन गंगा से मनाया महाशिवरात्रि उत्सव

अमरावती। 28 फरवरी को लक्ष्मी विहार स्थित हनुमान मंदिर मे स्वयंसिद्धा महिला मंडल ने महाशिवरात्रि का पर्व बड़ी धूमधाम से मनाया। नृत्य के साथ भजन प्रस्तुति में उषा भुतडा और निशा भूतडा विजेता रहीं। गेम की विनर प्रेमलता राठी रही। 108 बार ॐ नमः शिवाय का जाप, हनुमान चालीसा और शिवजी की आरती के साथ ही कार्यक्रम को विराम दिया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए मंडल की अध्यक्ष दुर्गा हेड़ा, साधना गट्टानी, ममता मुंधड़ा, सुषमा भुतडा और सुषमा राठी ने अथक प्रयास किये। कार्यक्रम में मण्डल की गंगा राठी, गौरी राठी, कल्पना मालाणी, निर्मला सदानी, ज्योति कासट, राखी भट्टड, संगीता मुंधड़ा आदि का योगदान रहा।

महाशिवरात्रि का हुआ आयोजन

वाराणसी। माहेश्वरी परिषद ने महाशिवरात्रि का त्यौहार धूमधाम से मनाया। इस अवसर पर महमूरगंज स्थित माहेश्वरी भवन में पार्थिव नर्मदेश्वर महादेव शिवलिंग का रुद्राभिषेक एवं भजन संध्या का आयोजन किया गया। इसमें मांगीलाल सारडा, वीरेंद्र भुराड़िया, लोकेंद्र करवा, श्रीराम चितलांगिया सहित काफी संख्या में समाज जनों की सहभागिता थी। इस कार्यक्रम के लिए रामजीलाल चांडक, श्रवण करवा, धीरज मल्ल, निर्मला मारू, दुर्गा मूंदड़ा, बिट्ठल साबू, पीयूष लखानी एवं शुभम पेड़ीवाल ने संयोजकों की भूमिका निभाई।

निःशुल्क दिव्यांग कल्याण शिविर का आयोजन

फरीदाबाद। नर सेवा नारायण सेवा के सिद्धांत को चरितार्थ करते हुए फरीदाबाद माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट ने हरियाणा जिला रेडक्रास सोसायटी, समाज कल्याण विभाग तथा भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति जयपुर के सहयोग एवं तत्वावधान में 20 फरवरी से 24 फरवरी तक 5 दिवसीय निःशुल्क दिव्यांग कल्याण शिविर का आयोजन किया गया। इसका उद्घाटन महामहिम हरियाणा राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने किया। उक्त अवसर पर पद्मश्री वीरेंद्र राज़ मेहता, (कार्यकारी अध्यक्ष भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति), अशोक सोमानी (उपाध्यक्ष अखिल भारतीय महेश्वरी महासभा उत्तरांचल), डीआर शर्मा (महासचिव रेड क्रॉस सोसाइटी हरियाणा), जितेंद्र यादव (उपायुक्त फरीदाबाद), सुषमा गुप्ता (चेयर पर्सन रेड क्रॉस हरियाणा), मूलचंद शर्मा (मंत्री हरियाणा सरकार), नरेंद्र गुप्ता एवं राजेश नागर (विधायक फरीदाबाद-तिगांव) राजकुमार करवा (स्वागत अध्यक्ष एवं प्रसिद्ध समाजसेवी, दिल्ली) रंगनाथ झंवर (समाजसेवी एवं उद्योगपति फरीदाबाद), डॉक्टर आर. के. वाधवा (एडीशनल डायरेक्टर सफदरजंग हॉस्पिटल नई दिल्ली) सहित प्रशासनिक अधिकारियों के साथ अन्य संस्थानों से आये महानुभाव भी उपस्थित थे। माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष महेश गट्टानी ने सभी का अभिनंदन करते हुए बताया कि सेवा ट्रस्ट गत 36 वर्षों से समाज एवं जन सेवा के कार्य कर रहा है। इसी सेवा की कड़ी में विशाल निशुल्क दिव्यांग कल्याण कैंप में 1275 दिव्यांगों भाई ने पंजीकरण करवाया जिनमें से जांच के उपरांत 1005 दिव्यांगों को 1175 सहायक उपकरण (लगभग 55 लाख रुपये मूल्य के) प्रदान किये। इस अवसर पर समाज के सभी विशिष्ट सहयोगियों का सम्मान किया गया।

राज्य स्तरीय स्पर्धा में झंवर पुरस्कृत

अहमदनगर। छत्रपति शिवाजी महाराज और हिंदू हृदय सम्राट श्री बालासाहेब ठाकरे की जयंती के अवसर पर आयोजित 'अहमदनगर मेयर कप' राज्य स्तरीय साइकिल प्रतियोगिता में अहमदनगर के साइकलिस्ट भरत झंवर ने भाग लिया। उन्होंने 80 किलोमीटर की दूरी 3 घंटे 5 मिनट 25 सेकंड में पूरी की। यह स्पर्धा अहमदनगर औरंगाबाद हाइवे पर आयोजित हुई तथा अहमदनगर से वडाला और वापस जाने के लिए थी। इसमें पूरे महाराष्ट्र के साइकिल चालकों ने भाग लिया। प्रथम 20 रैंकों के सभी भाग लेने वाले साइकिल चालकों को पुरस्कारों के साथ-साथ प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया। इनमें भरत झंवर एकमात्र माहेश्वरी थे, जिन्होंने भाग लेकर प्रतियोगिता को पूरा किया। उन्होंने आज तक कई प्रतियोगिताओं में भाग लेकर माहेश्वरी समाज का प्रतिनिधित्व किया है।

जी बिजनेस चैनल पर कविता की प्रस्तुति

कोलकाता। समाज सदस्य शशि लाहोटी द्वारा लिखी गई रचना को जी बिजनेस के एम डी अनिल सिंघवी ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर अपने चैनल पर दिखाया। यह रचना जी बिजनेस के एम डी अनिल सिंघवी और उनके पैनलिस्ट पर लिखी गई थी। चैनल के सभी पैनलिस्ट ने इसके लिए तालियाँ बजाई और आभार व्यक्त किया और कविता को खूब सराहा गया। जी बिजनेस द्वारा इस कविता को ट्वीट भी किया गया। उल्लेखनीय है कि उनके द्वारा हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के लिए लिखी एक रचना 'मेरे मन के मोदी मेरी कलम से' के लिए प्रधानमंत्री कार्यालय से उन्हें धन्यवाद पत्र भी मिला है। उनका ''कविता दिल की'' नाम से फेसबुक पेज है।

मनीषा राठी बनी मारवाड़ी महिला सम्मेलन अध्यक्षा

उज्जैन। अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन उज्जैन पश्चिमांचल शाखा की नवीन कार्यकारिणी सत्र 2022-2024 का गठन किया गया। इसमें मनीषा राठी उज्जैन को निर्विरोध अध्यक्षा चुना गया। इसके साथ मनीषा पश्चिमी मध्य प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन की बाल संस्कार एवं किशोरी विकास समिति की प्रदेश संयोजिका तथा उज्जैन ज़िला माहेश्वरी महिला संगठन की संगठन मंत्री भी हैं।

मुझे वो रिश्ते पसंद हैं,
जिनमें नहीं हम हो
इंसानियत दिल में होती है,
हैसियत में नहीं,
ऊपरवाला कर्म देखता है,
वसीयत नहीं।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का हुआ आयोजन

वर्धा। 'भारतीय संस्कृति में समस्त प्राचीन साहित्य, संस्कृति और धर्म नारी के सम्मान को सर्वोच्च मानता है। आधुनिक भारत में भी नारी शक्ति को जब-जब अवसर दिए गए उसने अपने औजस्व को प्रखर करने में कोई चूक नहीं की। उक्त विचार माहेश्वरी महिला मंडल, वर्धा द्वारा महिला दिवस पर आयोजित एक कार्यक्रम ''नारी तू नारायणी, तेरे रूप अनेक'' में प्रमुख अतिथि लेखिका, कवियत्री एवं आर्ट ऑफ लिविंग की अध्यापिका पल्लवी प्रशांत पुरोहित ने व्यक्त किये। आरंभ में भारतरत्न स्वर कोकिला लता मंगेशकर को स्वरांजलि के माध्यम से श्रद्धांजलि दी गई। मंडल की अध्यक्षा दीपा गोविंद टावरी ने अतिथि परिचय व मंडल की गतिविधियों का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। इस अवसर पर विभिन्न नाटिका व सांस्कृतिक स्पर्धा भी आयोजित हुई। विदर्भ प्रादेशिक महिला संगठन की अध्यक्षा भारती राठी एवं अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला संगठन की संगठन मंत्री शैलजा कलंत्री भी विशेष रूप से उपस्थित थीं। अतिथि का स्मृति चिन्ह से मंडल सचिव एकता संदीप पनपालिया ने सम्मान किया तथा आभार प्रदर्शन ललिता मुरली मनोहर राठी ने एवं कार्यक्रम संचालन शिवानी चितलांगे एवं कोमल राठी ने किया।

प्रसूति का सामान वितरित

जोधपुर। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 8 मार्च के उपलक्ष में माहेश्वरी महिला संगठन पूर्वी क्षेत्र जोधपुर द्वारा एक अभियान शुरू किया गया। इसके तहत समय-समय पर जरूरतमंद प्रसूता महिला को डिलीवरी का सामान जैसे कि घी, गोंद, बादाम, लोद, अजवाइन, गोटा, पीपलामोल, सिंघाड़ा का आटा, चीनी, गुड आदि सामान का एक किट बनाकर दिया जाएगा। अध्यक्ष सुशीला बजाज ने बताया कि इस अभियान के तहत कम से कम 21 महिलाओं को यह किट प्रदान किया जाएगा । इसमें से अभी तक हमने 5 किट वितरित कर दिए हैं। इस कार्यक्रम में निर्मला लोहिया, उषा राठी, रामेश्वरी राठी, पुष्पा सोनी, पूजा बूब का सहयोग रहा।

जागेटिया अध्यक्ष एवं लड्ढा सचिव

सूरत। गत मार्च में मेवाड़ माहेश्वरी युवा संगठन सूरत के सत्र 2022-2025 के चुनाव बद्रीनाथ मंदिर अड़ाजण में चुनाव अधिकारी गोपाल डाड, मुकेश कोठारी एवं अशोक नाराणीवाल की देखरेख में संपन्न हुए। इसमें सुनील जागेटिया अध्यक्ष, चन्द्र प्रकाश झंवर उपाध्यक्ष, राजीव लड्ढा सचिव एवं पंकज डाड कोषाध्यक्ष पद पर निर्वाचित हुए। अड़ाजण घुड़दौड़ रोड माहेश्वरी सभा के सचिव सुनील माहेश्वरी ने बताया कि नवनिर्वाचित अध्यक्ष सुनील जागेटिया अड़ाजण माहेश्वरी सभा के सहसचिव पद पर भी अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

जिला महिला संगठन की बैठक संपन्न

उज्जैन। जिला माहेश्वरी महिला संगठन की तीसरी प्रत्यक्ष बैठक नागदा माहेश्वरी महिला संगठन के आतिथ्य में आयोजित की गयी। साथ ही पश्चिमी मध्यप्रदेश प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन के पदाधिकारियों द्वारा जिला भ्रमण भी किया गया। पश्चिमी मध्य प्रदेश प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्ष वीणा सोमानी की अध्यक्षता में तथा प्रदेश मंत्री उषा सोड़ानी की उपस्थिति में सभी तहसील अध्यक्ष की सहभागिता से यह कार्यक्रम 3 मार्च को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। नागदा महिला मंडल की अध्यक्ष प्रीति मालपानी व उज्जैन जिलाध्यक्ष राधा आसावा ने स्वागत उद्बोधन दिया। सचिव रिपोर्ट उज्जैन जिला सचिव सीमा मालपानी द्वारा प्रस्तुत की गई। उज्जैन जिला कोषाध्यक्ष दीपा सोमानी द्वारा कोष के विवरण की जानकारी दी गई। पश्चिमी मध्यप्रदेश प्रादेशिक सचिव उषा सोडाणी ने कोषाध्यक्ष के दायित्व एवं कार्य संबंधित जानकारी दी। इस सभा के अंतर्गत एक लघु नाटिका का ''लव जिहाद'' पर नागदा की सदस्याओं द्वारा सुंदर मंचन किया गया। चिंतन मनन के अंतर्गत प्रतियोगिता का आयोजन भी रखा गया था जिसका विषय था ''बुजुर्गों का सम्मान क्यों आवश्यक''?

दो दिवसीय काव्यशाला संपन्न

कोलकाता। माहेश्वरी पुस्तकालय की 107 वर्षीय यात्रा को नमन करने के उद्देश्य से सृजित, 'शतदल अर्पण' कार्यक्रम शृंखला के अन्तर्गत दो दिवसीय काव्यशाला का आयोजन स्थानीय माहेश्वरी भवन में हुआ। काव्यशाला का शुभारम्भ माहेश्वरी पुस्तकालय स्थित मन्दिर में गणेश जी को शतदल अर्पित कर मुकुंद राठी व वाग्देवी सरस्वती को शतदल अर्पण कर पुस्तकालय के उपाध्यक्ष, राधेश्याम झँवर ने किया। काव्यशाला के प्रथम दिवस के प्रथम सत्र में, 'समाज ने साहित्य रूपी दर्पण देखना बंद कर दिया है?' विषय पर, चिन्तक महावीर प्रसाद बजाज की अध्यक्षता में चर्चा हुई। विशिष्ट वक्ता डा. बिद्रुल दास मूंधड़ा थे। मध्यप्रदेश लेखक संघ के महामंत्री राजेन्द्र गट्टाणी, गुवाहाटी से आयी प्रसिद्ध लेखिका, कवयित्री पुष्पा सोनी, जयपुर से आये शिक्षक व कवि प्रह्लाद चाण्डक, डॉ. महेश महेश्वरी बुलाकीदास मिम्माणी अरुण सोनी, सीए विशाल पच्चीसिया आदि ने भी अपने विचार रखे। तृतीय सत्र, महानगर के वरिष्ठ कवि पं. रामेश्वरनाथ मिश्र 'अनुरोध' की अध्यक्षता में हुआ। दूसरे दिन का आरम्भ, काव्यशाला के चौथे सत्र से हुआ। सुप्रसिद्ध मार्क्सवादी विचारक, लेखक अरुण माहेश्वरी की अध्यक्षता में, हम क्यों लिखें? क्या लिखें? हमारे लेखन की सार्थकता क्या है? जैसे प्रश्नों पर मंथन हुआ। काव्यशाला के संयोजक नन्दकुमार लड्ढा ने आभार प्रकट किया। पांचवे सत्र के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

जैसलमेरिया को नारी शक्ति सम्मान

जोधपुर। अन्तराष्ट्रीय महिला दिवस पर स्व. आरती जी जोशी की स्मृति में जोधपुर से भिन्न-भिन्न क्षेत्रों से उत्कृष्ट कार्यों में 31 महिलाओं को सम्मानित किया गया। इसमें साहित्य क्षेत्र में स्वाति जैसलमेरिया, समाज सेवा में पूर्णिमा क़ाबरा व गेलेक्सी क्वीन सिद्धि जौहरी को सम्मानित किया गया।

परिसंवाद का हुआ आयोजन

नागपुर। महाराष्ट्र प्रदेश माहेश्वरी सभा अंतर्गत मराठवाडा विभाग संस्कार संस्कृति संवर्धन समिति द्वारा आयोजित 'परिसंवाद रविवार 13 मार्च, 2022 पारिवारिक समरसता..' विषय पर नागपुर निवासी चिंतक व समाजसेवी शरद गोपीदास बागड़ी का झूम मीटिंग के माध्यम से व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाराष्ट्र प्र. माहेश्वरी स. मराठवाडा विभाग उपाध्यक्ष संजय दाड द्वारा किया गया। अतिथियों का स्वागत तथा प्रस्तावना समिति संयोजिका कल्पना मालू ने प्रस्तुत की। जिसमें उन्होंने गत दो वर्ष में समिति द्वारा लिए गए विविध समाज प्रबोधन कार्यक्रमों की जानकारी सभी के सम्मुख रखी। प्रमुख अतिथी संजय दाड तथा विशेष अतिथि महाराष्ट्र प्र.मा.स. मराठवाडा विभाग संयुक्त मंत्री संजय मंत्री ने भी अपना मनोगत व्यक्त किया। प्रमुख वक्ता श्री बागडी का परिचय समिति सह-संयोजक सीए पवनकुमार झंवर ने दिया। श्री बागड़ी ने बड़ी सरल, सटीक तरीके से तथा व्यक्तिगत अनुभवों का उदारण देकर सभागृह को मार्गदर्शित किया। परिवार, समाज तथा देश में आज अधिकार सभी को चाहिए मगर जिम्मेदारी कोई लेना नहीं चाहता। इस प्रश्न पर श्री बागड़ी ने कहा कि आज हमें आने वाली नयी पीढ़ी के सामने कुछ अच्छा काम करके आदर्श रखना जरुरी है। तभी हम उन्हें जिम्मेदारी से आगे बढ़ने के लिए सीख दे सकेंगे।

विचार गोष्ठी का हुआ आयोजन

जायस (उप्र)। पंकज माहेश्वरी स्मृति महाविद्यालय, नन्दग्राम, जायस (उ.प्र.) में राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय शिविर अंतर्गत ''पर्यावरण संरक्षण, कार्य व विचार'' विषय पर गोष्ठी का आयोजन हुआ।

''नारी शक्ति की उडान'' पर मंथन

इन्दौर। इन्दौर जिला माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा 12-13 मार्च को स्थानीय दस्तुर गार्डन में दो दिवसीय मंथन अंतर्गत ''नारी शक्ति की उडान'' FAIR & EXHIBITION आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य महिला उद्यमियों को प्रोत्साहित करना था। प्रथम दिवस मेले का उद्घाटन अतिथियों द्वारा किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रुप में मुख्य प्रायोजक एलेन केरियर इंस्टीट्युट कोटा के कपिल सर, सहप्रायोजक इक्वाटास बैंक से मोहित जाखेटिया, सीए मधु भूतडा, जिला अध्यक्ष राजेश मुंगड, प्रदेश अध्यक्ष -वीणा सोमानी आदि ने फेयर का शुभारंभ किया गया। संस्थाध्यक्ष सुमन सारड़ा ने बताया कि इस फेयर एण्ड एक्जीविशन में 100 से अधिक विभिन्न उत्पादों की स्टॉल थी। इसमें सीमा गगरानी, लता गट्टानी, रेखा पसारी, सुशीला लाठी, सीमा माहेश्वरी, मीरा बंग, अर्चना भलिका, प्रीति काबरा, चंद्रा मुंदडा व शीला काबरा का सहयोग सराहनीय रहा। संगठन की 50 से अधिक सदस्याओं ने दो माह तक लगातार मेहनत कर इसे साकार किया। संस्था सचिव नम्रता राठी ने बताया कि इस आयोजन में स्वागत समिति भी बनाई जिसमें गीता मुंदडा (पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षा), सुशीला काबरा (निवृत्तमान राष्ट्रीय अध्यक्षा), उर्मिला झंवर, पुष्पा आर. जाजू, आदि का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

जाजू दम्पत्ति की स्मृति में पुस्तक विमोचन

मुंबई। स्वर्गीय श्री हरनारायण जाजू व स्वर्गीय श्रीमती मनोरमा जाजू (एमके एंड सन चंदेरी साड़ी वालों के नाम से प्रख्यात) की 25वीं पुण्यतिथि पर उनकी पांच बेटियों चंद्र किरण दम्मानी, शशि दम्मानी, रवि किरण दम्मानी, मधु राठी एवं सुधा अग्रवाल ने ''फ्लैट नंबर 24 यादों की दास्तान'' शीर्षक से स्व-लिखित पुस्तक का विमोचन कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। नाना-नानी की सीख और संस्कार अपने बच्चों तक पहुंचाने के मूल उद्देश्य को लेकर यह किताब लिखी गई। विश्व की 195 देशों में ये पहली भारतीय बेटियां है, जिन्होंने अपने स्वर्गीय माता-पिता के लिए किताब लिखकर गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज किया है।

महिला मण्डल द्वारा सेमीनार का आयोजन

आलीराजपुर। माहेश्वरी महिला मंडल आलीराजपुर के तत्वावधान में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में स्वच्छता से स्वास्थ्य अभियान के तहत सेमिनार का आयोजन ग्राम दीपा की चौकी में आंगनवाड़ी की कार्यकर्ता उषा परिहार की उपस्थिति में किया गया इसमें डॉक्टर वर्षा सोलंकी ने आंगनवाड़ी की महिलाओं को स्त्री जनित रोगों के बारे में समझाया। महिला मंडल की अध्यक्ष प्रीति मंत्री, जिला अध्यक्ष शकुंतला कोठारी, जिला सचिव अनिता कोठारी, राम जानकी परवाल, पूजा थेपडिया आदि द्वारा महिलाओं को सैनिटरी पैड भी वितरित किए। डॉक्टर सोलंकी का महिला मंडल द्वारा सम्मान भी किया गया।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो अधिकारियों का स्वागत

बून्दी। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, (राजस्थान) के तत्वावधान में गत 15 मार्च को आयोजित 'जनसंवाद कार्यक्रम' के अंतर्गत प्रथम बार बून्दी आए अतिरिक्त महानिदेशक दिनेश एम.एन. सहित उप महानिरीक्षक सवाई सिंह गोदारा व कोटा एसीबी के पुलिस अधीक्षक आलोक श्रीवास्तव का माहेश्वरी समाज से जुड़े लोगों ने पुष्पगुच्छ एवं बून्दी शैली का स्मृति चिन्ह प्रदान कर स्वागत किया। बून्दी पुलिस प्रशासन के आग्रह पर 'जनसंवाद कार्यक्रम' में माहेश्वरी पंचायत संस्थान के पूर्व अध्यक्ष जगदीश जैथलिया, महेश क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसायटी के अध्यक्ष संजय लाठी, उपाध्यक्ष चतुर्भुज गुप्ता, सचिव नारायण मंडोवरा, निदेशक मनीष मंत्री, पूर्व पार्षद मनोज मंडोवरा सहित शहर के कई जनप्रतिनिधि, व्यापार संघ, सामाजिक संगठन, गैर सरकारी संस्थाओं के प्रतिनिधि व प्रबुद्धजन शामिल रहे।

स्वास्थ्य सबसे बड़ी दौलत है,
संतोष सबसे बड़ा खजाना है और
आत्म विश्वास सबसे बड़ा मित्र है।

आरती ब्लास्टर्स क्रिकेट लीग विजेता

विराटनगर (नेपाल)। माहेश्वरी युवा मंच द्वारा विराटनगर शंकरपुर खेल मैदान में 'डे एण्ड नाइट' रमपम कार्पोरेट क्रिकेट लीग 'सिसिएल' - 6 सफलता पूर्वक सम्पन्न हुई। इसमें आरती ब्लास्टर्स ने फाइनल मैच जीत कर खिताब अपने नाम किया। फाइनल खेल के मेन ऑफ़ दी मैच आरती ब्लास्टर्स के नीतीश कुमार को घोषित किया गया। एनबीएससी लायन सिसिएल उपविजेता रहीं। फाइनल मैच मे पाँच हजार से ज्यादा दर्शकों से मैदान खचाखच भरा था। उक्त जानकारी माहेश्वरी युवा संगठन अध्यक्ष जतिन राठी ने दी।

जागेटिया का किया स्वागत

सूरत। अड़ाजन घोड़ दौड़ रोड़ माहेश्वरी सभा द्वारा गत 15 मार्च को कार्यसमिति की बैठक में सभा के सहसचिव सुनील जागेटिया के श्री मेवाड़ माहेश्वरी युवा संगठन अध्यक्ष निर्वाचित होने पर उनका सभा संरक्षक ओमप्रकाश देवपुरा, अध्यक्ष रामसहाय सोनी, सचिव सुनील माहेश्वरी, उपाध्यक्ष नरेन्द्र राठी, कोषाध्यक्ष विष्णु बसेर, संगठन सचिव कृष्ण कान्त तापड़िया आदि द्वारा दुपट्टा औढ़ाकर एवं पुष्प गुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सभा सचिव सुनील माहेश्वरी ने भी सम्बोधित किया।

गौशाला में की गौ सेवा

मुजफ्फरपुर। माहेश्वरी सभा, महिला संगठन व युवा संगठन द्वारा गौशाला में गौ सेवा का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें गुड़ 20 किलो, 70 किलो चौकड व 50 किलो पालक परिवार के सदस्यों ने गौ माता को आपने हाथों से खिलाया। साथ ही घर से बना कर जो रोटी ले गये वह भी गौ माता को खिलाई। इस अवसर पर सभी परिवार के सदस्य मौजूद थे।

जागरूकता शिविर सम्पन्न

उज्जैन। पश्चिमी मध्यप्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन के अन्तर्गत उज्जैन माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा ग्राम विकास एवं राष्ट्रीय समिति के अंतर्गत ''स्वच्छता से स्वास्थ'' जागरुकता शिविर का आयोजन बच्चों और महिलाओं के साथ बापू नगर आगर रोड स्थित आंगनवाड़ी में किया गया। इसमें डॉ. सुधा साबू स्त्री रोग विशेषज्ञ एवं डॉ. वीणा झंवर शिशु रोग विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहीं। इसमें डॉ. साबू ने महिलाओं से संबंधित बीमारियों महावारी के समय कैसे स्वच्छता का ध्यान रखना है और कैंसर के बारे में भी महिलाओं को बताया। डॉक्टर वीना झंवर ने बच्चों के पालन पोषण में स्वच्छता का ध्यान रखना, उनका खानपान कैसा होना चाहिए, इस सब के बारे में जानकारी दी। कृष्णा जाजू एवं मंगला बांगड़ के सौजन्य से सेनेटरी पैड का वितरण किया गया। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर सशक्त महिला सम्मान के अंतर्गत नृत्य क्षेत्र में महारत हासिल करने वाली नागदा की अर्पिता राठी का सम्मान किया गया। इस अवसर पर पश्चिमी मध्य प्रदेश महिला संगठन की सचिव उषा सोडाणी, स्थानीय संगठन की अध्यक्षा हेमलता गाँधी, रेखा लड्ढा, शोभा मूंदडा, उषा भट्ड़, मनीषा राठी आदि उपस्थित थीं।

शहीद दिवस पर किया रक्तदान

शाजापुर। शहीद दिवस के उपलक्ष्य में माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा अध्यक्ष मिथिलेश माहेश्वरी के नेतृत्व में रक्तदान शिविर अंबेडकर भवन शाजापुर में आयोजित किया गया। इसमें समाज में बड़ी संख्या में महिलाएं एवं पुरुषों तथा कपल (जोड़ों) ने रक्तदान किया। उसके पश्चात रक्त दाताओं को प्रमाण पत्र (प्रशंसा पत्र) कलेक्टर दिनेश जैन द्वारा प्रदान किए गए।

दुनिया के लिये आप एक व्यक्ति है,
लेकिन परिवार के लिये आप पूरी दुनिया है।
कृपया आप अपना ख्याल रखें।

माहेश्वरी युवा मंच ने जीती मारवाड़ी प्रीमियर लीग ट्रॉफी

बिराटनगर (नेपाल)। माहेश्वरी युवा मन्च की टीम प्रिमियर XI ने अग्रवाल युवा मंच द्वारा आयोजित मारवाड़ी प्रिमियर लीग (MPL) के 9वे संस्करण में ओसवाल युवा मन्च की टीम हुलास XI को हरा कर ट्रॉफी को अपने नाम किया है। माहेश्वरी युवा मंच ने लगातार तीसरे वर्ष विजय प्राप्त कर हैट्रीक बनाई है। इसमें माहेश्वरी युवा मंच अध्यक्ष ने झारखंड बिहार माहेश्वरी सभा प्रदेश सह मीडिया प्रभारी राजकुमार लढ़ा को बताया कि माहेश्वरी युवा मंच की टीम से मैन ऑफ द मैच हरिश बाहेती, बेस्ट बेस्टमेन - अमित अटल, बेस्ट बालर- वेदान्त जाजू रहे।

गणगौर धमाल का आयोजन

जोधपुर। जिला माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा भव्य होली गणगौर धमाल का आयोजन माहेश्वरी जन उपयोगी भवन रातानाडा पर किया गया। जिला अध्यक्ष शिवकन्या धूत ने बताया कि इस कार्यक्रम में माहेश्वरी समाज के मंत्री नंदकिशोर शाह, उप मंत्री हरि गोपाल राठी, गोपाल बंग, विशेष अतिथि सुनीता पुंगलिया बसंती सोनी एवं संगीता सोनी उपस्थित थे। जिला सचिव उषा बंग ने बताया कि रुचि राठी, संतोष राठी, लता राठी, सुनीता जैसलमेरिया, लाल सागर एवं सुशीला बजाज की टीम द्वारा गणगौर नृत्य प्रस्तुत किए गए। साथ ही छाया राठी टीम द्वारा समृद्ध समाज समृद्ध परिवार लघु नाटिका का मंचन किया गया। कार्यक्रम का संचालन कंचन जाजू एवं प्रेरणा राठी द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष रामेश्वरी भुतडा, सचिव कमला मूंदड़ा, मनीषा मूंदड़ा, निर्वतमान अध्यक्ष प्रभा वैद्य, नीलम भूतड़ा, आशा फोफलिया, अरुणा तापड़िया, विमला गट्टानी, संगीता सोनी, संजू राठी, मधु मूंदड़ा आदि का सहयोग रहा।

चेहरा साफ, दिल में दाग, मुँह पर आप,
पीठ पीछे सांप, ये है दुनिया का रिवाज।

अमृत महोत्सव पर 75 लोकोपकारी परियोजनाएं

बैंगलुरू। आज़ादी के 75 वे वर्ष अमृत महोत्सव पर बेंगलुरु मैसूरु जिला माहेश्वरी सभा, माहेश्वरी सभा बेंगलुरु, व माहेश्वरी सभा मैसूरु ने संगठित तौर पर 75 लोकोपकारी सामाजिक परियोजनाएं संचालित करने का कार्यक्रम हाथ में लिया है। इसका गत 13 मार्च को माहेश्वरी भवन में शुभारंभ किया गया। इस कार्यक्रम में निर्मल तापड़िया, अध्यक्ष माहेश्वरी सभा बेंगलुरु ने सबका स्वागत किया। मुख्य अतिथि अमरचंद रांदड़ थे। इस अवसर पर दीपक साबू ने मानव चैरिटीज संस्था को उपकरण भेंट किये। लक्ष्मीनारायण डागा ने गुरुकुल विद्यापीठ स्कूल एवं छात्रावास को रसद सामग्री दी व चन्द्रमोहन सारडा ने एक जरूरतमंद परिवार को हॉस्पिटल बेड प्रदान किया। जिला माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष देवकीनंदन डागा ने भी सभा को सम्बोधित किया।

गौ सेवा कार्यक्रम का हुआ आयोजन

राँची। श्री माहेश्वरी सभा, माहेश्वरी महिला समिति एवं माहेश्वरी युवा संगठन राँची द्वारा कांके सुकुरहुट्टू स्थित गौशाला में गौ सेवा का आयोजन किया गया। गिरिजा शंकर पेड़ीवाल ने बताया कि गौ-सेवा के लिये हरी सब्जियां, गुड़, चोकर, हरा चारा आदि की व्यवस्था की गई थी। इसके अलावा तुला दान का भी कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें अपने वजन के बराबर गौ माता के लिए कोई भी खाद्य पदार्थ दान किया गया। झारखंड बिहार प्रदेश सभा के अध्यक्ष छित्तरमल धूत एवं सचिव महेश लखोटिया ने भी तुला दान में हिस्सा लिया। कई समाजजनों एवं श्री माहेश्वरी सभा की तरफ से अलग से गौशाला के लिए नगद राशि भी दी गई। इस अवसर पर गौशाला न्यास के सचिव प्रदीप राजगढ़िया, सह सचिव सुरेश जैन आदि ने सभा के अध्यक्ष शिव शंकर साबू एवं सचिव नरेंद्र लाखोटिया को गौशाला का सम्मान फलक देते हुए चुनरी औढ़ाकर किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से प्रदेश उपाध्यक्ष राजकुमार मारू, निवर्तमान प्रदेश युवा अध्यक्ष गिरिजा शंकर पेड़ीवाल, किशन साबू, सौरभ साबू, विजयश्री साबू, बंदना मारू, विमला फलोड सहित कई गणमान्यजन उपस्थित थे। इस कार्यक्रम के संयोजक मनमोहन मोहता थे।

पश्चिमी राजस्थान महिला संगठन का कार्यक्रम

जोधपुर। पश्चिमी राजस्थान प्रादेशिक महिला संगठन की ओर से आयोजित कार्यक्रम में अखिल भारतवर्षीय महिला संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्षा आशा माहेश्वरी कोटा ने उपस्थित होकर संगठन की महिलाओं को श्रृंखलाबद्ध संगठन की व संगठन की अन्य जानकारियों से अवगत कराया। विशिष्ट अतिथि चंद्रा बूब ने परिवार में संस्कार के महत्व के बारे में उद्बोधन दिया। प्रदेश अध्यक्ष रामेश्वरी भूतड़ा व सचिव कमला मूंदड़ा ने सभी सदस्याओं का स्वागत किया। कार्यक्रम में सभी सदस्याओं को अपनी विशिष्ट लेखन में अव्वल आने पर सम्मान पत्र से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का डॉ. सूरज माहेश्वरी ने संचालन किया। मनीषा मूंदड़ा को उत्कृष्ट कार्य हेतु सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में स्वाति मानधना, सुनीता हेड़ा, नीलम मूंदड़ा, स्नेहलता बूब, विमला जाजू, स्वाति जैसलमेरिया, सपना बजाज सुशीला बजाज आदि उपस्थित थीं। राजस्थानी गीत में काव्यपाठ तथा डांस प्रतियोगिता व जूम पर करवाये कार्यक्रम में सभी सहभागियों को आशा महेश्वरी द्वारा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। शांति लोहिया व पुष्पा सारडा का विशेष सहयोग रहा।

परिचय-पत्रक अवलोकन कार्यक्रम का हुआ आयोजन

भीलवाड़ा। मेवाड़ माहेश्वरी मंडल मुंबई के सहयोग से नागोरी गार्डन माहेश्वरी संपत्ति ट्रस्ट के भवन, भीलवाड़ा में गत 6 मार्च को युवक व युवतियों के बायोडाटा के आदान-प्रदान व अवलोकन का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ छितरमल सोनी, गजानन्द बजाज, रमेश राठी, सम्पत माहेश्वरी, श्रवण समदानी, श्याम सुंदर देवपुरा, राधेश्याम अजमेरा, ओम प्रकाश मालू, कैलाश सामरिया, शंकर सोनी, सत्यनारायण तोषनीवाल आदि द्वारा किया गया। संपत माहेश्वरी व श्रवण समदानी ने बताया कि पिछले पांच महीनों से बॉयोडाटा बैंक की स्थापना करके नियमित सेवा प्रदान की जा रही है। इस आयोजन में भीलवाडा जिले सहित उदयपुर, चित्तोड़, अजमेर, अहमदाबाद, दिल्ली आदि से प्रत्याशी व उनके अभिभावक परिचयपत्र अवलोकन कर लाभान्वित हुए। कार्यक्रम का संचालन रमेश राठी ने किया।

आईएमए में अपूर्व आमंत्रित

उदयपुर। समाज के वरिष्ठ रामनारायण समदानी के सुपौत्र एवं अजय-पूजा समदानी के सुपुत्र अपूर्व माहेश्वरी को अमेरिका के इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एकाउंटेंट्स (आई. एम.ए.) की तरफ से 'जिमी स्मिथ स्टूडेंट लीडरशिप एक्सपिरिएंस' के लिए भारत से चुना गया है। इसके लिए उन्हें यह इंस्टिट्यूट स्पॉन्सर करके अमेरिका आने का आमंत्रण देगा। यह अमेरिकी इंस्टिट्यूट दुनिया भर में सर्टीफाइड मैनेजमेंट अकाउंटेंट (सी. एम. ए) नामक कोर्स प्रदान करता है जो अपूर्व ने भी किया है। इस प्रोग्राम के लिए यह इंस्टीट्यूट दुनियाभर से 5 छात्रों का चयन करता है। इस वर्ष भारत से अपूर्व माहेश्वरी का चयन किया गया है।

प्रपोत्रियों के जन्म पर स्वर्ण सीढ़ी आरोहण

पुणे। प्रायः हमारे समाज में ऐसी प्रथा है कि परिवार में तीसरी पीढ़ी में जब परपोता जन्म लेता है तो परदादा-परदादी को स्वर्ण सीढी चढ़ायी जाती है। लेकिन अनुकरणीय पहल के अंतर्गत हाल ही में पुणे के किशोरीलाल, संपतलाल, राजेश राठी ने अपनी पोतियों नेहा, रिहा के जन्मोत्सव की खुशी में अपनी माताजी श्रीमती कमलादेवी गुलाबचंद राठी का स्वर्ण सीढी आरोहण उत्सव गणमान्य मेहमानों को आमंत्रित कर बहुत ही धूमधाम से मनाया। इसके द्वारा उन्होंने समाज को यह संदेश दिया कि बेटा हो या बेटी कोई फर्क नही हैं। अतः बेटियों पर भी गर्व करना चाहिए। जो स्थान बेटों का है, उतना ही ऊंचा स्थान बेटियों का है। उक्त जानकारी गोविंद मुंदडा ने दी।

भारतीय संस्कृति का गौरव पर्व हमारा नववर्ष विक्रम संवत् 2079 आगामी चैत्र प्रतिपदा से प्रारम्भ होने जा रहा है। यह पर्व सूर्य व चंद्र के प्रभाव से सम्बद्ध होने से अत्यंत महत्वपूर्ण है। तो आईये हम पर्व के रूप में करें अपने गौरवशाली नववर्ष का स्वागत।

सुस्वागतम् विक्रम संवत् २०७९

चैत्र मास की शुक्ल प्रतिपदा को ही गुड़ी पड़वा कहते हैं। इस दिन से हिंदू नववर्ष का आरंभ होता है। इस बार यह पर्व 02 अप्रैल 2022 को है। गुड़ी का अर्थ है विजय पताका। कहा जाता है कि इसी दिन ब्रह्माजी ने सृष्टि का निर्माण किया था। इसी दिन से नया संवत्सर भी शुरू होता है। अतः इस तिथि को 'नवसंवत्सर' भी कहते हैं। इसी दिन से चैत्र नवरात्रि का आरंभ भी होता है। चैत्र ही एक ऐसा महीना है, जिसमें वृक्ष तथा लताएं फलते-फूलते हैं। शुक्ल प्रतिपदा का दिन चंद्रमा की कला का प्रथम दिवस माना जाता है। जीवन की मुख्य आधार वनस्पतियों को सोमरस चंद्रमा ही प्रदान करता है। अतः इसे औषधियों व वनस्पतियों का राजा भी कहा गया है और इसीलिए इस दिन को वर्षारंभ माना जाता है।

ईसवी से भी 57 वर्ष पूर्व शुरूआत

विक्रम संवत की शुरुआत 57 ईसवी पूर्व में हुई थी। सम्राट विक्रमादित्य द्वारा शकों पर विजय प्राप्त करने की स्मृति में इस दिन आनंदोत्सव मनाया जाता था। सम्राट विक्रमादित्य ने इस संवत्सर की शुरुवात की थी, इसीलिए उनके नाम से ही इस संवत का नामकरण हुआ है। इस नववर्ष के स्वागत उत्सव को भारत के विभिन्न प्रांतों में अलग-अलग नामों से मनाया जाता है-जैसे कि महाराष्ट्र में 'गुड़ी पड़वा', जम्मू-कश्मीर में 'नवरेह', सिंधियों में 'चेटीचंद', केरल में 'विशु', असम में 'रोंगली बिहू', आंध्र, तेलंगाना तथा कर्नाटक में 'उगादी' और मणिपुर में 'साजिबू नोंग्मा पन्बा चैराओबा'। वर्तमान में उत्तर भारत में भी गुड़ी पड़वा पर्व मनाया जा रहा है।

परम्पराओं में ऐसे आयोजन

गुड़ी पड़वा को हिंदू नववर्ष की शुरुआत माना जाता है, यही कारण है कि हिंदू धर्म के सभी लोग इसे अलग-अलग तरह से पर्व के रूप में मनाते हैं। सामान्य तौर पर इस दिन हिंदू परिवारों में गुड़ी का पूजन कर इसे घर के द्वार पर लगाया जाता है और घर के दरवाजों पर आम के पत्तों से बना बंदनवार सजाया जाता है। ऐसा माना जाता है कि यह बंदनवार घर में सुख-समृद्धि और खुशियां लाता है। गुड़ी पड़वा के दिन खास तौर से हिंदू परिवारों में पूरनपोली नामक मीठा व्यंजन बनाने की परंपरा है, जिसे घी और शक्कर के साथ खाया जाता है। मराठी परिवारों में इस दिन खास तौर से श्रीखंड बनाया जाता है और अन्य व्यंजनों व पूरी के साथ परोसा जाता है। आंध्र में इस दिन प्रत्येक घर में पच्चड़ी प्रसाद बनाकर बांटा जाता है। गुड़ी पड़वा के दिन नीम की पत्तियां खाने का भी विधान है। इस दिन सुबह जल्दी उठकर नीम की कोपलें खाकर गुड़ खाया जाता है। इसे कड़वाहट को मिठास में बदलने का प्रतीक माना जाता है।

ऐसे करें नववर्ष का अभिनंदन

संवत्सर-चक्र के अनुसार सूर्य इस ऋतु में अपने राशि-चक्र की प्रथम राशि मेष में प्रवेश करता है। इस समय के दौरान जलवायु और सौर प्रभावों का एक महत्वपूर्ण संगम होता है। चैत्र नवरात्रि के दौरान उपवास करके शरीर को आगामी ग्रीष्म ऋतु के लिए तैयार किया जाता है। इस समय हमारे शरीर में नए रक्त का निर्माण और संचार होता है। नवसंवत्सर के दिन नीम की कोमल पत्तियों और ऋतु काल के पुष्पों का मिश्रण बनाकर उसमें काली मिर्च, नमक, हींग, मिश्री, जीरा और अजवाइन मिलाकर खाने से रक्त विकार, चर्मरोग आदि शारीरिक व्याधियां होने की आशंका नहीं रहती हैं तथा वर्षभर हम स्वस्थ और रोग मुक्त रह सकते हैं। नया संवत्सर प्रारंभ होने पर भगवान की पूजा करके प्रार्थना करनी चाहिए। "हे भगवान! आपकी कृपा से मेरा वर्ष कल्याणमय हो, सभी विघ्न बाधाएं नष्ट हों"। दुर्गाजी की पूजा के साथ नूतन संवत की पूजा करें। घर को वंदनवार से सजाकर पूजा का मंगल कार्य करें। कलश स्थापना और नए मिट्टी के बरतन में जौ बोएं और अपने घर में पूजा स्थल में रखें।

यह भी है महत्व

- गुड़ी पड़वा का पर्व चैत्र मास की शुक्ल प्रतिपदा को मनाया जाता है। इसे वर्ष प्रतिपदा या उगादि भी कहा जाता है। ऐसा माना जाता है कि गुड़ी पड़वा यानि वर्ष प्रतिपदा के दिन ही ब्रह्माजी ने संसार का निर्माण किया था। इसलिए इस दिन को नवसंवत्सर यानि नए साल के रूप में मनाया जाता है।

- हिंदू पंचांङ्ग का आरंभ भी गुड़ी पड़वा से ही होता है। कहा जाता है कि महान गणितज्ञ-भास्कराचार्य द्वारा इसी दिन से सूर्योदय से सूर्यास्त तक दिन, मास और वर्ष की गणना कर पंचांङ्ग की रचना की गई थी।
- गुड़ी पड़वा शब्द में गुड़ी का अर्थ होता है विजय पताका और पड़वा प्रतिपदा को कहा जाता है। गुड़ी पड़वा को लेकर यह मान्यता है, कि इस दिन भगवान श्रीराम ने दक्षिण के लोगों को बाली के अत्याचार और शासन से मुक्त किया था, जिसकी खुशी के रूप में हर घर में गुड़ी अर्थात विजय पताका फहराई गई। आज भी यह परंपरा महाराष्ट्र और कुछ अन्य स्थानों पर प्रचलित है, जहां हर घर में गुड़ी पड़वा के दिन गुड़ी फहराई जाती है।
- इस दिन से संवत्सर का पूजन, नवरात्र घटस्थापन, ध्वजारोपण, वर्षेश का फल पाठ आदि विधि-विधान किए जाते हैं। चैत्र शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा वसंत ऋतु में आती है। इसमें संपूर्ण सृष्टि में सुंदर छटा बिखर जाती है। सूर्य, चंद्रमा की गति के अनुसार ही तिथियां भी उदय होती हैं।
- मान्यता है कि इस दिन दुर्गाजी के आदेश पर ब्रह्माजी ने सृष्टि की रचना की थी। इस दिन दुर्गा जी के मंगलसूचक घट की स्थापना की जाती है।
- कहा जाता है कि चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के दिन भगवान विष्णु ने मत्स्य रूप में अवतार लिया था।
- सूर्य में अग्नि और तेज हैं और चंद्रमा में शीतलता, शांति और समृद्धि का प्रतीक सूर्य और चंद्रमा के आधार पर ही सायन गणना की उत्पत्ति हुई है।
- स्वास्थ्य को अच्छा रखने के लिए नीम की कोपलों के साथ मिश्री खाने का भी विधान है। इससे रक्त से संबंधित बीमारी से मुक्ति मिलती है।
- एक प्राचीन मान्यता है कि आज के दिन ही भगवान श्रीराम जानकी माता को लेकर अयोध्या लौटे थे। इस दिन पूरी अयोध्या में भगवान के स्वागत में विजय पताका के रूप में ध्वज लगाए गए थे। इसे ब्रह्म ध्वज भी कहा गया।
- एक अन्य मान्यता है श्री विष्णु ने वर्ष प्रतिपदा के दिन ही प्रथम जीव अवतार (मत्स्यावतार) लिया था।
- यह भी मान्यता है कि शालीवाहन ने शकों पर विजय आज के ही दिन प्राप्त की थी इसलिए शक संवत्सर प्रारंभ हुआ।
- मराठी भाषियों की एक मान्यता यह भी है कि मराठा साम्राज्य के अधिपति छत्रपति शिवाजी महाराज ने वर्ष प्रतिपदा के दिन ही हिंदू पदशाही का भगवा विजय ध्वज लगाकर हिंदवी साम्राज्य की नींव रखी।

खरी-खरी

इन्हें लाचार कर पायी नहीं
कोई असरदारी

नहीं है भाट, जो
गाते रहेंगे राग दरबारी

बखाना है अगर सद्गुण
तो दुर्गुण भी बताते हैं

कलम की कूचियों से
जो किया करते कलमकारी

© राजेन्द्र गट्टानी, भोपाल
94250-16939, 87702-21707

CYBER SECURITY
Net Protector
NP AV
Total Security
Ransom ware Shield
PC, Laptop
Tablet, Mobile
सुरक्षा
80.550.67.012
92.72.70.70.50
Z SECURITY

भारतीय नववर्ष विक्रम संवत् 2079 का आरम्भ हो चुका है। इसके साथ ही ''नव संवत्'' में ग्रहों का मंत्री मंडल में तो परिवर्तन हुआ ही है, लेकिन इस वर्ष खास रूप से प्रथम माह में ही कई बड़े ग्रह भी अपना राशि परिवर्तन कर रहे हैं। ऐसे में इन सभी का जनमानस पर प्रत्यक्ष प्रभाव महसूस होगा। तो आईये जानें इनका क्या होगा प्रभाव?

डॉ. महेश शर्मा, जयपुर
94143-70518

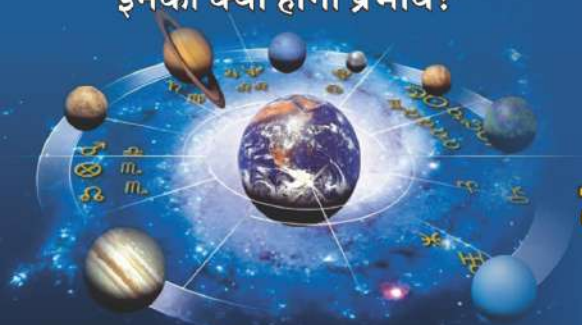

संवत 2079 में ग्रहों का मंत्री मण्डल, ग्रह राशि परिवर्तन एवं जनमानस पर प्रभाव

संवत 2079 का आगाज चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से होगा। इसी दिन चैत्र नवरात्रा का प्रारंभ होगा। नल नामक इस संवत्सर में सौर मण्डलीय मंत्री मण्डल के राजा शनिदेव एवं मंत्री देवगुरु बृहस्पति रहेंगे। नववर्ष में मंत्री पद के कुल 10 पदों में से 5 विभाग पाप ग्रहों के पास तथा पांच विभाग शुभ ग्रहों के पास हैं। इस वर्ष का सौर मण्डलीय मंत्री मंडल इस प्रकार है- राजा-शनिदेव, प्रधानमंत्री देवगुरू बृहस्पति, सेनापति (रक्षा विभाग) बुध सस्येश, (ग्रीष्म कालीन फसलों के स्वामी) शनिदेव, धान्येश (शीतकालीन फसलों के स्वामी)- शुक्र हैं। मेघेष (वर्षाकाल के स्वामी)- बुध, रसेश (रसदार उत्पादन)- चंद्र, नीरसेश (धातुओं के स्वामी)- शनिदेव हैं व वित्त विभाग भी शनिदेव के पास होगा। फलनायक (फल फूल के स्वामी) मंगल होंगे। इस वर्ष रोहिणी का निवास सागर में और संवत्सर का निवास माली के घर है।

कैसा रहेगा नववर्ष

नवसंवत्सर एवं उक्त सौर मण्डलीय विभाग वितरण के फलस्वरूप अन्न जल विभाग के अधिकारी क्रोध में रहेंगे, चोरों का भय होगा। चैत्र में रोग पीड़ा, प्रचण्ड वायु, लू रहेगी। वैशाख माह में अन्न संग्रह के योग हैं परंतु उपद्रव बढ़ेंगे। ज्येष्ठ में राज विग्रह, आपस में विरोध, आषाढ़ में अल्पवृष्टि, धान्य में तेजी, भाद्रपद में खण्डवृष्टि, धान्य में तेजी रहेगी। आषाढ़ में अन्न संग्रह करें व आश्विन में बेचें। भाद्रपद में खण्डवृष्टि, तेजी, कार्तिक सामान्य, अगहन-पौष माह में बीमारी, भाव-ताव साधारण, फाल्गुन में रोग, उपद्रव, चोर भय बनेगा। उत्तर में तेजी, दुष्काल, भय और पूर्व में सुकाल रहने के योग हैं। नववर्ष प्रवेश मिथुन लग्न में होगा जो द्विस्वभाव, वायु तत्व राशि है। वर्ष लग्न का स्वामी बुध दशम भाव में विराजमान है। इस वर्ष आर्थिक संपदा, मुद्राकोष, बैंक आदि में नवीन नीति सूत्रों का निर्धारण होगा। आर्थिक क्षेत्र में गिरावट के संकेत हैं। देश-विदेश के राष्ट्र नायक सीमा संभाग सुरक्षा की दृष्टि से परस्पर विरोधाभास से ग्रसित रहेंगे। रक्षा पर व्यय प्रभार बढ़ेगा।

वर्षांतर्गत ग्रह राशि परिवर्तन

नववर्ष के प्रारंभ होते ही अप्रैल माह में सभी 9 ग्रह गोचर भ्रमणवश, निम्नानुसार राशि परिवर्तित करेंगे। सूर्य देव 14 अप्रैल को अपनी उच्च राशि मेष में, मंगल 07 अप्रैल को कुंभ राशि में, बुध 8 अप्रैल को मेष राशि, देवगुरू बृहस्पति 13 अप्रैल को मीन राशि में प्रवेश करेंगे। राहु एवं केतु 12 अप्रैल को क्रमशः मेष व तुला राशि में प्रवेश करेंगे। वहीं न्यायाधीश सूर्य पुत्र शनिदेव भी इसी माह 29 अप्रैल 2022 को कुंभ राशि में प्रवेश कर जायेंगे, परंतु 12 जुलाई को वक्री होकर पुनः मकर राशि में जायेंगे। 17 जनवरी 2023 को पुनः कुंभ राशि में भ्रमण होगा। कुंभ राशि में गतिशील शनि के प्रभाव से तुला एवं मिथुन राशि के जातक शनि की ढैया से मुक्त होंगे। कर्क एवं वृश्चिक राशि पर ढ़ैय्या प्रारंभ होगी। वहीं धनु राशि से शनि की साढ़े साती उतर जायेगी। मीन राशि पर शनि की साढ़े साती प्रारंभ होगी तथा मकर एवं कुंभ राशि पर साढ़े साती यथावत रहेगी। ग्रहों का राशि परिवर्तन मानव जीवन को प्रभावित करता है, शुभ अथवा अशुभ फलों की प्राप्ति से प्रायः सभी राशियां प्रभावित होती हैं। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार गोचर फलित का प्रभाव जन्मकुंडली में स्थित ग्रहों एवं दशान्तर्दशा के अधीन होता है।

ग्रहों का राशियों पर प्रभाव

⏭ मेष- मेष राशि को द्वादश गुरु पूज्य होगा। आर्थिक पक्ष की मजबूती एवं व्यावसायिक सफलता के लिए प्रयत्नशील रहना पड़ेगा। सामाजिक, मानसिक, पारिवारिक शांति बनी रहेगी। कुंभ राशि में ग्यारहवां शनि आमदनी के स्त्रोत बढ़ायेगा। परंतु मेष का राहु अशांति देगा लेकिन धन धान्य की वृद्धि, संतान के लिए शुभ रहेगा। सप्तम स्थान का केतु मान सम्मान में वृद्धि करेगा। अचानक धन धान्य की वृद्धि करेगा। ''ऊँ नमो भगवते वासुदेवाय'' मंत्र का जप करें, शिवलिंग पर जल चढ़ायें।

⏭ वृष- वृष में गुरु के एकादश (लाभ) स्थान पर भ्रमण करने से आर्थिक पक्ष की मजबूती होगी। गुरु शुभ फलदायक होगा। व्यावसायिक सफलता के लिए मजबूत रहना पड़ेगा। स्वास्थ्य के प्रति सावधान रहें, मानसिक तनाव रहेगा। राजकीय सहयोग एवं आर्थिक लाभ होगा। जन्म कुंडली में शनि की स्थिति शुभ होगी तो दशमस्थ शनि राजयोग कारक बनेगा। पिता को सम्मान मिलेगा। आपकी राशि से बारहवाँ राहु घर से दूर स्थानांतरण के योग बनायेगा। कार्य अधिकता के कारण व्यस्तता बढ़ेगी। छटे स्थान का केतु शत्रुओं से भय, नेत्र पीड़ा, खर्च की अधिकता, कार्य संपादन में बाधा उत्पन्न करता है। केतु मंत्र के जप करें, शिवजी को जल अर्पित करें। कुलदेवी की पूजा करें।

⏭ मिथुन- दशमस्थ गुरू पूज्य होता है। आर्थिक व्यावसायिक क्षेत्र में मजबूती बढ़ेगी। राज्य पक्ष से सफलता, धन लाभ के योग बनेंगे। स्वास्थ्य

के प्रति सतर्क रहें। वाणी पर संयम रखें। नवम (भाग्य) भाव में शनि का विचरण शुभ कारक रहेगा। भाग्योन्नति के साथ उत्थान के मार्ग प्रशस्त होंगे। एकादश (लाभ) स्थान का राहु भी शुभ फल प्रदान करेगा। दान-पुण्य में रूचि बढ़ेगी। मित्रों से कष्ट, संतान के लिए कष्टप्रद हैं। पंचम स्थान का केतु संतान के लिए कष्टकारी व भाग्योदय में बाधक बनेगा। लग्न कुंडली में बुध की स्थिति ठीक हो, केंद्र में स्थित हो, उच्च गत स्वराशिस्थ हो तो पन्ना धारण करें। गणेशजी को हरी दूब चढ़ायें, संकट नाशन गणेश स्त्रोत के पाठ प्रतिदिन करें।

⏭ कर्क- भाग्य स्थान पर गुरु का विचरण शुभ है, व्यावसायिक सफलता के लिए प्रयत्नशील रहें। सामाजिक स्थिति में अनुकूलता आयेगी। शनि की ढैया प्रारंभ होगी। अतः स्वास्थ्य के प्रति सावधान रहें। मानसिक तनाव बढ़ेगा। आपकी राशि पर राहु केतु का भ्रमण लाभकारी है। शनि की वस्तुओं का दान करें, शनिवार का व्रत करें। दशरथकृत शनि स्त्रोत का पाठ लाभकारी बनेगा।

⏭ सिंह- अष्टम स्थान का गुरू प्रतिकूल प्रभाव में होगा। अधिक श्रम के फलस्वरूप भी उचित लाभ नहीं मिलेगा। सामाजिक कार्यों में अवरोध उत्पन्न होगा, संतान कष्ट, धनोपार्जन में बाधक होगा। सप्तमस्थ शनि हालांकि अनुकूल हैं, साझेदारी में बाधक होगा। सप्तमस्थ शनि हालांकि अनुकूल है, साझेदारी में बाधक रहेगा। पति-पत्नी के स्वास्थ्य में अचानक कमजोरी हो सकती है। नवम भाव में राहु के विचरण से अचानक भाग्योदय, लाभ एवं राज्य मित्रों से सहयोग के योग बनेगे। तृतीय भाव का केतु भी भाग्यवृद्धि, शत्रुओं पर विजय एवं मित्रों से लाभ कराता हैं। गुरु से संबंधित वस्तुओं का दान करें। गोपाल सहस्त्रनाम के पाठ करें।

⏭ कन्या- सप्तम गुरु, षष्ठम शनि श्रेष्ठ रहेंगे, वाणी पर संयम बरतें, स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें, धन लाभ रहेगा। व्यर्थ के खर्चों से बचें। आर्थिक-सामाजिक कार्यों में सुधार होगा। रचनात्मक कार्यों में धन का व्यय होगा। अष्टम भाव का राहु यदाकदा दीर्घकालीन रोग दे सकता है। दूसरे स्थान का केतु अचानक धन वृद्धि एवं नेत्र पीड़ा दे सकता है। शिवजी की पूजा करें, शिव चालीसा के पाठ करें।

⏭ तुला - छठा गुरु मिश्रित प्रभाव देगा, अधिक श्रम करने से ही सफलता मिलेगी। व्यवसाय में भाग्य एवं कर्म के प्रारब्ध का सहयोग मिलेगा। आर्थिक लाभ, पद प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पंचम शनि शुभ है, संतान पक्ष को लाभकारी होगा। सप्तम स्थान पर भ्रमणशील राहु अचानक व्यापार में वृद्धि, राज्य व मित्रों से लाभ करायेगा, मानसिक अशांति देगा। प्रथम भाव का केतु मान-प्रतिष्ठा, धन धान्य की वृद्धि, संतान को लाभकारी है। राम रक्षा स्त्रोत के पाठ निरंतर करें।

⏭ वृश्चिक- पंचम गुरु शुभ है, संतान के लिए विशेष लाभकारी बनेगा। महत्वाकांक्षी योजनाओं में लाभकारी। आर्थिक सामाजिक कार्यों में सुधार होगा। चांदी के पाये से प्रारंभ हो रही शनि की ढैय्या शुभ एवं लाभकारी होगी। वृश्चिक राशि वालों के लिए दीर्घकालीन रोग वृद्धि करता है। नेत्रपीड़ा देता है, धन हानि, मानहानि एवं आय में कमी कर सकता है। द्वादश स्थान पर गतिशील केतु भी खर्च ज्यादा करायेगा, सुख की हानि, निवास स्थान से दूर प्रवास कराता है। शिवजी की आराधना भक्ति लाभकारी है। देवी के नवार्ण मंत्र का जप करें, कुलदेवी की पूजा करें।

⏭ धनु- चतुर्थ गुरू अशुभ है। श्रम अधिक करना होगा। शारीरिक, मानसिक तनाव, पारिवारिक सुख-शांति में कमी रहेगी। सत्कर्मों में रूचि बढ़ेगी। नवीन कार्य व्यवसाय के लिए आकर्षण बढ़ेगा। तृतीयस्थ शनि मनोबल में कमी ला सकता है। पंचम राहु प्रतिष्ठा व वैभव में वृद्धि करता है। शेयर दलाली आदि कार्यों से लाभ के संकेत हैं। भाग्य लाभ में वृद्धि के संकेत हैं। लाभ भाव का केतु धन वैभव की वृद्धि करता है। जन्म कुंडली में गुरु प्रतिकूल हो तो गुरु से संबंधित दान पुण्य अवश्य करें, गोपाल सहस्त्रनाम के पाठ नित्य प्रति करना लाभकारी होगा।

⏭ मकर- तीसरा गुरू पूज्यनीय है। व्यापारिक सफलता के लिए प्रयत्नशील रहना होगा। मानसिक तनाव रहेगा, स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें, नियमित जांच आदि करायें। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। तांबे के पाये से शनि की साढ़े साती का अंतिम चरण प्रारंभ होगा। जो शुभ रहेगा। परंतु चतुर्थ भाव का राहु अशुभ है। धन वैभव की हानि, दलाली व शेयर व्यापार से हानि होती है। पारिवारिक सुख शांति में बाधा हो सकती है, कृषि व्यापार में रूकावट के साथ धन प्राप्ति के योग बनेंगे। दशम केतु पूज्य होता है। वायु विकार, उदर विकार के कारण स्वास्थ्य बाधित रहेगा। केतु मंत्र के जप करें। रामरक्षास्त्रोत के पाठ करें।

⏭ कुंभ- आपकी राशि से दूसरे स्थान का गुरु शुभ होकर व्यापारिक क्षेत्र में लाभकारी होगा। स्वास्थ्य के प्रति सावधानी बरतें, वाणी पर संयम रखें, व्यर्थ वार्तालाप से बचें। अच्छे कार्य व्यवसाय में धन खर्च होगा, शनि साढ़ेसाती चांदी के पाये से हृदय पर गतिशील रहेगी। जो शुभकारक ही होगी। तीसरा राहु शुभफलदायक होता है। शत्रुओं पर विजय, मित्रों से लाभ दिलाता है। अचानक भाग्योदय एवं धनदायक बनता है। नवम भाव में भ्रमणशील केतु अचानक भाग्योदय कराने में सक्षम है। संतान के लिए लाभकारी है। राम रक्षा स्त्रोत के पाठ नित्य प्रति करें। शनि संबंधी उपाय भी करते रहें।

⏭ मीन- मीन राशि वालों के लिए कुंभ का गुरू अशुभ कारक बनेगा। कड़ी मेहनत के बाद भी जल्दी से सफलता हासिल नहीं होगी। कार्यावरोध बना रहेगा। शनि साढ़ेसाती का प्रारंभ स्वर्ण पाद से मस्तक पर होगा जो स्त्री परिवार के लिए कष्टकारक है। पुत्र से विरोधाभास, राज्यपक्ष से भय, व्यापार में नुकसान, मानसिक व शारीरिक व्याधि से परेशानी हो सकती है। द्वितीयस्थ राहु एवं अष्टमस्थ केतु भी परेशानियों का कारण बनेंगे। परंतु जन्म कुंडली में गुरु-शनि-राहु-केतु ग्रहों की उत्तम स्थिति होने पर अशुभ गोचरीय ग्रहों में कमी आयेगी। शनि-गुरु ग्रहों के उपाय करें। गजेंद्र मोक्ष के नित्य प्रति पाठ करें।

मोदानी बने श्री माहेश्वरी टाईम्स प्रतिनिधि

श्री माहेश्वरी टाईम्स (मासिक) द्वारा डेगाना, जिला नागौर (राजस्थान) के **श्री नंदकिशोर मोदानी** को अपना **''प्रतिनिधि''** नियुक्त किया गया है। श्री मोदानी श्री माहेश्वरी टाईम्स की सदस्यता, न्यूज तथा विज्ञापन संग्रहण आदि उत्तरदायित्व सम्भालेंगे। उक्त संबंध में श्री मोदानी से **मो. 75974-81960** पर सम्पर्क किया जा सकता है।

- सम्पादक

बीसवीं सदी के माता-पिता अपने बच्चों के भावी भविष्य के लिए धन संचय करते हैं। इसके लिए माता-पिता अपनी जरूरतों में कटौती भी करते हैं। अपने बच्चों को पढ़ा-लिखाकर अपने पैरों पर खड़ा होने के काबिल बनाने के पश्चात भी उनके लिए पाई-पाई जमा करते रहते हैं। इसके लिए उन्हें अपनी इच्छाओं को मारना भी स्वीकार होता है। जबकि इक्कीसवीं सदी की युवा पीढ़ी की सोच अलग है। वह सिर्फ खुद के लिए जीना चाहती है। वर्तमान का आनंद लेना चाहती है। भविष्य के लिए धन-संचय में उनकी रुचि ना के बराबर होती है। बच्चों को पढ़ा-लिखाकर काबिल बनाना उनका भी मकसद है, पर बच्चों के लिए पूंजी जमा करना उनकी सोच में नहीं होता। ऐसे में विचारणीय हो गया है कि भावी पीढ़ी के लिए धन-संचय करना कितना उचित है अथवा अनुचित? बीसवीं और इक्कीसवीं सदी के माता-पिता की क्रमशः धन संचय व उपभोग वाली सोच के अंतर पर गहन चिंतन कर इस विषय पर अपने विचार अवश्य प्रेषित करें। आपके विचार आने वाली पीढ़ी ही नहीं बल्कि वर्तमान पीढ़ी को भी मार्गदर्शित करेंगे। आइये जानें इस स्तम्भ की प्रभारी सुमिता मूंदड़ा से उनके तथा समाज के प्रबुद्धजनों के विचार।

भावी पीढ़ी के लिए धन-संचय करना उचित अथवा अनुचित?

संतान को काबिल बनाना ज्यादा जरूरी

हम अपने बच्चों को पढ़ा-लिखा कर काबिल बनाने के लिए अनेकानेक समझौते करते हैं। बच्चों के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए अपने शौक और अपनी इच्छाओं को भी भूल जाते हैं। इतना ही नहीं बच्चों के लिए धन-संचय करने के लिए भी जी-तोड़ कोशिश करते हैं अर्थात अपना वर्तमान ही नहीं अपना भविष्य भी अपने बच्चों के भविष्य के ऊपर न्यौछावर कर देते हैं। अपने बुढ़ापे और विकट परिस्थितियों के लिए धन संचय करना उचित है पर बच्चों को जिम्मेदार बनाने के पश्चात भी भावी पुश्तों के लिए स्वयं की इच्छाओं का दमन करते ही रहना सर्वथा अनुचित है। शायद यही वजह है कि आज अधिकांश युवा माता-पिता की जिम्मेदारी उठाने से कतराते हैं, सिर्फ अपनी मौज-मस्ती और आनंद में अपनी सारी कमाई उड़ाते हैं और जब कोई अनचाहा खर्च आ जाये तो माता-पिता की जमा-पूंजी पर अपना अधिकार जताते हैं। इतना ही नहीं अधिकांश युवा तो अपने भविष्य के बड़े खर्चों को भी माता-पिता के मत्थे मढ़ने की जुगत लगाते रहते हैं। माता-पिता भी बच्चों की खुशियों के लिए जीवनभर पीसने को तैयार रहते हैं जो उनकी सबसे बड़ी भूल है। अपनी आधी उमर तो परिवार के ऊपर न्यौछावर कर दी है, अब बच्चों को काबिल बनाने के पश्चात माता-पिता को अपने निजी जीवन को सजाना, संवारना और निखारना चाहिए। अपनी इच्छाओं को पूरा करते हुए आनंदमय जीवन जीना चाहिए। बच्चों को आय के अनुसार धन-संचय और व्यय पर नियंत्रण करना सिखाना चाहिए। यह भी आत्मनिर्भरता का एक महत्वपूर्ण पाठ है।

❐ **सुमिता मूंधड़ा**, मालेगांव (नाशिक)

सिर्फ पीढ़ियों के लिए धन संचय अनुचित

हमारी संस्कृति में धन का संचय करने की परंपरा रही है। इसके पीछे हमारे बुजुर्गों के तर्क भी सही हैं कि मुसीबतें कभी बताकर नहीं आती हैं। इसलिए भविष्य की सुरक्षा के लिए धन का संचय हमेशा से उचित ही माना गया है। हमारी धन का संचय करने की प्रवृत्ति के कारण कोरोना महामारी में जहां विश्व के सारे देश अर्थव्यवस्था के बुरे दौर से गुजर रहे थे, उस समय हमारा देश इसी संचय करने की प्रवृत्ति के कारण जल्दी उबर गया। जब विश्व में आर्थिक मंदी छाई हुई थी तब भी हमारे देश को कोई खास नुकसान नहीं हुआ था। आराम से गुजर बसर होने के बाद बचे धन का संचय ही उचित है। अपव्ययता समाज में अराजकता ला देती है। धन का अनर्गल अपव्यय समाज में संतुलन बिगाड़ कर भावी पीढ़ियों का भविष्य अंधकार में धकेल देता है। धन का संचय हमेशा पीढ़ियों के लिए करें, यह जरूरी नहीं है। समाज के उत्थान, जरूरतमंदों की मदद व दान पुण्य के लिए धन का संचय करके हम हमारी पीढ़ियों को धन का उचित उपयोग व संस्कार भी दे सकते हैं। हमारी आज की युवा पीढ़ी सिर्फ वर्तमान में जीने में विश्वास के चलते 'खाओ, पियो और मौज करो' वाली जीवन शैली पर चल रही है। वर्तमान में जीना सही है लेकिन भविष्य का कुछ पता नहीं होता तो धन का संचय करना जरूरी है। लेकिन मितव्ययिता में जीवन यापन करके सिर्फ आने वाली पीढ़ियों के लिए धन का संचय करना भी गलत है। अगर हम अपनी पीढ़ियों को कुशल व काबिल बनाएंगे तो उनको इस संचित धन की कोई जरूरत नहीं रहेगी। अगर वो अपव्ययी व लक्ष्मी का अनादर करने वाले होंगे तो उनके लिए कितना भी धन संचित कर लो कम ही रहेगा।

❐ **विनीता काबरा**, जयपुर

धन संचय नहीं भविष्य संवारना जरूरी

'पूत कपूत तो क्यों धन संचय, पूत सपूत तो क्यों धन संचय'। ये कहावत बहुत पुरानी है लेकिन बीसवीं सदी के माता-पिता ने इसका पालन नही किया। वे अपनी हर इच्छा, यहाँ तक कि जरूरतें भी काट कर बस अपनी भावी पीढ़ी के पालन-पोषण और उनके भविष्य को सुरक्षित करने हेतु धन संचय को ही अधिकाधिक महत्व देते थे। माता-पिता का स्वयं का भी जीवन होता है, उनके भी कुछ सपने, कुछ भौतिक इच्छाएं होती हैं। वर्तमान में भी प्रत्येक दम्पत्ति अपने बच्चों का भविष्य संवारना चाहते हैं और उसके लिए बहुत मेहनत भी करते है किंतु वे साथ ही साथ अपना जीवन भी जीते हैं, जो कि मेरे विचार में सही है। बच्चों को अपने पैरो पर खड़ा कर देने के बाद अथवा साथ-साथ स्वयं की इच्छाएं पूरी करना भी ज़रूरी है। इससे बच्चों में भी जिम्मेदार बनने की भावना जागती है और वे भी अपने लिए भौतिक, दिखावटी खर्च के साथ-साथ धन संचय भी करेंगे क्योंकि उन्हें ये भी अहसास रहेगा कि आगे के जीवन में उन्हें स्वयं ही आत्म निर्भर बनना है, कोई चांदी का चम्मच लिए पीछे नहीं खड़ा है।

❐ **नेहा बिन्नानी 'शिल्पी'**, कांदिवली पूर्व, मुंबई

धन संग्रह भी भावी पीढ़ी की प्रेरणा

वर्तमान युग पाश्चात्य करण का युग है। आज हम सभी पर पाश्चात्य सभ्यता व संस्कृति का असर दिखने लगा है परंतु भारतीय होने के कारण हमारा मन व विचार तो काफी हद तक अपनी सभ्यता व संस्कृति को ही स्वीकार करते हैं। ऐसे में एक माता-पिता या परिजनों की सोच ही अपने बच्चों के प्रति सकारात्मक रहती है चाहे वह वर्तमान में जीते हैं, मौज मस्ती को अपनाते हैं, संचय का विचार नहीं रखते हैं। परंतु जब बात भावी पीढ़ी या अपने बच्चों की आती है तो वे स्वतः ही बच्चों के भविष्य की योजना बनाने लग जाते हैं। मेरे विचारों में माता-पिता या परिवार जनों का यह मार्गदर्शन या विचार हमारी भावी पीढ़ी को भी समझ में आता है। हम स्वयं भी धन संचित कर बच्चों को धन संचय की परिभाषा बता सकते हैं।

❐ **ममता लखाणी**, नापासर

स्वयं के लिये धन संग्रह ज्यादा जरूरी

माता-पिता की जिम्मेदारी निभाना दुनिया का सबसे महत्वपूर्ण काम है। किसी व्यक्ति के जीवन भर की पूंजी, पैसा, जेवर, जमीन आदि को यदि तराजू के एक ओर और दूसरी ओर एक संस्कारी पुत्र को रख दिया जाए तो संस्कारी पुत्र का पलड़ा भारी रहेगा क्योंकि एक सुपुत्र ही व्यक्ति के जीवन भर की महत्वपूर्ण कमाई है। जब हम बुजुर्गों की पीढ़ी को देखते हैं जिन्होंने कड़ी मेहनत की है खुद को कई खुशियों से वंचित रखा है और अगली पीढ़ी के लिए विरासत का एक ऐतिहासिक रूप से उच्च संग्रह बनाया है। तो युवा पीढ़ी पूछती है, इसकी क्या आवश्यकता थी? माता-पिता अपने शरीर को दुख देकर धन इकट्ठा करते हैं लेकिन उसके बाद बेटा धन पर एश करके पूंजी बर्बाद कर देता है और धन देखकर बच्चा बिगड़ जाता है। वैसे 21वीं सदी में युवाओं की सोच अलग है क्योंकि ये माता-पिता वर्तमान में अपने धन का आनंद लेना चाहते है। बुजुर्ग माता-पिता चाहते हैं कि बच्चो को कुछ जोड़कर जाएँ वह अपनी जिन्दगी को नही जीते है। वैसे धन अपने पास जोड़ना चाहिये क्यों अपने या बच्चे पर कोई भी परेशानी आती है तब धन सम्पति ही काम आता है। अगर संस्कारी बेटा होगा तो उस धन से ही चौगुना पैसा पैदा कर सकता है। यदि हमारे पास धन सम्पत्ति होगी तो बहू और बेटा सभी इज्जत करेंगे।

❐ **कुम कुम कांबरा**, बरेली (उत्तर प्रदेश)

अभिभावक होने का कर्तव्य पूर्ण किया जाना आवश्यक

बड़े बुजुर्ग कह गए हैं 'पूत कपूत तो क्यों धन संचय, पूत सपूत तो क्यों धन संचय।' ठीक भी है, दोनो ही स्थितियों में धन संचय का कोई औचित्य नही। किंतु बदलते परिवेश को देखते हुए माता-पिता अपने उत्तरदायित्व निर्वहन के लिए, संतान के भविष्य के लिए किसी ना किसी रूप में चाहे वो भूखंड या कोई जीवन बीमा आदि के रूप में संग्रह हो, अवश्य करते हैं। ये अपरोक्ष रूप से ना केवल उनकी वृद्धावस्था के लिए आवश्यक है अपितु उनके जाने के उपरांत संतान के लिए भी उपयोगी होगा। वर्तमान में अपव्यय पर रोक लगाते हुए यदि कुछ राशि एकत्रित की जाए तो कोई बुराई नही किंतु स्वयं की कमाई स्वयं पर ना खर्च करना, अति कंजूसी से जीवन जीना अपने शौकों को मारना या दूसरे शब्दों में कहें कि पैसे को दाँतों में दबा कर उपयोग करना, मैं इसकी पक्षधर क़तई नही हूँ। जब अभिभावक अपनी संतान की अच्छी शिक्षा, उत्तम स्वास्थ्य, विलासिता पूर्ण जीवन सम्बंधी हर आवश्यकता पूर्ण कर उन्हें अपने पैरों पर खड़ा कर एक सम्मान जनक जीवन जीने योग्य बना देते हैं तो अलग से उनके लिए धन संचित करना आवश्यक नही है।

❐ **मनीषा राठी**, उज्जैन (मप्र)

'भावी पीढ़ी कर्मठ हो'

परिश्रम की पगडंडी पर चले बगैर प्रगति का रास्ता मिल पाना संभव नहीं। भावी पीढ़ी को पढ़ा-लिखाकर योग्य बनाना अभिभावकों का दायित्व है किंतु उनके लिए धनसंचय करके रखना सही नहीं। यह रवैया नकारात्मकता की निशानी है जो युवाओं के विकास में निश्चित बाधा उत्पन्न करती है। इससे वे अपनी शक्ति और बुद्धि का समुचित उपयोग नहीं कर पाते। भावी पीढ़ी के परों में हौसला होना चाहिए, लक्ष्य साधने का जुनून होना चाहिए तभी वह सफलता के स्वाद का आंनद ले पायेंगे। स्वयं मेहनत करने के पश्चात जो धन प्राप्त होता है उसकी अहमियत युवाओं को अच्छे से समझ आती है। परिश्रम से कमाया हुआ धन, अनावश्यक और अनुचित जगह व्यय होने से बच जाता है। अभिभावक स्वयं की जीवनशैली में बहुत सी जरूरतों पर कटौतियां करते हुए जीवन यापन करते हैं। उनके मन में संतुष्टि रहती है कि उन्होंने अपने बच्चों का भविष्य सुरक्षित कर रखा है किंतु उनका यह त्याग बच्चों के लिए अधिक मायने नहीं रखता जिससे आपस में अनावश्यक रूप से एक तनाव निर्मित होता है। माता-पिता की ऊंगली पकड़कर बच्चा चलना जरूर सीखता है किंतु दौड़ने का हुनर उसके स्वयं की उपज है। बच्चे अगर काबिल हैं तो वह निश्चित आर्थिक रूप से सशक्त ही होंगे वरना माता-पिता द्वारा प्राप्त पूंजी को भी वे संभालने में असमर्थ होंगे। इसलिए धन संचय करना जरूरी नहीं, आवश्यक है उनकी सही परवरिश। युवाओं को सहारा न दें बल्कि ऐसा गढ़े कि वे किसी का सहारा बन जीवन सार्थक कर पायें।

❐ **राजश्री राठी**, अकोला

स्वयं की आवश्यकता की पूर्ति भी जरूरी

'जो कपूत तो क्युं धन संचे...' यह कहावत पुरानी हो पर आज भी यह उतनी ही सार्थक लगती हैं। आज की पीढ़ी कुछ नयी सोच रखती हैं। और अपने और बच्चों पर भी खर्च करते हैं, धन संचय करना चाहते हो तो आपकी संतान उसे बढ़ाने के बजाय खर्च करने में दिलचस्पी रखने वाली ही रह सकती है। क्योंकि आजकल कि युवा पीढ़ी में यही मानसिकता है। दूसरे यदि जमा-पूंजी होगी तो वह आलसी, नाकारा व निरुद्देशी बन सकती हैं। धन संचय के बजाय आप उन्हें अच्छे संस्कारों की पूंजी दें ताकि वे अपने जीवन में धन कमाने में सफल रहें। फिर भी अगर कोई चाहे तो संचय करें अपनी इच्छाओं, भावनाओं को दबाकर संचय न करें। आपकी सभी मनोकामनाएं पूरी हो जाए तो भले ही आप संचित धन भावी पीढ़ी के लिए बचाकर रखना चाहे तो रख सकते है।

❐ **विठ्ठल दास सोनी 'शाम'** सोलापुर, महाराष्ट्र

भावी पीढ़ी के लिए धन संचय करना उचित

पुरातन काल में संयुक्त परिवार थे। इस काल में जर, जमीन, अन्न आदि सीमित साधनों को ही धन कहा जाता था। लेकिन वर्तमान समय में जर (धन), अन्न, जमीन और शिक्षा यह साधन हैं। एकल परिवार होने के कारण अपनी परंपराओ के निर्वहन करने के लिए जर का संचय करना भावी पीढ़ी के लिए उचित है। अपनी संतान के जीवन के लिए अभाव नही होना चाहिए। परिवार का मुख्य संबंध हृदय की संवेदना से होता हैं। कम से कम एक रुपये का संचय होना आवश्यक हैं। एक रुपया याने आगार। आगार होगा तो दूसरी शक्तियां उस पर हावी नही होगी, उसकी मानसिक प्रताड़ना नही होगी। वह अपने जीवन में हार नही मानेगा। परिवार में समरूपता, एकरूपता रहेगी। तरक्कियों की दौड़ में चलने के लिए धन जरूरी है। इससे बच्चे अपने सपनों को, अपनी मंजिल को साकार कर सकते हैं। कठिनाइयों के दौर में वह उसका सहारा ले सकता है। धन का महत्व आज के समय में ही नहीं, बल्कि प्राचीन काल से रहा है। धन के बिना न तो कोई यज्ञ होता है न ही कोई अनुष्ठान। राष्ट्र, समाज और स्वयं की उन्नति एवं समृद्धि धन से ही सम्भव है।

❐ **अनिता ईश्वरदयाल मंत्री,** अमरावती

धन की जगह संस्कार जरूरी

मां-बाप अपनी इच्छाएं मारकर अपने युवा बेटे-बेटियों के लिए धन संचय करते हैं। पर कहीं ये हरा भरा मैदान उन्हें अपंग ना बना दे। धन संचय करने की अपेक्षा यदि अच्छे संस्कार, परिश्रम, आत्मविश्वास, अच्छी शिक्षा दें व ज्ञान का पाठ पढ़ाएं, तो बहुत ही उत्तम रहेगा, जो कि उन्हें जिंदगी भर काम आएगा। संचित धन तो धीरे-धीरे समाप्त हो जाएगा। पर जैसे-जैसे अनुभव बढ़ेगा, वैसे-वैसे ज्ञान की वृद्धि ही होगी। हां समय अच्छा या बुरा किसी से पूछ कर नहीं आता। कभी-कभी धन की आवश्यकता भी पड़ जाती है तब के लिए तो माता-पिता का कर्त्तव्य है कि वह उनके लिए जरूर कुछ करें। आजकल मितव्ययिता का जमाना नहीं रहा...जहां कम में भी काम होता है। दिखावटी पन में जाकर बच्चे कुछ ज्यादा ही खर्च करते हैं, बगैर मेहनत धन की कुछ कीमत नहीं रहती। किसी को भी उसकी अपनी परिश्रम की कमाई ज्यादा मन को समाधान देती है। अतः भावी पीढ़ी के लिए धन संचय करने की अपेक्षा उन्हें आत्मनिर्भर बनाने का पाठ जरूर पढ़ाएं।

❐ **शोभा-किशोर काबरा**

अत्यधिक धन संचय अनुचित

भावी पीढ़ी के लिए धन संचय करना उचित है। आज की इतनी महंगाई में धन जमा करना उचित है, किंतु एक हद तक। माता-पिता अपनी आवश्यकता जैसे संतान के ब्याह, उच्च शिक्षा, नवघर निर्माण आदि के लिए धन संचय करते हैं, तो वह आज की होड़ में जरूरी है, किंतु अपने पोते-पोती, नाती-नातीन आदि के लिए करते हैं, तो वहां अनुचित है। क्योंकि वह बहुत दूर की बात हो गई। व्यक्ति को बुरे समय के लिए भी धन की बचत करनी चाहिए। सच्चा पिता अपने बच्चे का ध्यान रखता है और सच्चा पुत्र अपने पिता के प्रति आज्ञाकारी होता है। जरूरत से बहुत ज्यादा धन भी इकट्ठा नहीं करना चाहिए, क्योंकि अगली पीढ़ी आलसी होती जाती है। सोचती है कि इतना धन है तो मेहनत क्यों करें? धन- संपत्ति का महत्वपूर्ण भाग है। यह आपको सम्मान दिलाता है और आपको आपदाओं से जूझने में सामर्थ्य प्रदान करता है।

❐ **पूजा काकाणी** इंदौर (मध्यप्रदेश)

भविष्य के लिए सीमित बचत आवश्यक

हर सिक्के के दो पहलू होते हैं, यह हम पर निर्भर हैं कि हमें कौन सा पसंद आता है। सहज और निष्कंटक भविष्य के लिए सही आर्थिक प्रबंधन हमारे जीवन को सुखद, समृद्धिशाली, स्वास्थपूर्ण, शांतिमय बनाने का कारक होता है। जरूरी बचत आर्थिक प्रबंधन का एक अभिन्न हिस्सा है। कोई भी महान दूरगामी प्रबंधन सीमित समय में परिपूर्ण नहीं हो पाता, ऐसे में जरूरी है कि इसे अविरत चलाया जाए। मुझे गर्व है कि हमारी भारतीय संस्कृति सदा से इस पर चलते आई है। इन बातों की अहमियत कोरोना काल ने स-उदाहरण बड़े ही अच्छे से पूरें विश्व को समझा भी दी है। इसीलिए हमारी इस संस्कृति को पूरे विश्व ने अब सर्वश्रेष्ठ मान भी लिया है। प्रतिस्पर्धा के आज के युग में आर्थिक बचत एवं प्रबंधन हमारी सफलता का एक मजबूत आधार है। जितने जल्द इस पर काम शुरू हो, मंजिल उतनी आसान होते जाती हैं। हम वर्तमान का आनंद लेते हुऐ, बच्चों को पढ़ा लिखाकर काबिल बनाने के साथ भी अपनी इच्छा आकांक्षा को ना दफनातें हुए यह कर सकते हैं। वैसे भी अधिकांश पालकों को तो इस सिलसिले को कॅरी फॉरवर्ड ही करना है। फिर यह अनुचित कैसे?

❐ **विनोद गोपालदास फाफट,** नागपुर

संतान को बनाएं आत्मनिर्भर

'पूत कपूत तो क्यों धन संचय, पूत सपूत तो क्यों धन संचय।' यह सूक्ति हम बचपन से सुनते आ रहे हैं। इसमें जीवन का सार निहित है। संतान का भरण-पोषण तथा उसे पढ़ा-लिखाकर योग्य बनाना प्रत्येक युग में माता-पिता का दायित्व रहा है। असक्षम बालक की सहायता करना भी माता-पिता का कर्तव्य है, परन्तु समर्थ एवं आत्म निर्भर संतान के लिए माता-पिता का धन संचय करना मोह का प्रतीक है,जो सर्वथा अनुचित है। बच्चों के समर्थ होने के पश्चात माता-पिता को चिंताओं से मुक्त होकर जीवन में खानपान, स्वास्थ्य, दान-धर्म, भ्रमण आदि का भरपूर आनंद लेना चाहिए। अपने धन की उचित व्यवस्था करनी चाहिए। सबसे आवश्यक बात यह है कि अपने जीवन काल में धन संचय करके उसका स्वामित्व संतान को नहीं देना चाहिए, चाहे संतान कितनी भी अच्छी क्यों न हो। जिससे जरूरत के समय बच्चों के सम्मुख कभी हाथ न फैलाना पड़े।

❐ **सुनीता माहेश्वरी,** नाशिक

लड़के-लड़कियों के रिश्ते ढूँढना हुआ बेहद आसान
हमारी वेबसाइट है इसका सही समाधान

High Status,
Middle Status,
NRI, Manglik, Non Manglik,
Biodata MBA, MCA, Doctor,
Engg. Biodata, CA, CS,
ICWA Biodata

Graduate,
Post Graduate Biodata
Professional Biodata
Businessman Biodata
Service Class Biodata

माहेश्वरी समाज के लिए
60 हजार से अधिक

जैन समाज के लिए
70 हजार से अधिक

अग्रवाल समाज के लिए
1 लाख से अधिक

Registration Free

Website
www.maheshwari.org
www.jain2jain.org
www.agrawal2agrawal.org

Registration Free

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें-

39/1, Old Rajendra Nagar, New Delhi-110060
Phones :011-25746867, M. : 093129 46867

राह जिंदगी की...

प्रो. कल्पना गगडानी, मुंबई

सांस्कृतिक धरोहर है, वास्तविक धन संपदा...

होली जलाकर, रंग खेलकर, फाल्गुन को अर्थात् संवत के आखरी मास को हम विदा कर रहे हैं। नवीन संवत्सर का प्रारंभ होगा। आरंभ शुभ से होना चाहिये तब ही तो वर्ष शुभ होगा। माना कि आजकल हमारे अधिकतर कारोबार वैश्विक परम्परा के अनुरूप जनवरी से दिसम्बर तक होते हैं परंतु हमारे तीज त्यौंहार, शादी-ब्याह तो हमारे हिंदू पंचांग के अनुसार ही होते हैं और ये सब हमारी जलवायु और कृषि प्रधान सभ्यता के अनुरूप बनाये गये हैं। हमें इसकी आवश्यकता और महत्व को जानना, समझना और समझाना चाहिये।

ठंड के बाद गर्मी का प्रकोप। शीतलता से भरे शरीर को एक दम से उष्ण वातावरण के लिये तैयार करना। आधुनिक चिकित्सा पद्धति में जिसे "डिटोक्सिन" करना कहते हैं और हजारों खर्च किये जाते हैं। इन पार्लरों में वहां हमारी सनातनी अनुमती संस्कृति में जीवन के आवश्यक क्रियाकलापों को जीवन शैली बना दिया। कालांतर में इस पर धर्म का कलेवर चढ़ गया और ये सर्वग्राह्य बन गई।

होली के बाद गर्मी को स्वीकार करते हुए सीतला माता को पूजते हुये ठंडी तासीर के भोजन को पर्व रूप में स्वीकार करना और संवत प्रारंभ होते ही नवरात्रि को उपवास द्वारा शरीर को डीटॉक्सीन करना। फलाहार (फल का सेवन) द्वारा शरीर को गर्मी सहने लायक बनाने का सफल सहज प्रयास।

ठीक इसी प्रकार शरद के आगमन पर शारदीय नवरात्र में नौ दिन फलाहार कर शरीर को पुनः शीत हेतु तैयार करना।

एक ओर सुंदर उपचार पद्धति एकादशी के दिन भी फलाहार। हर चौदह दिन बाद नियमित रूप से शरीर को टॉक्सीन मुक्त करना।

साधारण दिनचर्या, जीवनशैली के साथ आप अपने स्वास्थ्य को संभालते हुए जीवन का, भोजन का आनंद उठा सकते हैं।

हमारे सभी रीति रिवाज और त्यौहार इसी प्रकार शारीरिक स्वस्थता, कृषि विशेष, मौसम विशेष को ध्यान में रखकर बनाये गये हैं।

ये त्यौंहार रोजमर्रा की जिंदगी की एकरूपता को हटाकर जिंदगी की राह को सुंदर और आकर्षक बनाते हैं। हमें भी इन्हें समारोह पूर्वक मनाकर जीवन को आनंदमयी बनाना है।

योग-मुद्रा

शरीर को ऊर्जामय बनाती है प्राण मुद्रा

शिव नारायण मूंधड़ा
'वास्तु मित्र'

शरीर में प्राण और अपान वायु संतुलित हो तो योग साध्य होता है। योग और प्राणायाम के प्रयोगों से प्राण और अपान वायु सम बनती है, परंतु प्राण और अपान मुद्रा को करने से योग सिद्ध होता है। अभी हम प्राण मुद्रा की चर्चा करेंगे।

सांस के साथ-साथ जो वायु भीतर जाती है उसे प्राणवायु कहते हैं। इससे शरीर ऊर्जावान बनता है। प्राण मुद्रा का प्रयोग जीवनदायिनी शक्ति का संतुलन और शरीर को ऊर्जावान बनाए रखने के लिए किया जाता है। प्राण मुद्रा करने के लिए अपनी कनिष्ठका तथा अनामिका अंगुली के अग्र भाग को अंगूठे के अग्रभाग से मिलाएं। अंगूठे का उंगलियों पर हल्का सा दबाव रहे और तर्जनी और मध्यमा को सीधा रखें।

प्राण मुद्रा अपने जरूरत के अनुसार काफी समय तक की जा सकती है।

प्राण ऊर्जा रूप, शक्ति रूप है। इंद्रिय, मन व भावनाओं को सात्विक बनाती है।

शारीरिक दृष्टि से मुद्रा एक स्वीच की भांति कार्य करती है, जिसे दबाने पर संपूर्ण शरीर में स्फुर्ती पैदा होती है। इस मुद्रा से प्राणशक्ति को संग्रहित कर हम सदैव स्वस्थ और निरोग रह सकते है।

रक्त वाहिनी नाडियों में किसी भी तरह की बाधा हो तो दूर होती है।

इस मुद्रा के प्रभाव से शरीर के किसी भी अंग में सूनापन दूर होता है। इस मुद्रा के नियमित प्रयोग से नेत्रों से संबंधित समस्या में दूर होती है।

यह मुद्रा थकावट के समय भी लाभकारी है। इसके करने से थोड़ी ही देर में नव शक्ति का संचार होगा, थकान दूर हो जाती है। एकाग्रता का विकास होता है, रक्त शुद्धि होने से शरीर में स्फूर्ति, चेतना में नया उत्साह, मन में अपूर्व उमंग, आत्मविश्वास भरता है। इस मुद्रा को निरंतर करने से भूख प्यास पर नियंत्रण होता है, इसलिए उपवास के वक्त विशेष लाभदायी है। अकारण खाने-पीने की इच्छा भी इस मुद्रा से नियंत्रित हो सकती है।

प्राण मुद्रा से आत्मबल पुष्ट होता है, देहजन्य रोगों से मुक्त होने के कारण भवरोग भी समाप्त होने लगते हैं।

प्राण मुद्रा में पृथ्वी, जल और अग्नि तत्वों का संयोजन होता है। शरीर में रसायनिक परिवर्तन होता है तथा शरीर के समस्त अवरोध दूर होते हैं।

IS:1786

CM/L - 6943589

GBR TMT

THE STRENGTH WITHIN

www.gbrmetals.com

Manufacturers of High quality MS Billets and TMT Bars

Works:
#295, G.N.T Road,
Peravallur Village,
Ponneri Taluk - 601 206
Tamil Nadu
Website: www.gbrmetals.com

Registered Office:
#4, Ramanan Road,
Chennai - 600 079
Tamil Nadu
Ph: +91 44 25292151
E-mail: sales@gbrmetals.com

खुश रहें - खुश रखें

धर्म के विरुद्ध संघर्ष यानी संसार के विरुद्ध संघर्ष

पं. विजयशंकर मेहता
(जीवन प्रबन्धन गुरु)

धर्म क्या है इसको लेकर सदैव बहस होती रहती है। कार्लमार्क्स का यह संवाद बहुत लोकप्रिय है कि धर्म जनता के लिए अफीम यानी नशा है। मार्क्स ने इस सवाल को बहुत पहले उठाया था कि धर्म से उत्पन्न रिक्तता को कैसे भरा जाए। मनुष्य धर्म की रचना करता है या धर्म मनुष्य की रचना करता है, यह बहस का एक पुराना मुद्दा है। किसी ने धर्म को मनुष्य स्वचेतना कहा है, स्वप्रतिष्ठा माना है, भटके हुए लोगों के लिए सद्मार्ग माना है।

मनुष्य रहता है, राज्य और समाज में। जीता है किसी धर्म में और कई बार धर्म और राज्य-समाज एक-दूसरे के लिए उल्टे नजर आते हैं। वे एक-दूसरे को शीर्षासन करते हुए देखते हैं लेकिन तमाम प्रगतियों के बाद अब यह तय हो गया है कि धर्म के विरुद्ध संघर्ष का मतलब है, संसार के विरुद्ध संघर्ष। संसार में अध्यात्म की जो सुगंध होती है, उस तक पहुंचने के लिए धर्म एक साफ-सुथरी पगडंडी है।

धर्म को संसार में उलझाएँ तो अनेक विवाद हैं लेकिन अध्यात्म से जोड़ें तो उससे भी अधिक समाधान हैं। जैसेः अध्यात्म से जुड़कर आश्रम का नाम दिया है- ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ और संन्यास आश्रम। ब्रह्मचर्य आश्रम ज्ञान की उपासना को बताता है। गृहस्थाश्रम में प्रेम, सहयोग और त्याग के प्रयोग किए जाते हैं, वानप्रस्थ में परिवार की मर्यादित आसक्ति को छोड़कर सेवा की जाए इसका आग्रह होता है तथा संन्यास आश्रम का अर्थ है निर्माण। एक ऐसा जीवन जो सिर्फ परमात्मा के लिए होगा। देखा जाए तो इन चारों ही आश्रमों का केंद्र परिवार तथा उसका प्रबंधन होता है।

संन्यास भारतीय संस्कृति का मौलिक शब्द है। इसलिए धर्म को अध्यात्म से जोड़कर खूब लाभ उठाया जा सकता है और संसार में उलझा कर हानि भी प्राप्त की जा सकती है।

ऋषिमुनि समूह द्वारा कालगणना की नगरी उज्जयिनी से प्रकाशित

श्री अवन्तिका पञ्चाङ्ग

इतना सरल की अपने घर के पंडित आप खुद बन जाए

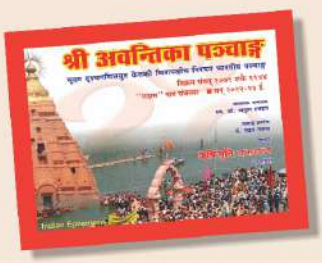

व्रत-पर्व देखना हो या शुभ मुहूर्त या विवाह के लिए पत्रिका का करना हो मिलान कहीं जाने की जरूरत नहीं, स्वयं देखें पञ्चाङ्ग में

90, विद्यानगर, साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.)
फोन - 0734-2526561, 2526761, मो. 094250-91161

गर्मी का मौसम पूरी तरह आ गया है शरीर और मस्तिष्क को ठंडक पहुंचाने वाले और आसानी से बनने वाले शीतल पर घर पर ही बनाएं।

1) ऑरेंज लस्सीः- चार कप गाढ़ा मलाईदार दही में दो कप पानी और 2 टेबलस्पून चीनी मिलाकर लिक्विडाइजर से थोड़ी देर चलाएं। दो कप संतरे का रस और बर्फ मिलाकर ठंडी ठंडी लस्सी लंबे ग्लास में पेश करें।

2) बेल शेक :- 1 किलो वजन के बेल को तोड़कर थोड़ा पानी मिलाकर गुदा (पल्प) निकाल ले। पल्प में आधा लिटर दूध, चीनी और थोड़ा सा गुलाब का एसेंस मिलाकर मिक्सी में चर्न करें। बर्फ मिलाकर लंबे पतले गिलासों में पेश करें।

3) कच्चे आम का शरबत :- चार कच्चे आम छिलकर उसमें चीनी स्वादानुसार मिलाकर एक ग्लास पानी डालकर कुकर में तिन सिटी ले ले। ठंडा होने पर उस का पल्प निकाल ले। उसमें पुदीने का रस, भुना जीरा, काला नमक, काली मिर्ची और पानी मिलाकर शरबत बना ले। यह शरबत लू और गर्मी से बचाता है।

4) कोल्ड कॉफीः- 4 टीस्पून कॉफी पानी में घोल ले। अब इसमें चार कप दूध और 2 टेबलस्पून चीनी और दो स्कूप चॉकलेट आइसक्रीम डालकर लिक्विडाइजर से थोड़ा चला ले। आप चाहो तो बर्फ भी डाल सकते हैं। सर्व करते समय चॉकलेट या वैनिला आइस क्रीम डालकर लंबे गिलास में पेश करें।

शेफ पूनम राठी, नागपुर
विविधा कुकिंग क्लासेस
9970057423

आपणी बोली

- स्वाति जैसलमेरिया, जोधपुर

बारूद रे ढेर पर दुनिया

खम्मा घणी सा हुकुम आज रूस और यूक्रेन रो युद्ध दुनिया ने तीसरे विश्वयुद्ध री ओर ढकेल रियो है कोई देश पीछे हटण ने तैयार नहीं है और विश्व दो खेमों में बंटतों दिख रियो है।

हुक्म आदिकाल सूं लेने आज तक युद्ध कदैई सुखदायक नहीं रियो.. इतिहास गवाह है भारत हज़ारों सालों तक युद्ध आतंक री भीषणता झेल चुकियों हैं जिणमें जन धन नर नारी जीवन जगत रो विनाश हुयो...

हुकम शक्ति विकास रे वास्तें है विनाश वास्तें नहीं।

हुकुम, मानव जीवन विधाता री सर्वोत्तम कृति है और इनो विनाश यानी युद्ध... जो कदैई कल्याणकारी नहीं हूं सके। युद्ध रो मतलब विधाता द्वारा रचयोड़ी कृति रो विनाश यानी घृणा !

मौत ने ललकार ने भला शांति कठेसूं मिळी..?

हज़ारों बेघर नर नारी री चीख पुकार, कोहराम, वृद्धजनों रो क्रुन्दन, पीड़ा दुख-दर्द तड़फ किकर सुखदाई हूँ सकें? हज़ारों सालों सूं जो आबादी विकसित हुई है.. लोग घर द्वार खेत खलिहान बसाया है। सब नष्ट और तबाह हूँ जावेला और हुकुम इण तबाही भरा मंजर में शांति किकर मिळी..?

हुकम आज जरूरत है अपणों दंभ व अहंकार सूं ऊपर उठने मानवीय मूल्यों ने रोपित करण री। बम री शक्ति रो मतलब यों नहीं है कि विधाता री सृष्टि रचना ने नष्ट कर देवणी ।

जण आपा कीन्हेही जीवन रो नवनिर्माण नहीं कर सका तो विनो विनाश करण रो अधिकार भी किकर ले सका..?

आज विश्व दोराहें पर खड़ों है मानवता रों पतन, आदमियत्ता खत्म हूँ रही है आपसी स्वार्थ टकरा रियाँ है एक महाशक्ति देश दूसरे महाशक्ति देश ने ललकार ने युद्ध रो एलान हुकुम विश्व री सारी मानव जाति रो विनाश है और जो मानव जाति रो विनाश करण ने उतेजित है। अगर युद्ध नहीं रुकियों तो विश्व मे भयंकर दुष्परिणाम आवेंला।

वास्तव में दुनिया अब तक दो विश्व युद्ध देख चुकी है और इने घोर परिणामों सूं वाकिफ है युद्ध जणे भी हुयो मानवता रो विनाश ही हुयो।

विश्व रा तमाम देश भारतीय विचार और मूल्यों ने प्राथमिकता देता हुआ प्रेम और शांति रो संदेश, व्यवहार आचरण पर चलण री कोशिश करें। **सत्यम शिवम सुंदरम** जेड़ा भावों ने आत्मसात कर जीवन मे अनुपालन करण रो कार्य करें ।

विश्व समुदाय सूं आशा हैं नफरत मिटा प्रेम पुष्प सबनें भेंट कर मान अस्तित्व सुरक्षित करें और अमरता रे साथे सदियों तक कायम रेहवें।

मुलाहिजा फ़रमाइये

ज्योत्सना कोठारी
मेरठ

- बांधे जाते है इंसान कभी तूफान न बांधे जाते है,
  काया जरूर बाँधी जाती, बांधे न इरादे जाते है!!
- कौन है बड़ा फनकार दोनों में ऐ ईश्वर तू ही बता..
  तू मिट्टी से इंसान बनाता है और वो मिट्टी से तुझे..
- आँखों से भी बताई जाती हैं सच्चाईयाँ कुछ,
  लफ़्ज़ों की ज़रूरत हर बार नहीं होती।
- अपनी हर फतह पर इतना गुरुर मत कर...!
  मिट्टी से पूछ आजकल सिकंदर कहाँ है?
- जो सच है छुपा लेती हो मुझसे,
  तुम्हें तो अखबार होना चाहिए था।
- जैसा मूड़ हो वैसा मंजर होता है..
  मौसम तो इंसान के अंदर होता है
- मैं जहाँ नाम नहीं ओहदे से शामिल था,
  हर ऐसे जश्न से चेहरा दिखा के लौट आया।

कार्टून कौतुक

राशिफल

संकेत सितारों के

पं. विनोद रावल
(ज्योतिर्विद)
फोन : 0734-2515326

मेष

यह माह आपके लिए सौभाग्यशाली रहेगा। जमीन से संबंधित प्रकरणों में सफलता मिलेगी। राजकीय पक्ष की अनुकूलता रहेगी। राजकीय पक्ष से सम्मान, पद प्रतिष्ठा एवं पुरस्कार प्राप्ति के योग रहेंगे। भौतिक सुख-सुविधाओं पर खर्च करेंगे। एक के बाद एक समस्याओं का सामना भी करना पड़ेगा। कानून एवं न्यायालय से संबंधित प्रकरण में सफलता मिलने के योग प्रबल रहेंगे। समय पर बात भूल जाएंगे, व्यस्तता अधिक रहेगी। स्वादिष्ट व्यंजनों का लुत्फ उठाएंगे, विवाह समारोह में भाग लेंगे। धार्मिक अनुष्ठान तथा धार्मिक यात्रा के योग एवं भौतिक सुख सुविधा से युक्त यात्रा के योग प्रबल रहेंगे।

वृषभ

यह माह आपके लिए भौतिक सुख-सुविधा से युक्त रहेगा। घूमना-फिरना, मौज-मस्ती में समय व्यतीत होगा। समस्याओं को युक्तियुक्त तरीके से करने में आपको सफलता प्राप्त होगी। मामा परिवार से वैचारिक मतांतर का सामना करना पड़ेगा। धार्मिक यात्रा, मांगलिक यात्रा, शुभ काम, आर्थिक संपन्नता में वृद्धि होगी। परिश्रम की तुलना में लाभ कम मिल पाएगा। मानसिक तनाव का सामना करना पड़ेगा एवं जिद्द की वजह से परेशानियों का सामना करना पड़ेगा तथा आर्थिक हानि भी उठाना पड़ सकती है। महा विद्यार्थियों के लिए शुभ रहेगा, शत्रु पर विजय प्राप्त होगी।

मिथुन

इस माह पुरानी परेशानियों से मुक्ति मिलेगी। नए काम की योजना बनाएंगे एवं क्रियान्वित करने में सफलता प्राप्त होगी। विद्यार्थियों के लिए शुभ संकेत एवं शुभ समाचार तथा नवीन नौकरी के योग प्रबल रहेंगे। नौकरी पेशा व्यक्तियों को पद प्रतिष्ठा एवं मनचाहा स्थानांतरण के योग प्रबल रहेंगे। स्वास्थ्य में सुधार होगा। संतान से संबंधित कार्य में सफलता प्राप्त होगी। लंबी यात्रा के योग रहेंगे। राजकीय पक्ष की अनुकूलता रहेगी। आय के साधनों में वृद्धि होगी। अनैतिक आय के योग प्रबल रहेंगे। आंखों से कष्ट, मित्रों से मुलाकात होगी। न्यायालयीन प्रकरणों में सफलता अर्जित होगी।

कर्क

यह माह आपके लिए शुभ समाचार प्रदान करने वाला होगा। वाहन सुख में वृद्धि होगी। राजकीय पक्ष की अनुकूलता रहेगी। नवीन कार्य व्यवसाय की प्राप्ति के योग रहेंगे। शुभ समाचार मिलेंगे। घर में विवाह संबंध प्रकरण में सफलता प्राप्त होगी। भौतिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। आर्थिक संपन्नता बढ़ेगी। ऋण के माध्यम से संपत्ति का निर्माण होगा। झूठे आरोप का भी सामना करना पड़ेगा। मन उदास तो रहेगा, फिर भी समय पर सभी कार्य हो जाएंगे। राजकीय पक्ष एवं राजनेताओं के संपर्क का भी लाभ प्राप्त होगा। हड्डी एवं दांतों से कष्ट के भी योग रहेंगे। विद्यार्थी वर्ग को मनचाही सफलता प्राप्त होगी।

सिंह

यह माह आपके लिए चुनौती प्रदान करने वाला होगा। आप विपरीत परिस्थितियों में अपने आप को संभालते हुए सफलता अर्जित करेंगे एवं समाज परिवार में अपना नाम रोशन करेंगे। विरोधी परास्त होंगे। इच्छित कार्य में सफलता मिलेगी। रक्त विकार से कष्ट का भी सामना करना पड़ सकता है। स्वादिष्ट व्यंजनों का लुत्फ उठाएंगे। विवाह संबंध तय होगा। चिकित्सा से संबंधित प्रकरण में सफलता अर्जित होगी। प्रेम संबंध मधुर होंगे। किस्मत एवं समय आपका साथ देगा एवं सफलता, कामयाबी आपके चरणों में होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। बुजुर्गों के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी एवं सेवा करना पड़ेगी।

कन्या

यह माह आपके लिए विशेष फल प्रदान करने वाला होगा। संपत्ति से संबंधित प्रकरण में सफलता प्राप्त होगी। संतान के कार्य में यश, कीर्ति मिलेगी। पद प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। विरोधी परास्त होंगे। खर्च की अधिकता रहेगी। विवाह संबंध के योग प्रबल रहेंगे। राजकीय पक्ष की अनुकूलता रहेगी। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। व्यापारिक कार्यों में नवीन संस्थान एवं नया कारोबार प्रारंभ करेंगे। आय में वृद्धि होगी। व्यवसाय योजना में भी सफलता प्राप्त होगी। मित्रों का सहयोग एवं स्नेह प्राप्त होगा। पारिवारिक सुख आनंद की प्राप्ति के योग प्रबल बने रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा।

तुला

यह माह आपके लिए लेखन की दृष्टि से सफलता प्रदान करने वाला होगा। संतान के कार्यों में अनुकूलता मिलेगी। स्वास्थ्य से संबंधित कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। दांपत्य जीवन में अनुकूलता रहेगी परंतु जीवन साथी के स्वास्थ्य की चिंता बनी रहेगी। मित्रों का स्नेह, सहयोग प्राप्त होगा। आय में पर्याप्त वृद्धि होगी। आय की तुलना में व्यय भी बढ़ेगा। भौतिक सुख सुविधा से युक्त यात्रा का आनंद उठाएंगे। विवाद से बचने का प्रयास करें। विद्यार्थियों को इच्छित कार्य में सफलता प्राप्त होगी एवं नौकरी पेशा व्यक्तियों का मनचाहा स्थान परिवर्तन तथा पद प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

वृश्चिक

यह माह आपके लिए सुखद फलदाई रहेगा। संतान से संबंधित कार्यों में सफलता मिलेगी। रुके हुए कार्य पूर्ण होंगे। कानूनी एवं न्यायालय के प्रकरण में परेशानी उठाना पड़ेगी। दोस्तों से सहयोग मिलेगा। चुनौती भरे कार्यों में सफलता मिलेगी। समय की बर्बादी होगी। वाहन सुख, मकान सुख में वृद्धि के योग रहेंगे। परिवार के सदस्यों के स्वास्थ्य की चिंता बनी रहेगी। व्यय की अधिकता तो रहेगी परंतु आय में भी वृद्धि होगी। अतः व्यय की पूर्ति हो जाया करेगी। स्थाई संपत्ति से संबंधित प्रकरण में सफलता प्राप्त होगी। विद्यार्थियों को शिक्षा में सफलता मिलेगी। नौकरी पेशे से संबंधित लोगों को अनुकूलता रहेगी।

धनु

यह माह आपके लिए संपत्ति में वृद्धि करने के योग निर्मित करेगा। शिक्षा के क्षेत्र में सफलता अर्जित होगी। कार्य व्यवसाय में बाधा तो आएगी परंतु अंततः सफलता प्राप्त हो जाएगी। वाहन सुख, मकान सुख में वृद्धि होगी। वाणी पर पूर्ण नियंत्रण परम आवश्यक रहेगा नहीं तो बनते हुए कार्य बिगड़ जाएंगे। नौकरी के योग रहेंगे। नौकरी पेशे से संबंधित व्यक्तियों को इच्छित कार्य में सफलता मिलेगी। मनचाहा स्थान परिवर्तन एवं पद प्रतिष्ठा में वृद्धि के योग प्रबल रहेंगे। संतान से संबंधित कार्यों में सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। तेजी मंदी से संबंधित कार्यों में सावधानी से विनियोग करें। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा।

मकर

यह माह आपको विशेष सफलता प्रदान करने वाला रहेगा। कई महीनों से रुके हुए कार्यों में सफलता मिलेगी। स्थाई संपत्ति तथा पराक्रम में वृद्धि के योग रहेंगे। विरोधी परास्त होंगे। संपत्ति में वृद्धि होगी। भौतिक सुख-सुविधाओं पर खर्च करेंगे। विरोधी परास्त होंगे। आपके द्वारा दी गई सलाह लोगों को कारगर सिद्ध होगी। चुनौतीपूर्ण कार्य में आपको सफलता मिलने से हर्षोल्लास का वातावरण निर्मित होगा। वाणी पर नियंत्रण रखना परम आवश्यक रहेगा। राजकीय पक्ष की अनुकूलता रहेगी। शासन सत्ता में रुके हुए कार्य पूर्ण होंगे एवं राजनीतिक संपर्क का लाभ भी प्राप्त होगा।

कुम्भ

यह माह आपके लिए मिलाजुला लाभ प्रदान करने वाला रहेगा। भौतिक सुख-सुविधाओं पर खर्च करेंगे। तीर्थ यात्रा के योग, मांगलिक कार्यों में सफलता, लंबी यात्रा के योग रहेंगे। चुनौतीपूर्ण कार्य में सफलता मिलेगी। व्यय की अधिकता तो रहेगी परंतु उससे हर्षोल्लास का वातावरण भी निर्मित होगा। विरोधी परास्त होंगे। स्वास्थ्य में अनुकूलता रहेगी। व्यापार में सुधार होगा। उच्च अधिकारियों से संपर्क का लाभ मिलेगा। उत्साह में वृद्धि रहेगी। समाज में पद प्रतिष्ठा एवं कर्मचारियों को नौकरी में पदोन्नति के योग प्रबल रहेंगे। विद्यार्थियों को श्रेष्ठ फल की प्राप्ति होगी।

मीन

यह माह आपको शुभ कार्यों में भाग प्रदान करने वाला होगा। परिवार में शुभ एवं मांगलिक कार्य, विवाह संबंध का निर्धारण होगा। मानसिक तनाव तो रहेगा। स्थाई संपत्ति में वृद्धि होगी। हड्डी एवं दातों से संबंधित कष्ट के योग रहेंगे। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। अचानक लाभ-हानि के योग रहेंगे। राजकीय पक्ष की अनुकूलता रहेगी। भूमि-भवन से लाभ के योग प्रबल रहेंगे। भौतिक सुख-सुविधाओं पर खर्च करेंगे। प्रबंधन क्षेत्र में अनुकूलता मिलेगी। बुजुर्गों के स्वास्थ्य का ध्यान रखना आवश्यक रहेगा। विद्यार्थियों को अधिक परिश्रम करना पड़ेगा।

समाजसेवा मात्र जाति विशेष या क्षेत्र विशेष के लिये कार्य करना ही नहीं है। बल्कि यह तो मानवता से ओतप्रोत वह भावना है, जिसमें मानवता की सेवा ही लक्ष्य रहता है। ऐसी ही उत्कृष्ट भावना से न सिर्फ मानवता की सेवा कर रहे थे बल्कि दूसरों के लिये प्रेरणा स्त्रोत भी थे, चेन्नई निवासी सेवा के पुष्प श्री पी.डी. माहेश्वरी। श्री माहेश्वरी टाईम्स भी आपको माहेश्वरी ऑफ द ईयर 2014 से अलंकृत कर चुकी है। गत 4 मार्च को चेन्नई में 89 वर्ष की अवस्था में आप समाजसेवा क्षेत्र को सूना करते हुए देवलोक गमन कर गये।

नहीं रहे ''सेवा के पुष्प''

पी.डी. माहेश्वरी

गत 4 मार्च को जब चेन्नई निवासी समाजसेवी पी.डी. माहेश्वरी ने अंतिम बिदाई ली, तो न सिर्फ उद्योग जगत बल्कि समाजसेवा पथ के संगी-साथी भी अपने अश्रुओं को नहीं रोक सके। वैसे तो चेन्नई निवासी पी.डी. माहेश्वरी एक सफल व्यवसायी के रूप में जाने जाते थे। लेकिन उनकी ख्याति इससे भी बढ़कर एक ऐसे सहृदय समाजसेवी के रूप में अधिक है, जिन्होंने न सिर्फ आम व्यक्ति के दर्द को समझकर ''रमा भवन'' जैसे नये आयामों की शुरूआत की, बल्कि अन्य लोगों को भी प्रेरित किया। उन्होंने अपनी समाजसेवी गतिविधियों से इस क्षेत्र में नवीन चिंतन का सूत्रपात किया, जिसका परिणाम है कि उनसे प्रेरित हो कई व्यवसायी लोगों की आवश्यकता को समझते हुए अपनी इच्छानुसार सेवा क्षेत्र का चयन कर इस समाज सेवा में संलग्न हुए। आप अपने पीछे समाजसेवा की प्रेरणा से ओतप्रोत धर्मपत्नी रमा देवी माहेश्वरी, विजय-राजश्री (पुत्र-पुत्रवधू), पुत्री-दामादः आभा-अशोक राठी, शोभा-स्व.राजेश नबीरा, विभा-अनुपम माहेश्वरी तथा पौत्र-पुत्रवधूः श्रीधर-अंजलि व पौत्री-दामादः श्रीनिधि-केशव इन्नानी सहित भरा पूरा परिवार छोड़ गये हैं। व्यावसायिक रूप से आप कम्पनी ओरिएंट इलेक्ट्रिकल्स एंड इंजीनियर्स (इंडिया) प्रा.लि. का संचालन कर रहे थे। आपकी माहेश्वरी समाज के साथ अन्य समाजों में भी विशिष्ट प्रतिष्ठा थी।

मरीजों को ''रमा भवन'' की सौगात

महानगर होने से चेन्नई में उच्च चिकित्सा सुविधाऐं उपलब्ध होती हैं। अतः प्रदेश ही नहीं देश के कोने-कोने से भी रोगी यहाँ चिकित्सा लाभ लेने के लिये आते हैं। इनकी सबसे बड़ी परेशानी रोगी व परिजनों के ठहरने की होती है। सामान्य आर्थिक स्थिति वाले परिवार वैसे ही चिकित्सा खर्च के कारण आर्थिक परेशानियों से जूझ रहे होते हैं, ऐसे में परिजन ठहरें तो कहाँ और कैसे? आमजन की इस पीड़ा को महसूस करते हुए श्री माहेश्वरी ने सन् 1999 में चेन्नई के साहूकार पेट में अपनी धर्मपत्नी के नाम पर ''रमा भवन'' का निर्माण करवाया। इस भवन में यहाँ आने वाले मरीजों और उनके परिजनों के आवास के लिये अत्याधुनिक कमरे इतने अल्प सेवा शुल्क में उपलब्ध करवाऐ जाते हैं, जिसे सामान्य आर्थिक स्थिति के परिवार भी आसानी से वहन कर सकें। अभी तक इस भवन की सेवा का लाभ हजारों मरीज लेकर लाभान्वित हो चुके हैं। हर व्यक्ति ने उनकी इस सेवा को सराहा है।

महात्मा गाँधी से रहे प्रेरित

पी.डी. माहेश्वरी (श्री पुरुषोत्तमदास माहेश्वरी) का जन्म 2 जून 1933 को नागपुर (महाराष्ट्र) में श्रीमती धमसूबाई बिझानी एवं श्री गोवर्धनदास बिझानी के यहाँ हुआ। पिताजी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे। मात्र 2 वर्ष की अल्पायु में ही आपकी माताजी का स्वर्गवास हो जाने की वजह से प्रारंभिक लालन पालन ननिहाल बेपुर-मंदसौर (मप्र) में हुआ। 6 की वर्ष की उम्र में दादाजी के पास खाचरौद चले गये। जहां उनके साथ 2 वर्ष तक रहे। खाचरौद से पिताजी के पास वर्धा आकर प्रारंभिक शिक्षा ग्रहण की, उस समय आपको अपने पिताजी के साथ राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के आश्रम सेवाग्राम में रहने का भी सुअवसर प्राप्त हुआ। इसमें श्री माहेश्वरी नित्य सायं कालीन भ्रमण हेतु बापू के साथ ही जाते थे। बापू की सादगी ने उनके जीवन पर गहरी छाप छोड़ी, जो हमेशा कायम रही।

संघर्षों से थमती रही शिक्षा

बाद में आप अपनी शिक्षा हेतु चेन्नई अपने दादाजी के भाई मोहनलाल बिझानी के पास आ गये एवं आगे की पढ़ाई शुरू की। लेकिन वहां से भी मात्र 2 वर्ष के पश्चात सन् 1942 में द्वितीय विश्व युद्ध के चलते वापस खाचरौद आना पड़ा। शिक्षा अत्यंत ही व्यवधानों में अनिरंतर रूप से संपन्न हुई। खाचरौद आकर अपनी पढ़ाई जारी रखी, फिर आप एक साल चेन्नई, 1 साल पिलानी में पढ़े। इसके पश्चात आपने मुंबई में 2 साल शिक्षा ग्रहण कर अपनी पारिवारिक समस्याओं एवं विषम परिस्थितियों के कारण मुंबई में ही इंडियन स्मेलटिंग एंड रिफाइनिंग कंपनी में 4 वर्ष तक स्टोर कीपर के रूप में कार्य किया।

शून्य से शिखर के यात्री

मात्र 19 वर्ष की अल्पायु में ही मुम्बई में श्री माहेश्वरी ने स्वयं का व्यवसाय शुरू किया। प्रारंभ में इसमें स्टोर सप्लायर्स एवं इलेक्ट्रिकल्स आईटम्स सप्लाई का कार्य शुरू किया। मुंबई में 5 वर्ष तक व्यवसाय कर और अधिक प्रगति एवं विकास के लिए चेन्नई को अपनी कर्मभूमि बनाया, जो उनके लिए मील का पत्थर साबित हुई। चेन्नई आकर मुंबई की तरह ही इलेक्ट्रिक का व्यवसाय शुरू किया, लेकिन इस बार साथ में उत्पादन कार्य भी शुरू कर दिया। ईमानदारी, मेहनत, कर्त्तव्यनिष्ठा व लगन से

कार्य करने का परिणाम यह रहा कि श्री माहेश्वरी ने कुछ ही समय में चेन्नई शहर के इलेक्ट्रिक बाजार में अपनी अलग पहचान बना ली।

मानवता के लिये तन-मन-धन अर्पण

रमा भवन के साथ ही अनेक शैक्षणिक, चिकित्सा व धार्मिक अनुष्ठानों से संबंधित होकर तन-मन-धन से श्री माहेश्वरी ने सहयोग किया है। माहेश्वरी समाज द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं में भी आपका सहयोग रहा है। वर्ष 1965 में श्री माहेश्वरी सभा मद्रास के साथ जुड़कर समाज सेवा कार्यों में सहयोग किया। वर्ष 1969 में महासभा के नागपुर अधिवेशन में भाग लिया। इसके पश्चात महासभा से सक्रिय रूप से जुड़कर श्री कृष्णदास जाजू स्मारक ट्रस्ट में 1970 से 2011 तक ट्रस्टी के रूप में कार्य किया। इसी दौरान आपने महासभा द्वारा संचालित अनेक सामाजिक संस्थाओं में तन-मन-धन से सहयोग किया। आपकी दीर्घकालीन सामाजिक सेवाओं को ध्यान में रखते हुए राजस्थानी एसोसिएशन तमिलनाडु द्वारा सन् 2009 में आपको 'राजस्थानी रत्न' से सम्मानित किया गया। श्री माहेश्वरी ख्यात समाजसेवी पद्मश्री बंशीलाल राठी चेन्नई के परम मित्र थे। उम्र में 2 महीने बड़े होने के कारण श्री राठी ने आपको सदैव अपने बड़े भाई की तरह ही सम्मान दिया। श्री राठी के साथ आपने अनेक जनसेवी कल्याण कार्यों को मूर्त रूप दिया है।

कई संस्थाओं में दिया सहयोग

श्री माहेश्वरी समाज संगठन अंतर्गत अ.भा. माहेश्वरी महासभा, श्री आदित्य विक्रम बिड़ला मेमोरियल व्यापार सहयोग केंद्र, चेन्नई, श्री रामगोपाल माहेश्वरी स्मृति शिक्षा केंद्र, चेन्नई, श्री गंगाधर बंसीलाल राठी माहेश्वरी छात्रावास पुण तथा श्री कृष्णदास जाजू स्मारक ट्रस्ट आदि से सम्बद्ध रहे। प्रादेशिक स्तर पर श्री मद्रास माहेश्वरी सभा, राजस्थानी युथ एसोसिऐशन, तमिलनाडु, केरल पांडिचेरी, प्रादेशिक माहेश्वरी सभा, राजस्थानी तमिलनाडु एसोसिऐशन, तमिलनाडु माहेश्वरी फाउंडेशन जैसी अनेक संस्थाओं के अध्यक्ष पद पर आसीन रहे है। व्यवसायिक क्षेत्र में मद्रास इलेक्ट्रिक ट्रेड एसोसिएशन तथा ऑल इंडिया इलेक्ट्रानिक ट्रेडर्स फेडरेशन के अर्थमंत्री रहे। साथ ही श्रीनाथ सत्संग समिति श्री गोवर्धनदासजी की हवेली चेन्नई के संस्थापक अध्यक्ष, राजस्थानी यूथ एसोसिएशन अध्यक्ष, वन-बंधु परिषद में चेन्नई चेप्टर के संस्थापक अध्यक्ष, चेन्नई में अनेक शैक्षणिक संस्थाओं में सहयोगी, आरवाईए के लांग टूर कमेटी के चेयरमेन तथा खाचरौद, डोडर, नागदा, गाडरवाडा, दालोदा, चेन्नई आदि स्थानों पर माहेश्वरी भवन निर्माण में सहयोगी रहे हैं।

श्रद्धा सुमन अर्पित

मैंने अपने बड़े भाई को खो दिया

श्री माहेश्वरीजी का देहावसान वास्तव में मेरी व्यक्तिगत रूप से इतनी बड़ी क्षति है, जिसकी पूर्ति सम्भव ही नहीं है। आप मेरे लिये तो एक मित्र भी थे और एक बड़े भाई भी। हमारे जीवन का एक बड़ा हिस्सा साथ-साथ गुजरा। ऐसे में उनका इस तरह साथ छोड़कर चले जाना गहरा आघात पहुँचाने वाला ही है।

पद्मश्री बंशीलाल राठी, चेन्नई

अद्वितीय विशेषताओं के थे धनी

श्री माहेश्वरी के देहावसान की खबर पाकर गहरा आघात लगा। आप अद्वितीय विशेषताओं वाले व्यक्ति थे। हम सभी ने उनसे कई चीजें सीखी थीं, जो हमें हमेशा याद रहेंगी। शायद ईश्वर ने एक और देवदूत को अपने स्वर्ग में बुला लिया है।

एस.के.गोयनका

हमारे लिये अपूरणीय क्षति

श्री माहेश्वरी के देहावसान का समाचार प्राप्त हुआ तो बहुत ही शॉक लगा, उनके जैसा व्यक्तित्व हमारे बीच में न रहने से श्री गोवर्धननाथजी हवेली के लिए भी अपूरणीय क्षति हुई। प्रभु से यही विनती करते हैं। वह हमेशा अपने चरणों में उन्हें स्थान दे और पूरे परिवार को मुश्किल समय में धैर्य और शक्ति प्रदान करें।

- श्री 108 श्री यदुनाथजी
कडी अहमदाबाद

सभी के थे वे चहेते

श्री माहेश्वरी के निधन से समाज ने आज एक स्पष्ट, निस्पृह, निःस्वार्थ एवं पवित्र हृदयी महान व्यक्ति खोया है। लेकिन उनके कार्य, उनकी बातें, सोच हम सभी के लिए प्रेरणा स्त्रोत रहेंगे। श्री पी डी साहब अनेक सामाजिक संस्थाओं से जुड़े हुए थे-सिर्फ माहेश्वरी समाज ही नही, जैन ओसवाल समाज में भी वे प्रिय थे। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा से लेकर स्थानीय सभा व संस्थाओं के विभिन्न पदों पर समाज सेवा का कार्य किया। शिक्षा क्षेत्र में उनका बड़ा योगदान रहा। राजस्थान रत्न जैसे अनेक सम्मानो से अलंकृत होकर भी आप बहुत ही सरल व्यक्ति थे।

कस्तूरचंद बाहेती

सदैव स्मरणीय रहेगी उनकी सेवाभावना

मालवा की माटी में पले बड़े, राठी परिवार बेहपुर के भानेज आदरणीय बाबूजी (पीडी साहब) का निधन समाज की एक बड़ी क्षति है। आपकी समाज सहयोग व प्रगति की भावना सदैव स्मरण रहेगी। उज्जैन संभाग में अनेक मांगलिक भवन में आपका अंकित नाम प्रेरणा का संदेश देता रहेगा।

प्रेमनारायण मालपानी, रतलाम

दूसरों की मदद में रहे सदा सक्रिय

श्री माहेश्वरी के बारे में जानकार गहरा आघात पहुँचा। आप अत्यंत ईमानदार, सरल व्यक्ति थे। आप दूसरों की मदद व उनके उत्थान में सदैव अग्रसर रहते थे। आपने समाजसेवा के क्षेत्र में कई संस्थाओं को तन-मन-धन से सहयोग दिया।

अशोक मूंदड़ा
अध्यक्ष-माहेश्वरी समाज, चेन्नई

अविस्मरणीय रहेंगे योगदान

श्री पी.डी. माहेश्वरी के देहावसान का सुनकर गहरा आघात लगा। आप श्री आदित्य विक्रम बिड़ला मेमोरियल व्यापार सहयोग केंद्र के संस्थापक ट्रस्टी थे। आपके योगदान सदैव ही याद रहेंगे।

राजश्री बिड़ला, मुम्बई

समाज के प्रति समर्पित व्यक्तित्व

पीडी माहेश्वरी जी, काफ़ी सरल व्यक्तित्व के धनी थे। समाज के अनेक राष्ट्रीय पदों को आपने सुशोभित कर सक्रिय योगदान दिया है। आपके निधन से पूरे समाज में अत्यंत शोक है। समाज के प्रति समर्पित ऐसे दानवीर को माहेश्वरी समाज, जबलपुर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

शरद काबरा
अध्यक्ष-जबलपुर माहेश्वरी सभा

श्रीनाथ सत्संग ट्रस्ट के थे आधार स्तम्भ

आपके देहावसान से हमने हमारे मार्गदर्शक को खो दिया है। आप हमारे लिये पारिवारिक सदस्य की तरह थे। आप न सिर्फ श्रीनाथ सत्संग ट्रस्ट के आधार स्तम्भ व सक्रिय सदस्य थे अपितु आपने ट्रस्ट को प्रथम अध्यक्ष के रूप में भी सेवा दी थी। आपकी अद्वितीय सेवा श्री गोवर्धन नाथ जी की हवेली अन्ना नगर के रूप में हमेशा अविस्मरणीय रहेगी।

परेश शाह,
सचिव-श्री गोवर्धननाथ की हवेली, अन्ना नगर

दानवीरता में थे आदर्श

आदरणीय पुरुषोत्तम भाई साहब के निधन के समाचार से मैं हतप्रभ हूं। परिवार और समाज में मदद के लिए सदा तत्पर स्व. श्री पुरुषोत्तम माहेश्वरी (बिंझानी) बहुत नेक दिल इंसान थे। उनकी दानवीरता और विशाल हृदयता के कई संस्मरण जगह-जगह मौजूद हैं। लगभग खाली हाथ वे किस्मत आजमाने मद्रास गए थे लेकिन अपनी मेहनत, लगन और ईमानदारी के बल पर मद्रास ही नहीं अपितु देश के एक देदीप्यमान सितारे की तरह अपना नाम उद्योग और व्यापार के क्षेत्र में प्रकाशित कर गए।

देवेन्द्र सुरजन, जबलपुर

विनम्र स्वभाव थे श्री माहेश्वरी

एक कर्मठ समाजसेवी, निःस्वार्थ दानवीर, स्नेह दिल, सहज सरल मिलनसार व्यक्तित्व के धनी थे श्री पी.डी. माहेश्वरी। आशा है समाज के सभी प्रभुत्वगण एवं समाज की सभी सामाजिक संस्थाएं उनके द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलकर समाज के उत्थान में अपना मार्ग प्रशस्त करेंगे। मैं परम पिता ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि आदरणीय श्री पी.डी. माहेश्वरी जी की दिवंगत आत्मा को अपने श्रीजी चरण में परम स्थान देवें एवं उनके परिवार के सभी सदस्यों को यह आपूरणीय क्षति सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

राठी परिवार, नागदा

अविस्मरणीय व्यक्तित्व

आप एक ऐसे स्वनिर्मित व्यक्ति थे, जो अपने सरल, सहज, मददगार व्यक्तित्व व अद्वितीय योगदान के कारण विशिष्ट पहचान रखते थे। समाज आपको कभी नहीं भूल सकता।

गिरधर झंवर, (पारिवारिक मित्र)

देश की न्यायपालिका के सर्वोच्च पद पर आसीन रहे पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति आर.सी. लाहोटी का गत दिनों देहावसान हो गया। आप न्याय क्षेत्र के इस शीर्ष पद से सेवानिवृत्त होने के पश्चात वर्ष 2005 से समाज को मार्गदर्शक के रूप में अपनी सेवा प्रदान कर रहे थे।

ब्रह्म में विलीन सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश

आर.सी. लाहोटी

न्यायमूर्ति श्री लाहोटी के देहावसान की खबर जैसे ही फैली न्याय क्षेत्र में तो शोक की लहर छाई ही साथ ही माहेश्वरी समाज को लगा जैसे उसने अपना एक मार्गदर्शक खो दिया है। न्यायमूर्ति श्री लाहोटी 1 नवम्बर 2005 में सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के पद पर सतत 18 माह तक सेवा देकर सेवानिवृत्त हुए थे। तभी से आप समाजसेवा के क्षेत्र में समर्पित हो गये। आपकी पहचान एक उत्कृष्ट प्रेरक वक्ता के रूप में रही थी। आपने अपने 18 माह के सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के कार्यकाल में कई महत्वपूर्ण मामलों में इतने सटीक निर्णय दिये कि वे न्यायिक क्षेत्र में मिसाल समझे जाते रहेंगे। आप अपने पीछे बड़े भाई रामनिवास लाहोटी (रिटायर्ड चीफ इंजीनियर), छोटे भाई डॉ. जी.के. लाहोटी (गुना में डॉक्टर), के.के.लाहोटी (हाईकोर्ट जज जबलपुर), ओमप्रकाश लाहोटी (इंश्योरेंस सर्वेयर) तथा अनिल लाहोटी (रेल मंत्रालय दिल्ली में पदस्थ) सहित पत्नी- श्रीमती कौशल्या देवी लाहोटी, पुत्री- श्रीमती पंकज (इंदौर), श्रीमती अर्चना, (भोपाल), श्रीमती वंदना, (अमेरिका) तथा पुत्र- उज्जवल लाहोटी, आईआईटी इंजीनियर अमेरिका आदि सहित शोकाकुल परिवार छोड़ गये हैं।

स्वतंत्रता सेनानी परिवार में लिया जन्म

स्वतंत्रता सेनानी स्व. श्री रतनलाल लाहोटी व श्रीमती कंचनदेवी लाहोटी के यहाँ श्री लाहोटी का जन्म 1 नवम्बर 1940 को मध्यप्रदेश के गुना शहर में हुआ। गेटवे ऑफ मालवा कहलाने वाले गुना शहर की खासियत है कि यह ऐसी हस्तियों की जन्म व कर्मभूमि है जिन्होंने गुना ही नहीं भारत का परचम दुनिया में फहराया है। श्री लाहोटी ने अपना वकालात कैरियर मात्र 20 वर्ष की आयु में गुना की ही जिला अदालत में बार से प्रारंभ किया। यह वह दौर था जब देश अपने पैरों पर खड़े होने की कोशिशें कर रहा था। एडवोकेट बार से काम प्रारंभ करने की शुरुआत करते समय युवा श्री लाहोटी के मन में नए विचार उठे और नए सपने जगे। इसी की परिणिति रही कि केवल दो साल बाद ही वे एक वकील के रूप में नामांकित हो गए। यह एक शुरूआत थी, अपने देखे सपनों को साकार रूप देने की। परिस्थितियां प्रतिकूल रहीं लेकिन श्री लाहोटी ने अपनी समृद्ध वंश परंपरा को नए आयाम देते हुए 20 सालों तक सतत परिश्रम के साथ वकालात के पेशे में खुद को रचा बसा लिया।

ऐसे रखे न्याय सेवा में कदम

अप्रैल 1977 में वह दिन भी आया जब वे राज्य न्यायिक सेवा के लिए बार द्वारा बिना किसी अड़चन के सीधे मनोनीत कर दिए गए। इस उच्च न्यायिक सेवा में उन्हें जिला और सेशन जज बनाया गया। यह एक पड़ाव था उस महान अभियान का जो उन्होंने 20 साल पहले 20 वर्ष की उम्र में गुना लॉ बार से शुरू किया था। लेकिन, यह पद उनके लिए वाकई सिर्फ एक पड़ाव रहा और मात्र 14 महीने बाद वे इससे मुक्त होकर एक बड़े सपने को सच करने की दिशा में हाईकोर्ट में प्रैक्टिस करने चले गए। यहाँ भी उनकी काबिलियत ने उनका साथ दिया और दस वर्षों बाद 1988 में मध्यप्रदेश हाईकोर्ट के जज नियुक्त हुए। इसके बाद उन्हें स्थायी जज के रूप में तरक्की मिली। हमारे देश की न्यायिक व्यवस्था बहुत ही सशक्त और सबल है। दुनिया में भारत का उदाहरण इसीलिए दिया जाता है कि यहां सबसे ऊपर कानून है और इसी सच्चाई ने श्री लाहोटी को हमेशा आकर्षित किया। यही वजह रही कि उन्होंने मेहनत के पहिए के साथ खुद को भी हमेशा गतिमान रखा।

न्याय क्षेत्र के सर्वोच्च पद की ओर कदम

मध्यप्रदेश में सर्वोच्च न्यायिक संस्था में उपयोगी सेवाओं का सुफल उन्हें दिल्ली लेकर गया। सन् 1994 में वे दिल्ली हाईकोर्ट में स्थानांतरित हो गए। इसके बाद उन्होंने अपना सपना पूरा करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया अर्थात् सर्वोच्च न्यायालय (सुप्रीम कोर्ट) की ओर। आखिरकार वह दिन भी आया दिसम्बर 1998 में जब श्री लाहोटी सुप्रीम कोर्ट के माननीय न्यायाधीश के रूप में नियुक्त हुए। यहाँ करीब 6 सालों तक प्रभावी कार्य करते हुए श्री लाहोटी अंततः अपनी वरीयता और योग्यता के आधार पर 1 जून 2004 को भारत के माननीय सर्वोच्च न्यायाधीश के पद पर ससम्मान सुशोभित हुए। उनका कार्यकाल 18 महीनों का रहा व 1 नवम्बर 2005 को इस गरिमामय व जिम्मेदारी भरे पद से सेवानिवृत्त हो गये। सबसे पहले एच.जी. कानिया से शुरू हुए सुप्रीम कोर्ट के प्रधान न्यायाधीशों के सफर में भी लाहोटी का क्रम 35 वां रहा। उनसे पहले श्री राजेंद्र बाबू और बाद में श्री वाय.के. सबरवाल प्रधान न्यायाधीश नियुक्त हुए।

अत्यंत निडर व स्पष्टवादी

23 अगस्त 05, मंगलवार के दिन अचानक पूरा देश अचंभित रह गया कि सर्वोच्च न्यायालय के प्रमुख ये क्या कह रहे हैं। मामला था निजी और गैर अनुदान प्राप्त शिक्षण संस्थाओं में आरक्षण का जिसके पक्ष में सरकार की ओर से सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई गई थी। ईसाइयों को अनुसूचित जनजाति (एसटी) मानने की याचिका पर सरकार के अड़ियल रूख की पैरवी कर रहे थे अटार्नी जनरल श्री मिलन बनर्जी। जब मामला चीफ जस्टिस श्री लाहोटी की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यी खंडपीठ के सामने आया तो ऐसी स्थितियां बन गई कि अंततः माननीय न्यायाधीश को चेतावनी भरे स्वर में कहना पड़ा कि, 'सरकार को चाहिए कि वह अदालतों को उचित सम्मान दें। यदि वह अदालत के साथ टकराव चाहती है, अपने नजरिये में कोई बदलाव नहीं लाना चाहती, तो वह अपना काम करे और हमें अपना काम करने दें।' असल में दलित ईसाइयों को आरक्षण याचिका सुनवाई स्थगित करने की मांग को लेकर श्री बनर्जी की उकसाने वाली यह टिप्पणी खंडपीठ को अनुचित लगी कि, 'इस मामले में जल्दबाजी न करने के लिए वे अदालत के शुक्रगुजार हैं।''

श्रद्धा सुमन अर्पित

समाज के गौरव थे श्री लाहोटी

श्री आर.सी. लाहोटीजी का निधन सम्पूर्ण समाज की अपूरणीय क्षति है। आप समाज के गौरव स्तम्भ थे, जिन्होंने अपने कृतित्व से समाज को एक विशिष्ट पहचान दी थी। आपका जीवन सदा समाज के लिय कर्म व वाणी दोनों से प्रेरक बना रहा।

पद्म श्री बंशीलाल राठी
पूर्व सभापति अ.भा. माहेश्वरी महासभा

हमने अपना मार्गदर्शक खोया

जानकर अत्यंत दुख हुआ कि उच्चतम न्यायालय के निवर्तमान मुख्य न्यायाधीश माननीय श्री रमेशचन्द्र जी लाहोटी का स्वर्गवास हो गया है माहेश्वरी समाज के गौरव श्रद्धेय लहोटी साहब का जीवन अत्यंत प्रेरणास्पद रहा जिसको कभी भुलाया नहीं जा सकता समाज एवं देश के लिए बहुत बड़ी हानि हुई है जिसकी पूर्ति संभव नहीं।

रामकुमार भूतड़ा
अध्यक्ष-अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन

समाज के गौरव थे

एक अत्यंत दुःखद समाचार है कि समाज गौरव पूर्व न्यायाधिपति माननीय श्री रमेशचंद्र जी लाहोटी जी आज हमारे बीच नहीं रहे। मैं विनम्र श्रद्धा-सुमन उस महामानव की अर्पित करता हूँ जो सदा से हमारे मार्गदर्शन के लिये सहज भाव से प्रस्तुत रहते थे। ॐ शांति शांति शांतिः

रामगोपाल मूंदड़ा, (सूरत)
पूर्व उपसभापति, महासभा

युवा वर्ग के लिये थे आदर्श

स्व. श्री लाहोटी समाज के युवाओं के लिये तो आदर्श ही थे। आपने अपने जीवन में जो असम्भव को सम्भव कर दिखाया वह युवाओं में सदैव ऊर्जा को प्रवाहित करता रहेगा।

कमलकिशोर चाण्डक, जोधपुर

मानवता के निःस्वार्थ पुजारी

स्व. श्री लाहोटी वास्तव में मानवता के सच्चे व निःस्वार्थ पुजारी थे। आप चाहे न्यायाधीश रहे अथवा सेवा निवृत्त हुए तो भी मानवता की सेवा की आपकी सेवा भावना में कोई कमी नहीं आयी। आपने मानवता की सेवा में मुक्त हृदय से अपना योगदान दिया। आप ब्रह्मा सावित्री वेद विद्यापीठ पुष्कर के सरंक्षक भी रहे आपके प्रेरणा से ही आज वहां पर 125 वेद पाठी शिक्षा ग्रहण कर रहे है। माहेश्वरी समाज में दिये दिव्य संस्कार से समाज ही नहीं देश भी लाभान्वित हुआ है। आपके निधन से जो क्षति हुई है उसकी पूर्ति संभव नहीं है।

त्रिभुवन काबरा, बड़ोदरा (गुजरात)
उपसभापति अ.भा. माहेश्वरी महासभा (मध्यांचल)

कमी की पूर्ति सम्भव नहीं

न्यायमूर्ति श्री लाहोटी का देहावसान न सिर्फ माहेश्वरी समाज अपितु न्यायपालिका की भी ऐसी क्षति है, जिसकी प्रतिपूर्ति सम्भव नहीं। आपका व्यक्तित्व व कृतित्व सदैव हमें मार्गदर्शित करता रहेगा।

एडव्होकेट राजेन्द्रकुमार ईनानी, बागली
पूर्व प्रदेश अध्यक्ष म.प्र. पश्चिमांचल माहेश्वरी सभा

श्रद्धांजलि

श्रीमती राधादेवी माहेश्वरी

राजनांदगांव। नगर की प्रतिष्ठित फर्म गोपीलाल मूलचंद माहेश्वरी एवं माहेश्वरी मेडिकल एजेंसी के संस्थापक स्व.श्री दीपकचंद माहेश्वरी की धर्मपत्नी श्रीमती राधाबाई माहेश्वरी का 81 वर्ष की अवस्था में निधन हो गया। आप अपने पीछे पुत्र राजेंद्र, नरेंद्र व सुरेंद्र माहेश्वरी, पुत्री शारदा बलदेव डागा का भरा पूरा परिवार छोड़ गई हैं। रायपुर के गोवर्धन दास (जगदीश मेडिकल), श्रीमती सरस्वती देवी माहेश्वरी व श्री नरसिंह दास माहेश्वरी की आप भाभी थीं। माहेश्वरी परिवार द्वारा स्व. श्रीमती राधादेवी माहेश्वरी के पगड़ी रस्म के अवसर पर उनकी पुण्य स्मृति में विभिन्न सामाजिक ट्रस्टों एवं संगठनों को सहयोग राशि प्रदान कर समाज सेवा के पुनीत कार्य में सहभागी बन माहेश्वरी समाज के सामने एक आदर्श उदाहरण प्रस्तुत किया गया। उनके द्वारा श्री बांगड़ माहेश्वरी मेडिकल वेलफेयर सोसायटी, भीलवाड़ा को एक लाख रूपये, छत्तीसगढ़ महेश सेवानिधि ट्रस्ट, रायपुर को इनक्यावन हजार रुपये, श्री माहेश्वरी पंचायत, बालोद को एक लाख रुपये, नवनिर्मित माहेश्वरी भवन में सहयोग हेतु श्री माहेश्वरी समाज भीकमकोर राजस्थान को इनक्यावन हजार रुपये, श्री लोहिया बगीची श्री हनुमान मंदिर लोहावट, राजस्थान को इनक्यावन हजार रुपये, श्री गायत्री परिवार ट्रस्ट राजनांदगांव को एक लाख रुपये तथा श्री प्रजापति ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, राजनांदगांव को इनक्यावन हजार रुपये की सहयोग राशि प्रदान की गई है।

नेत्रदानी श्री राकेश माहेश्वरी

हापुड़। जिला माहेश्वरी सभा हापुड़ के पूर्व प्रधान राकेश माहेश्वरी के पिता श्री महेशचंद्र माहेश्वरी का स्वर्गवास 97 वर्ष की आयु में गत 21 फरवरी को हो गया। उनकी अंतिम इच्छानुसार उनके स्वस्थ नेत्र विश्व भारती प्रेस, हापुड़ के प्रबंधक एवं परिवार के मित्र दिनेशचंद्र माहेश्वरी के प्रयास से स्व. श्री माहेश्वरी के नेत्रदान किये गये। मेरठ मेडिकल कॉलेज की टीम ने आकर स्व. श्री माहेश्वरी के नेत्र प्राप्त किए।

श्री किशन करवा

डेगाना। समाज सदस्य रामदेव करवा के पिता तथा अभिषेक करवा व अनुराग करवा के दादाजी श्रीकिशन करवा का 93 वर्ष की उम्र में गत 19 फरवरी को आकस्मिक देहावसान हो गया। आप बहुत ही विन्रम व मिलनसार स्वभाव के धनी थे। आप अपने पीछे भरापूरा परिवार छोड़कर गए है।

श्रद्धांजलि

अव्यक्तोऽयमचिन्त्योऽयमविकार्योऽयमुच्यते।
तस्मादेवं विदित्वैनं नानुशोचितुमर्हसि॥

निर्मलादेवी सोमानी-स्व. गोविन्ददास जी सोमानी,
हरसूद-इंदौर के जीजाजी

स्व. श्री आर.सी. लाहोटी जी

(पूर्व मुख्य न्यायाधीश-सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया)
(श्रीजी शरण दिनांक 23 मार्च 2022)

एक ऐसी प्रेरणादायक जीवन यात्रा, जो अनन्य
जीवन यात्राओं को प्रेरित करती रहेगी।
श्रेष्ठ न्यायिक, सामाजिक, आध्यात्मिक, पारिवारिक एवं
बौद्धिक मूल्यों तथा उत्तम मर्यादाओं से परिपूर्ण
उनकी जीवन यात्रा को नमन करते हुए ...

श्रद्धानवत

सोमानी परिवार, हरसूद-इंदौर

कृष्णमोहन-शिल्पा सोमानी
स्टेशन रोड, हरसूद
(जिला-खण्डवा)

रोहित-सोनाली सोमानी
116, शान्ति निकेतन कॉलोनी,
बॉम्बे हॉस्पिटल के पीछे, इंदौर

माहेश्वरी विद्या प्रचारक मंडल
स्थापना १९२९

MVPM's 9th **Maheshwari Scholar Award - 2022**

HONOURING MAHESHWARI SCHOLARS - GAIN GLORIOUS CREDITABILITY.

The Award - Salutation to the Best amongst the Best

- ✓ A **Gold Medal** worth **Rs. 50,000** and **Certificate of Merit.**
- ✓ A **Gold Medal** worth **Rs. 25,000** and **Certificate of Merit.**

Eligibility - Academic Excellence in Advance Studies

✓ Maheshwari students who have completed their studies between 1st October 2019 to 15th March 2022 from any of following disciplines:

- BE / B. Tech / B. Arch / ME / M.Tech / M.Arch / MCA
- BDS / MBBS / MD / MS / M.Ch / DM
- PGDM / MBA
- CA / ICWA / CS / CFA
- Ph.D
- UPSC (selected for appointment)
- Any post graduate degree form a foreign university / college
- Any other discipline in advance studies

Selection Process for Awardee - Rescripting the Triumphs

✓ The scholars must possess consistently outstanding academic credentials & are selected through a rigorous selection process carried out by distinguished jury Board.

How to apply?

✓ Link for primary registration **https://www.mvpm.org/scholar** before **APRIL 15th, 2022.**

Maheshwari Vidya Pracharak Mandal
(Established in 1929 - Educate to Excel)

1099/A, Model Colony, Pune 411 016. INDIA. **Tel.:** 91 20 2567 1090 / 91
E-mail: scholar@mvpm.org **Web.:** www.maheshwarischolar.org

Aditya Birla Group: Making a life changing difference

We work in 7,000 villages. Reach out to 9 million people. A glimpse:

HEALTHCARE

Over 100 million Polio vaccinations

5,000 Medical camps / 22 Hospitals: 1 million patients treated

Over 75 deaf and mute children moved from the world of silence to the sound of music through the cochlear implant.

Reach out to over 4,000 children. Extending financial support for the chemotherapy sessions. Encouraging them in a holistic manner to get back quickly on the road to recovery.

Engaged in prevention of cervical cancer through the administration of the HR-HPV vaccine in Maharashtra. Over 4,000 girls have been vaccinated.

More than 6,600 persons had their vision restored through the Vision Foundation of India

100,000 persons tested on 32 health parameters through HealthCubed

EDUCATION

Our 56 schools accord quality education to 46,500 students

Mid-day meals provided to 74,000 children

Solar lamps given to 4.5 lakh children in the hinterland

Foster the cause of the girl child through 40 Kasturba Gandhi Balika Vidyalayas

SUSTAINABLE LIVELIHOODS

100,000 people trained in skill sets

45,000 women empowered through 4,500 SHGs

200,000 farmers on board our agro-based training projects

And much more is being done through the Aditya Birla Centre for Community Initiatives and Rural Development, spearheaded by Mrs. Rajashree Birla. Because we care.

NUMBERS MEAN A LOT

BUT A SMILE MEANS EVERYTHING!

ADITYA BIRLA GROUP

Engage. Uplift. Empower

RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2020-2022
Despatch Date - 02 April, 2022

If Undelivered Please Return To
SRI MAHESHWARI TIMES
90, Vidya Nagar (Behind Tedi Khajur Dargah)
Sanwer Road, UJJAIN (M.P.) - 456010
Ph. : 0734-2526561, 2526761 , Mo. : 94250-91161
E-mail : smt4news@gmail.com